3 | राजधानी
सड़कें होंगी जाम मुक्त हटेगा अतिक्रमण

6 | अभिमत
जनजातियों की स्थिति असंतोषजनक

10 | विदेश
ताइवान पर आमने-सामने चीन और अमेरिका

12 | स्पोर्ट्स
विश्वकप से पहले हाथ खोलेगा भारत

RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 10 अंक 310
नई दिल्ली, मंगलवार, 20 सितंबर, 2022
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

भारत को भारत बनकर रहना होगा

राष्ट्रीय-9

केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग में पीएम का हाथ नहीं: ममता

● भाजपा नेताओं का एक तबका साध रहा हित, बंगाल विस में सीबीआई व ईडी के दुरुपयोग के खिलाफ प्रस्ताव पारित, भाजपा ने किया विरोध

पायनियर समाचार सेवा। कोलकाता

कोलकाता में विधानसभा सत्र में भाग लेने जातीं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को कहा कि उन्हें नहीं लगता कि राज्य में केंद्रीय एजेंसियों की कथित ज्यादतियों के पीछे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हाथ है। उन्होंने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी के नेताओं का एक तबका अपने हित साधने के लिए एजेंसियों का दुरुपयोग कर रहा है। केंद्रीय जांच एजेंसियों की 'ज्यादतियों' के खिलाफ विधानसभा में एक प्रस्ताव पर बोलते हुए बनर्जी ने प्रधानमंत्री से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि केंद्र सरकार का एजेंडा और उनकी पार्टी के हित आपस में न मिलें। भाजपा ने प्रस्ताव का विरोध किया जिसे बाद में विधानसभा ने पारित कर दिया। तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष बनर्जी ने कहा, वर्तमान केंद्र सरकार तानाशाहीपूर्ण तरीके से व्यवहार कर रही है। यह प्रस्ताव किसी खास के खिलाफ नहीं है, बल्कि केंद्रीय एजेंसियों के पक्षपातपूर्ण कामकाज के खिलाफ है। विपक्ष के नेता शुभेन्दु अधिकारी ने कहा कि इस तरह का 'सीबीआई और ईडी के खिलाफ प्रस्ताव' विधानसभा के नियमों के खिलाफ है। प्रस्ताव के पक्ष में 189 और विरोध में 69 मत पड़े। सीबीआई और ईडी जैसी केंद्रीय एजेंसियां राज्य में कई मामलों की जांच कर रही हैं, जिनमें तृणमूल कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता आरोपी हैं।

विपक्ष के तमाम नेता अक्सर मोदी सरकार की इस बात के लिए आलोचना करते देखे जाते हैं कि वो केंद्रीय एजेंसियों के जरिये विपक्ष की आवाज को दबाने की कोशिश कर रही है। पश्चिम बंगाल इस वजह से भी सुर्खियों में है क्योंकि वहां चिट फंड घोटाले के साथ कई अन्य मामलों में एजेंसियां छापेमारी कर रही हैं। ममता बनर्जी के कद्दावर मंत्री पार्थ चटर्जी ईडी की वजह से जेल की हवा खा रहे हैं।

पार्थ व अर्पिता की 48 करोड़ से अधिक की संपत्ति कुर्क

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार को कहा कि उसने पश्चिम बंगाल शिक्षक भर्ती घोटाले में धनशोधन की जांच के सिलसिले में पूर्व मंत्री पार्थ चटर्जी और उनकी कथित सहयोगी अर्पिता मुखर्जी की 48.22 करोड़ रुपए की संपत्ति कुर्क कर ली है। संघीय एजेंसी ने कोलकाता की एक विशेष अदालत में मामले में अपना पहला आरोपपत्र भी दायर किया, जिसमें उसने चटर्जी और मुखर्जी तथा छह कंपनियों को आरोपी बनाया है। एजेंसी ने एक बयान में कहा कि कुर्क की गई संपत्तियों में एक फार्महाउस, कई फ्लैट और कोलकाता में 40.33 करोड़ रुपए की जमीन समेत 40 अचल संपत्तियां शामिल हैं। इसने कहा कि इसके अलावा 35 बैंक खातों में जमा 7.89 करोड़ रुपए की धनराशि भी कुर्क की गई है।(शेष पेज 8)

लंदन में महारानी एलिजाबेथ द्वितीय को अंतिम विदायी देने दुनियाभर से बड़ी संख्या में लोग उमड़े

महारानी एलिजाबेथ द्वितीय को दी गई अंतिम विदाई

भाषा। लंदन

महारानी एलिजाबेथ द्वितीय को सोमवार को अंतिम विदाई देते हुए उनके ताबूत को विंडसर कैसल स्थित सेंट जॉर्ज चैपल के शाही वॉल्ट (शव कक्ष) में नीचे रख दिया गया। ब्रिटिश शाही परिवार में सर्वाधिक वरिष्ठ अधिकारी लॉर्ड चैम्बरलैन ने राजदंड तोड़ने की रस्म पूरी की। शाही परिवार और सैकड़ों की संख्या में लोगों ने दिवंगत महारानी को अंतिम विदाई दी। अंतिम संस्कार में शामिल लोगों में दुनियाभर के करीब 2000 मेहमान जुटे, जिनमें भारत की ओर से राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और विदेश सचिव विनय क्वात्रा ने भाग लिया। ब्रिटेन की घरेलू गुप्तचर सेवा एमआई5 के पूर्व प्रमुख एंड्रयू पार्कर ने सफेद राजदंड को तोड़ने की रस्म पूरी की और इसे महारानी के ताबूत पर रख दिया। यह रस्म राजशाही के प्रति उनकी सेवाओं की समाप्ति का प्रतीक है। महारानी को पति प्रिंस फिलिप के बराबर में दफनाया गया। विंडसर ने डीन ने कहा, हम ईश्वर की सेवक महारानी एलिजाबेथ की आत्मा को उनके हाथों में सौंपने के लिए एकत्र हुए हैं। इससे पहले, महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के ताबूत को राजकीय अंतिम संस्कार के लिए जैसे ही वेस्टमिंस्टर एबे के भीतर ले जाया गया, बिग बेन थम गई और हवा में प्रार्थनाओं के स्वर गूंजने लगे। ब्रिटेन के शाही परिवार के सदस्यों के साथ ही दुनियाभर के विभिन्न देशों से राष्ट्राध्यक्ष और प्रमुख नेता दिवंगत महारानी को श्रद्धांजलि देने के लिए यहां पहुंचे। साथ ही लाखों लोग टेलीविजन पर महारानी की अंतिम यात्रा के साक्षी बने (पेज 10 भी देखें)

चंडीगढ़ वीडियो लीक मामले में एसआईटी का गठन

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

● तीन सदस्यीय टीम में सभी महिलाएं, गिरफ्तार तीनों आरोपी सात दिन की पुलिस हिरासत में भेजे गए

पंजाब पुलिस ने एक छात्रा द्वारा चंडीगढ़ विश्वविद्यालय की कई छात्राओं के आपत्तिजनक वीडियो रिकॉर्ड किए जाने के आरोपों की जांच के लिए तीन सदस्यीय विशेष जांच दल का गठन किया है, जिसमें सभी सदस्य महिला हैं। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी गुरप्रीत कौर देव की अगुवाई में एसआईटी का गठन किया गया है। पंजाब के पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने बताया कि यह दल मामले की गहन जांच करेगा और इसमें शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा, जांच तेजी से आगे बढ़ रही है। इस मामले में एक छात्रा समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। यादव ने सभी से शांति बनाए रखने की अपील की और कहा, अपुष्ट अफवाहों पर भरोसा नहीं करें।

समाज में शांति के लिए आइए, मिलकर काम करें। पंजाब के मोहाली स्थित विश्वविद्यालय परिसर में इस मामले को लेकर शनिवार रात से शुरू हुआ प्रदर्शन सोमवार सुबह समाप्त हुआ। पुलिस ने कहा कि मामले में भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) अधिनियम की धारा 354-सी (ताक झांक करना) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है और मामले में जांच जारी है। वहीं इस मामले में गिरफ्तार तीनों आरोपियों को एक अदालत ने सोमवार को एक सप्ताह के लिए पुलिस हिरासत में भेज दिया। पुलिस ने तीनों आरोपियों को पंजाब के मोहाली में खरड़ की अदालत में पेश किया और दस दिन की हिरासत का अनुरोध किया। (शेष पेज 8)

आईपीएस अफसर सतीश चंद्र वर्मा की बर्खास्तगी पर कोर्ट ने लगाई रोक

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने गुजरात कैडर के भारतीय पुलिस सेवा(आईपीएस) के एक वरिष्ठ अधिकारी सतीश चंद्र वर्मा को बर्खास्त करने के केंद्र के फैसले पर सोमवार को एक हफ्ते के लिए रोक लगा दी। वर्मा ने गुजरात में इशरत जहां कथित फर्जी मुठभेड़ मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की जांच में सहायता की थी। वर्मा के 30 सितंबर को सेवानिवृत्त होने से एक महीने पहले उन्हें 30 अगस्त को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया। न्यायमूर्ति के.एम. जोसेफ और न्यायमूर्ति ऋषिकेश रॉय की पीठ ने वर्मा को अपनी बर्खास्तगी को चुनौती देने के लिए दिल्ली उच्च न्यायालय का रुख करने की अनुमति दी है। साथ ही, पीठ ने कहा कि उच्च न्यायालय को इस प्रश्न पर विचार करना है कि बर्खास्तगी आदेश पर स्थगन जारी रहेगा या नहीं। पीठ ने कहा, हमारा मानना है कि इस मामले के तथ्यों के आलोक में, न्याय के हित में यह जरूरी है कि वादी को बर्खास्त करने के लिए (शेष पेज 8)

ईडी का दावा, आरोपियों की मदद कर रहे संवैधानिक पदाधिकारी

छत्तीसगढ़ नागरिक आपूर्ति निगम घोटाला

● प्रवर्तन निदेशालय ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि इसके लिए वे एक न्यायाधीश के संपर्क में भी हैं

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार को चौंकाने वाला एक दावा करते हुए सुप्रीम कोर्ट से कहा कि छत्तीसगढ़ के कुछ संवैधानिक पदाधिकारी राज्य में करोड़ों रुपए के नागरिक आपूर्ति निगम घोटाला से जुड़े धन शोधन के एक मामले में कुछ आरोपियों की मदद के लिए हाईकोर्ट के एक न्यायाधीश के संपर्क में हैं। धन शोधन रोधी जांच एजेंसी की ओर से सॉलिसीटर जनरल तुषार मेहता ने प्रधान न्यायाधीश उदय उमेश ललित की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष यह दलील दी। ईडी ने मामले की सुनवाई छत्तीसगढ़ से बाहर स्थानांतरित करने का अनुरोध किया है। पीठ के सदस्यों में न्यायमूर्ति अजय रस्तोगी और न्यायमूर्ति एस रवींद्र भट शामिल हैं। शीर्ष न्यायालय ने ईडी द्वारा सीलबंद लिफाफे में उपलब्ध कराई गई सामग्री का संज्ञान लिया और राज्य सरकार तथा अन्य पक्षों को सीलबंद लिफाफे में ऐसे दस्तावेज सौंपने को कहा, जिन्हें वे दाखिल करना चाहते हैं।

पीठ ने मामले की सुनवाई के लिए 26 सितंबर की तारीख निर्धारित करते हुए पक्षकारों को ईडी की अर्जी सुनवाई योग्य होने या नहीं होने के विषय पर भी लिखित दलीलें पेश करने को कहा। विधि अधिकारी मेहता ने आरोप लगाया कि राज्य के कुछ उच्च संवैधानिक पदाधिकारी विशेष जांच दल के साथ आरोपियों की मिलीभगत से मामले को कमजोर कर रहे हैं। आरोपियों में भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के दो अधिकारी भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि आरोपियों ने ईडी के समक्ष दिए बयान वापस लेने के लिए न सिर्फ गवाहों को प्रभावित किया, (शेष पेज 8)

आठ राज्यों ने दिया राहुल को अध्यक्ष बनाने का प्रस्ताव

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

केरल के पुन्नामाडा में झील में नौका दौड़ में भाग लेते राहुल गांधी

● कांग्रेस कमेटियों ने कहा- राहुल संभालें कमान, 17 अक्टूबर को होना है चुनाव

कांग्रेस अध्यक्ष पद का चुनाव नजदीक आने और भारत जोड़ो यात्रा को भारी समर्थन मिलने के बीच पार्टी के भीतर राहुल गांधी को एक बार फिर से अध्यक्ष बनाने की मांग तेज हो गई है। इसी क्रम में अब तक आठ प्रदेश कांग्रेस कमेटियों ने राहुल गांधी के समर्थन में प्रस्ताव पारित किया है। ज्ञात रहे कि कांग्रेस अध्यक्ष का चुनाव 17 अक्टूबर को होगा। कांग्रेस की इन इकाइयों ने ये प्रस्ताव उस वक्त पारित किए है जब गत नौ सितंबर को कन्याकुमारी में राहुल गांधी ने यह संकेत दिया था कि वह पार्टी का अध्यक्ष नहीं बनने के अपने पुराने फैसले पर कायम हैं।

राजस्थान, गुजरात और छत्तीसगढ़ के बाद सोमवार को तमिलनाडु, महाराष्ट्र, जम्मू-कश्मीर और बिहार तथा मुंबई की कांग्रेस इकाइयों ने प्रस्ताव पारित कर कहा कि राहुल गांधी को एक बार फिर से पार्टी की कमान संभालनी चाहिए। राहुल गांधी को अध्यक्ष बनाने की मांग वाले प्रस्ताव पारित करने की शुरुआत राजस्थान और छत्तीसगढ़ ने की। राहुल गांधी ने इस महीने की शुरूआत में कहा था कि उन्होंने फैसला कर लिया है, लेकिन अपनी योजनाओं का खुलासा नहीं करेंगे। उन्होंने यह भी कहा था कि यदि पार्टी के अध्यक्ष पद के लिए वह आगामी चुनाव नहीं लड़ेंगे तो वह इसके कारण बता देंगे। ठीक इसी तरह वर्ष 2017 में एक प्रस्ताव पारित कर राहुल गांधी को अध्यक्ष बनाया गया था। राहुल गांधी ने वर्ष 2019 लोकसभा चुनाव में करारी हार के बाद अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था। (शेष पेज 8)

बाजार

सेंसेक्स	59,141	↑ 300	
निफ्टी	17,622	↑ 91	
सोना	49,065	↓ 315	/10g
चांदी	56,606	↓ 114	/kg

क्विक न्यूज

शिक्षक भर्ती घोटाले में उत्तर बंग विवि के कुलपति गिरफ्तार

नई दिल्ली। सीबीआई ने उत्तर बंग विश्वविद्यालय के कुलपति सुबीरेश भट्टाचार्य को पश्चिम बंगाल में 2016 में सहायक शिक्षक भर्ती घोटाले के मामले में गिरफ्तार किया। पश्चिम बंगाल केंद्रीय स्कूल सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष भट्टाचार्य को सीबीआई कार्यालय में पूछताछ के लिए बुलाया गया था। बाद में सीबीआई ने उन्हे हिरासत में ले लिया। भट्टाचार्य 2014-18 तक आयोग के अध्यक्ष थे। हाईकोर्ट के निर्देश पर सीबीआई ने जांच शुरू की थी। आरोप है कि आयोग के तत्कालीन सलाहकार एसपी सिन्हा ने अन्य के साथ 2016 में आयोग द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय चयन परीक्षा में सहायक शिक्षकों की नियुक्ति में अयोग्य, गैर-सूचीबद्ध और निचले रैंक वाले उम्मीदवारों को अनुचित लाभ दिया था।

भाजपा में शामिल हुए अमरिंदर सिंह

● पंजाब लोक कांग्रेस का भी भाजपा में विलय

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

नई दिल्ली में भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की उपस्थिति में भगवा दल में सम्मिलित हुए पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह

पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री और पंजाब लोक कांग्रेस (पीएलसी) के प्रमुख कैप्टन अमरिंदर सिंह अपने समर्थकों के साथ सोमवार को भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए। इसके साथ ही उन्होंने अपनी नवगठित पार्टी पीएलसी का भी भाजपा में विलय कर दिया। केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर और किरेन रीजीजू, भाजपा की पंजाब इकाई के अध्यक्ष अश्विनी शर्मा सहित पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में सिंह ने यहां पार्टी मुख्यालय में केंद्र में सत्तारूढ़ दल का दामन थामा। सिंह ने राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर भाजपा की प्रतिबद्धता की सराहना की और कहा कि उनका इस पार्टी में शामिल होने के प्रमुख कारणों में एक कारण यह है। सिंह के पुत्र रनींद्र सिंह और पुत्री जय इंद्र कौर भी इस अवसर पर भाजपा में शामिल हुए। इनके अलावा पंजाब विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष अजायब सिंह भट्टी, पूर्व सांसद अमरीक सिंह अलीवाल, पूर्व विधायक हरचंद कौर, हरिंदर सिंह ठेकेदार, प्रेम मित्तल और श्रमिक नेता केवल सिंह ने भी भाजपा का दामन थामा।

पूर्व मुख्यमंत्री के सहयोगी रहे बीआईएस चहल ने भी भाजपा की सदस्यता ग्रहण की।

सिंह ने कहा कि उन्होंने पीएलसी के नेताओं से चर्चा के बाद अपनी पार्टी का भाजपा में विलय करने का फैसला किया। सिंह ने कहा, अब देश के लिए कुछ करने का समय है। हमने कांग्रेस को देख लिया। अब उस पार्टी के साथ काम करने का समय है, जो देश और इसकी सुरक्षा के लिए इतना कुछ कर रही है। (शेष पेज 8)

मान को उड़ान से उतारने की खबरों पर सियासी बवाल

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

● विपक्ष ने घेरा, केंद्र से जांच कराने की मांग, आम आदमी पार्टी ने आरोप को निराधार, फर्जी और झूठा करार दिया

फ्रैंकफर्ट हवाई अड्डे पर विमान से कथित तौर पर उतारे जाने को लेकर पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान एक बड़े विवाद में फंस गए हैं। हालांकि मान और उनकी आम आदमी पार्टी (आप) ने पुरजोर तरीके से उन रिपोर्टों का नकारा है जिसमें कहा गया है कि नशे में होने के कारण उन्हें विमान से उतारा गया। बहरहाल उनके प्रतिद्वंदियों और आलोचकों को एक मुद्दा मिल गया है। पंजाब में शिरोमणि अकाली दल के प्रमुख और पूर्व उप मुख्यमंत्री सुखबीर सिंह बादल ने आरोप लगाया कि भगवंत मान को नशे की हालत में होने के कारण लुफ्थांसा के विमान से नीचे उतार दिया गया।

सुखबीर सिंह बादल ने ट्वीट किया, सह-यात्रियों के हवाले से मीडिया में आई परेशान करने वाली खबरों में कहा गया है कि पंजाब के मुख्यमंत्री मान को लुफ्थांसा की उड़ान से उतार दिया गया क्योंकि वह बहुत ही ज्यादा नशे में थे। इससे उड़ान में चार घंटे की देरी हुई। वह आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय अधिवेशन से चूक गए। इन समाचारों ने दुनिया भर के पंजाबियों को शर्मसार किया है। हालांकि, आप के मुख्य प्रवक्ता मलविंदर सिंह कंग ने आरोपों को निराधार और फर्जी बताया तथा प्रतिद्वंद्वी दलों पर मुख्यमंत्री को बदनाम करने के लिए नकारात्मक प्रचार करने का आरोप लगाया है। कंग ने कहा, सभी आरोप निराधार, फर्जी और झूठे हैं। उन्होंने पलटवार कर आरोप लगाया कि विपक्षी दल मुख्यमंत्री मान के खिलाफ अफवाह फैला रहे हैं क्योंकि वे इस तथ्य को पचा नहीं पा रहे हैं कि वह राज्य में निवेश लाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं।

दूसरी ओर लुफ्थांसा एयरलाइन के एक प्रवक्ता ने कहा, फ्रैंकफर्ट से दिल्ली के लिए हमारी उड़ान, देर से आई उड़ान और विमान में परिवर्तन के कारण तय समय से देरी से रवाना हुई। भगवंत मान सोमवार को जर्मनी से अपनी आठ दिवसीय यात्रा से लौटे जहां वह विभिन्न क्षेत्रों में निवेश प्रस्ताव आमंत्रित करने गए थे। वहीं सुखबीर सिंह बादल ने एक अन्य ट्वीट में इस बात पर भी हैरानी जताई कि राज्य सरकार इस मुद्दे पर पूरी तरह चुप है। शिअद प्रमुख ने कहा, हैरानी की बात यह है कि पंजाब सरकार मुख्यमंत्री मान के बारे में इन खबरों पर पूरी तरह से चुप्पी साधे है। अरविंद केजरीवाल को इस मुद्दे पर स्पष्टीकरण देने की जरूरत है। भारत सरकार को कदम उठाना चाहिए क्योंकि इसमें पंजाबी और राष्ट्रीय गौरव की बात है। यदि उन्हें विमान से उतारा गया था, तो भारत सरकार को अपने जर्मन समकक्ष के साथ इस मुद्दे को उठाना चाहिए। कांग्रेस नेता और पंजाब विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा ने मामले की जांच की मांग की। उन्होंने कहा कि अगर मान को विमान से उतारने की खबरें सही हैं तो यह पूरे देश के लिए शर्मिंदगी की बात है।

एसआईटी की रिपोर्ट सार्वजनिक, मचा हड़कंप

सुपरटेक ट्विन टावर मामला

● इसी जांच रिपोर्ट को आधार बनाकर 32 लोगों पर विजिलेंस ने दर्ज कराई थी एफआईआर, आरोपियों से इसी के इर्द-गिर्द होनी थी पूछताछ

● प्राधिकरण के अंदर से ही किसी ने रिपोर्ट को किया सार्वजनिक, हो सकती है कड़ी कार्रवाई, विजिलेंस नए सिरे से प्रश्न कर रहा तैयार

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

सुपरटेक ट्विन टावर मामले में एसआईटी की जांच रिपोर्ट किसी ने सार्वजनिक कर दी है। इससे विजिलेंस विभाग में हड़कंप मच गया है और उसने मामले को लेकर कड़ी आपत्ति जताई है। इसी जांच रिपोर्ट के आधार पर आरोपियों से पूछताछ होनी थी। सूत्रों का कहना कि जांच रिपोर्ट सार्वजनिक होने से आरोपियों को पहले ही जानकारी मिल गई कि उन पर क्या आरोप हैं। ऐसे में वे पहले ही जवाब तैयार कर बचने का रास्ता निकाल सकते हैं। मामले को लेकर विजिलेंस विभाग की मुश्किलें बढ़ सकती है।

बताया जा रहा है कि यह जांच रिपोर्ट नोएडा प्राधिकरण के लोगों ने ही सार्वजनिक की है। दरअसल, विजिलेंस ने एसआईटी की रिपोर्ट को आधार बनाकर प्राधिकरण के 26 अधिकारियों, दो आर्किटेक्चर कंपनी और सुपरटेक के चार निदेशकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। एफ आईआर के बाद विजिलेंस ने प्राधिकरण से प्रकरण से जुड़े दस्तावेज मांगे थे। दस्तावेज तो उपलब्ध करा दिए गए, लेकिन अभी तक जवाब किसी भी आरोपी की ओर से नहीं दिया गया।

हाल ही में प्राधिकरण आई विजिलेंस टीम ने इस मामले में कड़ी आपत्ति दर्ज कराई। माना जा रहा है कि जल्द ही उन लोगों पर गाज गिर सकती है, जिन्होंने इसे सार्वजनिक किया है। सूत्रों का कहना कि जांच रिपोर्ट सार्वजनिक होने से आरोपियों को पहले ही जानकारी मिल गई कि उन पर क्या आरोप है। ऐसे में उन्हें बचने के लिए जवाब तैयार करने का मौका मिल जाएगा। विजिलेंस सूत्रों की मानें तो अब कुछ अन्य प्रश्न तैयार किए जा रहे हैं, जिनके आधार पर पूछताछ की जाएगी। ऐसे में जल्द ही टीम नोएडा प्राधिकरण आएगी।

हालांकि जिन अधिकारियों के नाम एसआईटी की टीम ने अपनी रिपोर्ट में दिए हैं, उनमे से अधिकांश रिटायर्ड हो चुके हैं।

सुपरटेक ट्विन टावर मामले में लखनऊ विजिलेंस ने नोएडा प्राधिकरण पहुंचकर जानकारी जुटाई थी। टीम ने ट्विन टावर और एमराल्ड के नक्शों से जुड़ी पूरी जानकारी हासिल की थी। विजिलेंस में करीब 11 महीने पहले नोएडा प्राधिकरण ने एसआइटी की जांच रिपोर्ट के आधार पर पिछले साल 4 अक्टूबर को एफआईआर दर्ज कराई थी। इसमें 24 अधिकारियों के अलावा सुपरटेक बिल्डर के चार पदाधिकारियों को आरोपी बनाया था। अब बारी-बारी से पूछताछ होगी।

विजिलेंस के अनुसार इस मामले में नोएडा प्राधिकरण के तत्कालीन सीईओ मोहिंदर सिंह, एसके द्विवेदी, एसीईओ आरपी अरोड़ा, ओएसडी यशपाल सिंह, सहयुक्त नगर नियोजक ऋतुराज व्यास, नगर नियोजक एके मिश्रा, वरिष्ठ नगर नियोजक राजपाल कौशिक, मुख्यवास्तु विधि त्रिभ्जुवन सिंह, उप महाप्रबंधक शैलेंद्र कैरे, परियोजना अभियंता बाबू राम, प्लानिंग असिस्टेंट टीएन पटेल, वीए देवपुजारी मुख्य वास्तुविद, अनीता प्लानिंग असिस्टेंट, मुकेश गोयल, प्रवीण श्रीवास्तव, ज्ञान चंद, राजेश कुमार, विमला सिंह, विपिन गौड़, एमसी त्यागी, केके पांडे, पीएम बाथम, एसी सिंह शामिल हैं।

इसके अलावा, सुपरटेक के निदेशक आरके आरोड़ा, संगीता अरोड़ा, अनिल शर्मा और विकास कंसल के भी नाम हैं। इन सभी से विजिलेंस पूछताछ करेगी। इस मामले में नोएडा प्राधिकरण से गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण के प्लानिंग मैनेजर मुकेश गोयल, नोएडा प्राधिकरण की प्लानिंग असिस्टेंट विमला सिंह, यूपीएसआईडीसी में तैनात प्लानिंग असिस्टेंट अनीता व यमुना प्राधिकरण के प्रभारी जीएम प्लानिंग ऋतुराज हैं। इन चारों को शासन स्तर से निलंबित किया जा चुका है।

केवल 12 दिन में 20,000 आवेदन हुए डाउनलोड

यमुना प्राधिकरण की योजना

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

यमुना प्राधिकरण ने 7 सितंबर को निकाली गई आवासीय स्कीम जेवर एयरपोर्ट के पास सफल होते जा रही है। 12 दिन में स्कीम के लिए 20203 एप्लीकेशन डाउनलोड हो चुके हैं, जबकि 9510 फार्म बिक चुके हैं। कुल 6,875 फार्म जमा हो चुके हैं। इनमें से 3234 लोगों ने तो रजिस्ट्रेशन मनी के साथ फार्म जमा करा दिए हैं। इस बात से अंदाजा लगाया जा सकता है कि स्कीम में लोग आवेदन कर रहे हैं। नवरात्रि के दौरान उम्मीद है कि स्कीम में और भी अधिक लोग आवेदन करेंगे। आगामी 7 अक्टूबर इस स्कीम के लिए आवेदन करने की अंतिम तारीख है।

अथॉरिटी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉ अरुणवीर सिंह ने बताया कि इस स्कीम के तहत भूखंडों का आवंटन लॉटरी के जरिए किया जाएगा। स्कीम का ड्रॉ 15 नवंबर को किया जाएगा। योजना के तहत 7 अक्टूबर तक आवेदन दिया जा सकता है। इस तिथि तक आए आवेदनों की जांच के बाद अंतिम सूची वेबसाइट पर जारी की जाएगी। सभी आवेदनों की जांच करने के बाद 15 नवंबर 2022 को इसका ड्रॉ कराया जाएगा। ड्रॉ की निगरानी करने के लिए बड़े अफसरों की एक कमेटी बनाई जाएगी। इसकी वीडियोग्राफी भी कराई जाएगी। ड्रॉ होने के बाद एक सप्ताह के भीतर आवेदकों की लिस्ट यीडा की वेबसाइट पर अपलोड कर दी जाएगी। इसके बाद अगले एक सप्ताह के अंदर सफल आवेदकों को अलॉटमेंट लेटर जारी कर दिया जाएगा।

पत्नी के सामने मेट्रो के आगे कूदकर दी जान

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा में एक व्यक्ति ने मेट्रो के आगे कूदकर अपनी जान दे दी। वहां मौजूद लोगों और पुलिस कर्मियों ने उसे अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। व्यक्ति की पहचान राजेश (47) के रूप में हुई है। वह हरियाणा के झज्जर जिले का रहने वाला था और ग्रेटर नोएडा में स्थित एमआरएफ टायर कंपनी में काम करता था। वह ग्रेटर नोएडा में ही किराए के मकान में रहता था। पुलिस के मुताबिक राजेश का पत्नी से किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। वह अपनी पत्नी को छोड़ने नोएडा के गोल्फ कोर्स मेट्रो स्टेशन आया था। सुबह करीब पौने नौ बजे जैसे ही मेट्रो प्लेटफार्म पर आई, उसने पत्नी के सामने ही ट्रैक पर छलांग लगा दी। पुलिस ने बताया कि राजेश का बड़ा बेटा एमबीबीएस कर रहा है, वहीं दूसरा बेटा नीट की तैयारी कर रहा है।

कपड़ा व्यापारी संदिग्ध परिस्थितियों में लापता

गाजियाबाद। जलालपुर मार्ग स्थित त्रिमूर्ति विहार कॉलोनी निवासी कपड़ा व्यापारी संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया। परिजनों ने अनहोनी की आशंका जताते हुए थाने में तहरीर दी है। पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है। नगर की त्रिमूर्ति कॉलोनी निवाी ब्रजपाह सिंह उर्फ नीश कपड़ा रेलवे रोड पर कपड़ा बेचने का काम करते है। शनिवार शाम को वह घर से साईकिल लेकर निकले थे, लेकिन वापस नहीं आए। काफी तलाश करने के बाद भी जब वह नहीं मिले तो परिजनों ने थाने में तहरीर दी है।

श्रीकांत की पत्नी ने सोसाइटी के लोगों के खिलाफ निकाला मार्च

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा में सेक्टर-93बी ग्रैंड ओमैक्स हाउसिंग सोसाइटी में रविवार रात को श्रीकांत त्यागी की पत्नी ने परिजनों के साथ मोबाइल टॉर्च जलाकर विरोध मार्च निकाला। यह मार्च ग्रैंड ओमैक्स सोसायइटी के निवासियों के खिलाफ निकाला गया है। शनिवार रात सोसायटी की महिलाओं और बच्चों ने ऐसा ही एक मार्च निकाला था। उन लोगों का कहना था कि महिलाओं के सम्मान में यह मार्च निकाल रहे हैं। श्रीकांत त्यागी के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए। अब रविवार रात श्रीकांत त्यागी पक्ष ने मार्च निकाला। इन लोगों ने कहा कि सोसायटी की कुछ महिलाएं माहौल खराब करना चाहती हैं। उनका मकसद श्रीकांत के परिवार को मानसिक रूप से प्रताड़ित करना है। परिवार की कई महिलाएं इसमें शामिल हुईं। बुजुर्ग महिलाओं ने कहा कि अब भला क्या श्रीकांत को फांसी दे दी जाए। उस पर गलत मुकदमा दर्जकर जेल में डाला गया है।

सर तन से जुदा की धमकी को पुलिस ने बताया झूठा

गाजियाबाद। गाजियाबाद में एक डॉक्टर को मिली सर तन से जुदा करने की कथित धमकी को पुलिस ने फर्जी बताया है। पुलिस का कहना है कि डॉ. अरविंद वत्स अकेला ने मीडिया में सुर्खियां बटोरने के लिए इंटरनेट पर बनाए एक अमेरिकी नंबर की कॉल को धमकी वाली कॉल बताकर यह अफवाह फैलाई थी। उधर, डॉ. वत्स और हिंदू नेता यति नरसिंहानंद गिरि ने पुलिस के खुलासे पर ही सवाल उठा दिए हैं। डॉ. अकेला ने कहा है कि यदि वह झूठ बोल रहा है, तो उसे फांसी दे दी जाए।

तेज रफ्तार एम्बुलेंस ने तीन मोटरसाइकिलों में मारी टक्कर, महिला समेत तीन लोगों की मौत

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

गाजियाबाद में 24 घंटे के भीतर दूसरा बड़ा सड़क हादसा रविवार देर रात हुआ। तेज रफ्तार अनियंत्रित एम्बुलेंस ने तीन मोटरसाइकिलों को टक्कर मार दी। इस हादसे में एक महिला और दो युवकों की मौत हो गई। एक बच्चा समेत दो लोग घायल हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हादसे पर शोक जताया और घायलों के बेहतर इलाज की व्यवस्था के निर्देश दिए। यह हादसा विजयनगर थाना क्षेत्र में सिद्धार्थ विहार चौराहा स्थित डीपीएस के पास हुआ। इंस्पेक्टर योगेंद्र मलिक ने बताया कि मृतकों की पहचान मनमोहन निवासी गांव मई, ऋषिपाल निवासी बिहारीपुरा और राजकुमारी निवासी पतवाड़ी बिसरख के रूप में हुई है। मनमोहन और ऋषिपाल एक बाइक पर थे, जबकि दूसरी बाइक पर राजकुमारी अपने बच्चे और पति संग कहीं जा रही थी। इंस्पेक्टर ने बताया कि प्रथम दृष्टया एम्बुलेंस का चालक नशे में लग रहा था। उसे हिरासत में ले लिया गया है। इंस्पेक्टर ने बताया कि इस हादसे में एक बच्चा और युवक घायल हुए हैं। अस्पताल में उन्हें प्राथमिक उपचार देने के बाद डॉक्टरों ने छुट्टी दे दी है।

ग्रेटर नोएडा में सड़क हादसे में चालक की गई जान

नोएडा। ग्रेटर नोएडा के दादरी थाना क्षेत्र में ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेसवे पर तड़के सड़क हादसे में अज्ञात वाहन ने केंटर को टक्कर मार दी। इससे चालक और परिचालक गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां पर डॉक्टरों ने चालक को मृत घोषित कर दिया। केंटर में माल लेकर चालक राजपाल और परिचालक सचिन ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेसवे से जा रहे थे। सुबह करीब 3.30 बजे दादरी थाना क्षेत्र में इन्होंने अपने केंटर को ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस पर ही खड़ा कर दिया और उसके बाद रस्सी को कसकर बांधने लगे। तभी पीछे से आए एक अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। दादरी थाना प्रभारी राकेश कुमार ने बताया कि राजपाल मूल रूप से मुरादाबाद का रहने वाला था।

चार लोगों ने की आत्महत्या, छात्रा 8वीं मंजिल से कूदी

नोएडा। गौतमबुद्धनगर जिले में अलग-अलग स्थानों पर चार लोगों ने खुदकुशी कर ली। नोएडा पुलिस आयुक्त आलोक सिंह के मीडिया प्रभारी पंकज कुमार ने बताया कि थाना बिसरख क्षेत्र के चिपयाना खुर्द गांव में रहने वाले रमन वशिष्ठ (30), ग्राम गेझा में रहने वाले विवेक (22) पुत्र जय दुर्गा, सेक्टर-39 स्थित वाटर पंप परिसर मे रहने वाले शशीकांत (53) निजी कारणों से जान दे दी, जबकि थाना फेस-3 क्षेत्र के पीजी में रहने वाले अभिलाष पुत्र पवन (27) की संदिग्ध अवस्था में मौत हो गई। दूसरी ओर, थाना बिसरख क्षेत्र की सोसाइटी में रहने वाली 14 वर्षीय छात्रा ने आठवीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या का प्रयास किया। उसे यथार्थ अस्पताल में भर्ती कराया है।

खुलेआम शराब पीने वाले 600 पर कार्रवाई

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

गौतमबुद्धनगर जिले में सार्वजनिक स्थानों पर खुलेआम शराब पीने व यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले लोगों के खिलाफ कमिश्नरेट पुलिस ने अभियान चलाकर कार्रवाई की है। अभियान के तहत सार्वजनिक स्थानों पर शराब पी रहे 600 लोगो तथा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 628 वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की गई। पुलिस कमिश्नर आलोक सिंह के पीआरओ पंकज कुमार ने बताया कि रविवार को सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने वालों के खिलाफ अभियान चलाया गया। जिले में चले अभियान के तहत सार्वजनिक स्थान पर शराब पीने वाले 600 लोगों के खिलाफ 290 आईपीसी के तहत कार्रवाई की गई। इसके अलावा संदिग्ध वाहनों की तलाशी ली।

मुठभेड़ में इनामी गौकश घायल, गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

थाना दनकौर पुलिस ने 25 हजार रुपये के इनामी गौकश को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया है। पकड़ा गया आरोपी गत दिनों हुई मुठभेड़ के दौरान फरार हो गया था।

एडीसीपी विशाल पांडे ने बताया कि थाना दनकौर पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर अट्टा फतेहपुर गांव के बाहर जंगल में गौकश ताजू को घेर लिया। पुलिस से घिरा देखकर आरोपी ने फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में गोली लगने से ताजू घायल हो गया।

CONSUMER DISPUTES REDRESSAL FORUM – VII (SOUTH WEST DISTRICT)
[Govt. of National Capital Territory of Delhi]
1st Floor, Pandit Deep Chand Sharma Sahkaar Bhawan Plot No.127, Sec-20, Phase-1, Dwarka, New Delhi-110077

In the matter of **Complaint Case No. DF-VII/101/2021** Complainant (s)
Suni Antony
Versus
Dwarka Heights Co. Op. Society Ltd. & Ors. Opposite Party (ies)

To
1. Dwarka Heights Co-Operative Housing Society Ltd. 22-A, Pocket-1, Sec-10, Dwarka, New Delhi-75 also at Shaukeen International School C, Sec-24, Chhawala, Dwarka, New Delhi-71
2. Nivesh Global
3. The Antriksh Sensing Tomorrow and Antriksh Real Estate C/o Nivesh Global
4. Meghraj Rathore All addressee of- Agarwal Square Plaza, 2nd Floor, Plot No.8, Pocket-7, Sec-12, Dwarka, New Delhi-75 Meghraj Rathore also at: D-970, New Friends Colony Ground Floor, Near Mata Mandir, South Delhi.

NOTICE FOR APPEARANCE UNDER SECTION 13 OF THE CONSUMER PROTECTION ACT 2019 READ WITH REGULATION 10 OF THE CONSUMER PROTECTION REGULATIONS, 2005

Whereas the complainants (s) has/have instituted a consumer complaint under Section 12 of the Consumer Protection Act, 1986 alleging deficiency/unfair or restrictive trade practices against you as provided under Section 2 (6) of the Consumer Protection Act, 2019, this notice is hereby served upon you for your appearance before this Forum on **27/10/2022** at **10.00 a.m.** in person or through an authorized agent duly instructed and able to answer all material questions relating to the complaint. Copy of this Complaint is attached herewith.
You are further directed to file your version of the case in writing (written statement) before this forum within 30 days of receipt of this notice with an advance copy to the complainant by post/hand delivery well in time as provided under Section 38 of the Consumer Protection Act, 2019. Please note that in default of your appearance on the date mentioned above, the complainant will be heard ex-parte and determined in your absence. Given under my hand and the seal of the Forum, this 30/8/2022.

S.D.
President/Member
CDRF-VII (SW), New Delhi

CONSUMER DISPUTES REDRESSAL FORUM – VII (SOUTH WEST DISTRICT)
[Govt. of National Capital Territory of Delhi]
1st Floor, Pandit Deep Chand Sharma Sahkaar Bhawan Plot No.127, Sec-20, Phase-1, Dwarka, New Delhi-110077

In the matter of **Complaint Case No. DF-VII/93/2021** Complainant (s)
Vishwajeet Singh
Versus
Dwarka Heights Co. Op. Society Ltd. & Ors. Opposite Party (ies)

To
1. Dwarka Heights Co-Operative Housing Society Ltd. 22-A, Pocket-1, Sec-10, Dwarka, New Delhi-75 also at Shaukeen International School C, Sec-24, Chhawala, Dwarka, New Delhi-71
2. Nivesh Global
3. The Antriksh Sensing Tomorrow and Antriksh Real Estate C/o Nivesh Global
4. Meghraj Rathore All addressee of- Agarwal Square Plaza, 2nd Floor, Plot No.8, Pocket-7, Sec-12, Dwarka, New Delhi-75 Meghraj Rathore also at: D-970, New Friends Colony Ground Floor, Near Mata Mandir, South Delhi.

NOTICE FOR APPEARANCE UNDER SECTION 13 OF THE CONSUMER PROTECTION ACT 2019 READ WITH REGULATION 10 OF THE CONSUMER PROTECTION REGULATIONS, 2005

Whereas the complainants (s) has/have instituted a consumer complaint under Section 12 of the Consumer Protection Act, 1986 alleging deficiency/unfair or restrictive trade practices against you as provided under Section 2 (6) of the Consumer Protection Act, 2019, this notice is hereby served upon you for your appearance before this Forum on **27/10/2022** at **10.00 a.m.** in person or through an authorized agent duly instructed and able to answer all material questions relating to the complaint. Copy of this Complaint is attached herewith.
You are further directed to file your version of the case in writing (written statement) before this forum within 30 days of receipt of this notice with an advance copy to the complainant by post/hand delivery well in time as provided under Section 38 of the Consumer Protection Act, 2019. Please note that in default of your appearance on the date mentioned above, the complainant will be heard ex-parte and determined in your absence. Given under my hand and the seal of the Forum, this 30/8/2022.

S.D.
President/Member
CDRF-VII (SW), New Delhi

CONSUMER DISPUTES REDRESSAL FORUM – VII (SOUTH WEST DISTRICT)
[Govt. of National Capital Territory of Delhi]
1st Floor, Pandit Deep Chand Sharma Sahkaar Bhawan Plot No.127, Sec-20, Phase-1, Dwarka, New Delhi-110077

In the matter of **Complaint Case No. DF-VII/102/2021** Complainant (s)
Anju Singh
Versus
Dwarka Heights Co. Op. Society Ltd. & Ors. Opposite Party (ies)

To
1. Dwarka Heights Co-Operative Housing Society Ltd. 22-A, Pocket-1, Sec-10, Dwarka, New Delhi-75 also at Shaukeen International School C, Sec-24, Chhawala, Dwarka, New Delhi-71
2. Nivesh Global
3. The Antriksh Sensing Tomorrow and Antriksh Real Estate C/o Nivesh Global
4. Meghraj Rathore All addressee of- Agarwal Square Plaza, 2nd Floor, Plot No.8, Pocket-7, Sec-12, Dwarka, New Delhi-75 Meghraj Rathore also at: D-970, New Friends Colony Ground Floor, Near Mata Mandir, South Delhi.

NOTICE FOR APPEARANCE UNDER SECTION 13 OF THE CONSUMER PROTECTION ACT 2019 READ WITH REGULATION 10 OF THE CONSUMER PROTECTION REGULATIONS, 2005

Whereas the complainants (s) has/have instituted a consumer complaint under Section 12 of the Consumer Protection Act, 1986 alleging deficiency/unfair or restrictive trade practices against you as provided under Section 2 (6) of the Consumer Protection Act, 2019, this notice is hereby served upon you for your appearance before this Forum on **27/10/2022** at **10.00 a.m.** in person or through an authorized agent duly instructed and able to answer all material questions relating to the complaint. Copy of this Complaint is attached herewith.
You are further directed to file your version of the case in writing (written statement) before this forum within 30 days of receipt of this notice with an advance copy to the complainant by post/hand delivery well in time as provided under Section 38 of the Consumer Protection Act, 2019. Please note that in default of your appearance on the date mentioned above, the complainant will be heard ex-parte and determined in your absence. Given under my hand and the seal of the Forum, this 30/8/2022.

S.D.
President/Member
CDRF-VII (SW), New Delhi

CONSUMER DISPUTES REDRESSAL FORUM – VII (SOUTH WEST DISTRICT)
[Govt. of National Capital Territory of Delhi]
1st Floor, Pandit Deep Chand Sharma Sahkaar Bhawan Plot No.127, Sec-20, Phase-1, Dwarka, New Delhi-110077

In the matter of **Complaint Case No. DF-VII/110/2021** Complainant (s)
Nancy
Versus
Dwarka Heights Co. Op. Society Ltd. & Ors. Opposite Party (ies)

To
1. Dwarka Heights Co-Operative Housing Society Ltd. 22-A, Pocket-1, Sec-10, Dwarka, New Delhi-75 also at Shaukeen International School C, Sec-24, Chhawala, Dwarka, New Delhi-71
2. Nivesh Global
3. The Antriksh Sensing Tomorrow and Antriksh Real Estate C/o Nivesh Global
4. Meghraj Rathore All addressee of- Agarwal Square Plaza, 2nd Floor, Plot No.8, Pocket-7, Sec-12, Dwarka, New Delhi-75 Meghraj Rathore also at: D-970, New Friends Colony Ground Floor, Near Mata Mandir, South Delhi.

NOTICE FOR APPEARANCE UNDER SECTION 13 OF THE CONSUMER PROTECTION ACT 2019 READ WITH REGULATION 10 OF THE CONSUMER PROTECTION REGULATIONS, 2005

Whereas the complainants (s) has/have instituted a consumer complaint under Section 12 of the Consumer Protection Act, 1986 alleging deficiency/unfair or restrictive trade practices against you as provided under Section 2 (6) of the Consumer Protection Act, 2019, this notice is hereby served upon you for your appearance before this Forum on **27/10/2022** at **10.00 a.m.** in person or through an authorized agent duly instructed and able to answer all material questions relating to the complaint. Copy of this Complaint is attached herewith.
You are further directed to file your version of the case in writing (written statement) before this forum within 30 days of receipt of this notice with an advance copy to the complainant by post/hand delivery well in time as provided under Section 38 of the Consumer Protection Act, 2019. Please note that in default of your appearance on the date mentioned above, the complainant will be heard ex-parte and determined in your absence. Given under my hand and the seal of the Forum, this 30/8/2022.

S.D.
President/Member
CDRF-VII (SW), New Delhi

CONSUMER DISPUTES REDRESSAL FORUM – VII (SOUTH WEST DISTRICT)
[Govt. of National Capital Territory of Delhi]
1st Floor, Pandit Deep Chand Sharma Sahkaar Bhawan Plot No.127, Sec-20, Phase-1, Dwarka, New Delhi-110077

In the matter of **Complaint Case No. DF-VII/88/2021** Complainant (s)
Ruchir Goyal
Versus
Dwarka Heights Co. Op. Society Ltd. & Ors. Opposite Party (ies)

To
1. Dwarka Heights Co-Operative Housing Society Ltd. 22-A, Pocket-1, Sec-10, Dwarka, New Delhi-75 also at Shaukeen International School C, Sec-24, Chhawala, Dwarka, New Delhi-71
2. Nivesh Global
3. The Antriksh Sensing Tomorrow and Antriksh Real Estate C/o Nivesh Global
4. Meghraj Rathore All addressee of- Agarwal Square Plaza, 2nd Floor, Plot No.8, Pocket-7, Sec-12, Dwarka, New Delhi-75 Meghraj Rathore also at: D-970, New Friends Colony Ground Floor, Near Mata Mandir, South Delhi.

NOTICE FOR APPEARANCE UNDER SECTION 13 OF THE CONSUMER PROTECTION ACT 2019 READ WITH REGULATION 10 OF THE CONSUMER PROTECTION REGULATIONS, 2005

Whereas the complainants (s) has/have instituted a consumer complaint under Section 12 of the Consumer Protection Act, 1986 alleging deficiency/unfair or restrictive trade practices against you as provided under Section 2 (6) of the Consumer Protection Act, 2019, this notice is hereby served upon you for your appearance before this Forum on **27/10/2022** at **10.00 a.m.** in person or through an authorized agent duly instructed and able to answer all material questions relating to the complaint. Copy of this Complaint is attached herewith.
You are further directed to file your version of the case in writing (written statement) before this forum within 30 days of receipt of this notice with an advance copy to the complainant by post/hand delivery well in time as provided under Section 38 of the Consumer Protection Act, 2019. Please note that in default of your appearance on the date mentioned above, the complainant will be heard ex-parte and determined in your absence. Given under my hand and the seal of the Forum, this 30/8/2022.

S.D.
President/Member
CDRF-VII (SW), New Delhi

CONSUMER DISPUTES REDRESSAL FORUM – VII (SOUTH WEST DISTRICT)
[Govt. of National Capital Territory of Delhi]
1st Floor, Pandit Deep Chand Sharma Sahkaar Bhawan Plot No.127, Sec-20, Phase-1, Dwarka, New Delhi-110077

In the matter of **Complaint Case No. DF-VII/100/2021** Complainant (s)
Shivali Sethi
Versus
Dwarka Heights Co. Op. Society Ltd. & Ors. Opposite Party (ies)

To
1. Dwarka Heights Co-Operative Housing Society Ltd. 22-A, Pocket-1, Sec-10, Dwarka, New Delhi-75 also at Shaukeen International School C, Sec-24, Chhawala, Dwarka, New Delhi-71
2. Nivesh Global
3. The Antriksh Sensing Tomorrow and Antriksh Real Estate C/o Nivesh Global
4. Meghraj Rathore All addressee of- Agarwal Square Plaza, 2nd Floor, Plot No.8, Pocket-7, Sec-12, Dwarka, New Delhi-75 Meghraj Rathore also at: D-970, New Friends Colony Ground Floor, Near Mata Mandir, South Delhi.

NOTICE FOR APPEARANCE UNDER SECTION 13 OF THE CONSUMER PROTECTION ACT 2019 READ WITH REGULATION 10 OF THE CONSUMER PROTECTION REGULATIONS, 2005

Whereas the complainants (s) has/have instituted a consumer complaint under Section 12 of the Consumer Protection Act, 1986 alleging deficiency/unfair or restrictive trade practices against you as provided under Section 2 (6) of the Consumer Protection Act, 2019, this notice is hereby served upon you for your appearance before this Forum on **27/10/2022** at **10.00 a.m.** in person or through an authorized agent duly instructed and able to answer all material questions relating to the complaint. Copy of this Complaint is attached herewith.
You are further directed to file your version of the case in writing (written statement) before this forum within 30 days of receipt of this notice with an advance copy to the complainant by post/hand delivery well in time as provided under Section 38 of the Consumer Protection Act, 2019. Please note that in default of your appearance on the date mentioned above, the complainant will be heard ex-parte and determined in your absence. Given under my hand and the seal of the Forum, this 30/8/2022.

S.D.
President/Member
CDRF-VII (SW), New Delhi

CONSUMER DISPUTES REDRESSAL FORUM – VII (SOUTH WEST DISTRICT)
[Govt. of National Capital Territory of Delhi]
1st Floor, Pandit Deep Chand Sharma Sahkaar Bhawan Plot No.127, Sec-20, Phase-1, Dwarka, New Delhi-110077

In the matter of **Complaint Case No. DF-VII/99/2021** Complainant (s)
Atul Sharma
Versus
Dwarka Heights Co. Op. Society Ltd. & Ors. Opposite Party (ies)

To
1. Dwarka Heights Co-Operative Housing Society Ltd. 22-A, Pocket-1, Sec-10, Dwarka, New Delhi-75 also at Shaukeen International School C, Sec-24, Chhawala, Dwarka, New Delhi-71
2. Nivesh Global
3. The Antriksh Sensing Tomorrow and Antriksh Real Estate C/o Nivesh Global
4. Meghraj Rathore All addressee of- Agarwal Square Plaza, 2nd Floor, Plot No.8, Pocket-7, Sec-12, Dwarka, New Delhi-75 Meghraj Rathore also at: D-970, New Friends Colony Ground Floor, Near Mata Mandir, South Delhi.

NOTICE FOR APPEARANCE UNDER SECTION 13 OF THE CONSUMER PROTECTION ACT 2019 READ WITH REGULATION 10 OF THE CONSUMER PROTECTION REGULATIONS, 2005

Whereas the complainants (s) has/have instituted a consumer complaint under Section 12 of the Consumer Protection Act, 1986 alleging deficiency/unfair or restrictive trade practices against you as provided under Section 2 (6) of the Consumer Protection Act, 2019, this notice is hereby served upon you for your appearance before this Forum on **27/10/2022** at **10.00 a.m.** in person or through an authorized agent duly instructed and able to answer all material questions relating to the complaint. Copy of this Complaint is attached herewith.
You are further directed to file your version of the case in writing (written statement) before this forum within 30 days of receipt of this notice with an advance copy to the complainant by post/hand delivery well in time as provided under Section 38 of the Consumer Protection Act, 2019. Please note that in default of your appearance on the date mentioned above, the complainant will be heard ex-parte and determined in your absence. Given under my hand and the seal of the Forum, this 30/8/2022.

S.D.
President/Member
CDRF-VII (SW), New Delhi

CONSUMER DISPUTES REDRESSAL FORUM – VII (SOUTH WEST DISTRICT)
[Govt. of National Capital Territory of Delhi]
1st Floor, Pandit Deep Chand Sharma Sahkaar Bhawan Plot No.127, Sec-20, Phase-1, Dwarka, New Delhi-110077

In the matter of **Complaint Case No. DF-VII/42/2021** Complainant (s)
Jaspreet Singh
Versus
Dwarka Heights Co. Op. Society Ltd. & Ors. Opposite Party (ies)

To
1. Dwarka Heights Co-Operative Housing Society Ltd. 22-A, Pocket-1, Sec-10, Dwarka, New Delhi-75 also at Shaukeen International School C, Sec-24, Chhawala, Dwarka, New Delhi-71
2. Nivesh Global
3. The Antriksh Sensing Tomorrow and Antriksh Real Estate C/o Nivesh Global
4. Meghraj Rathore All addressee of- Agarwal Square Plaza, 2nd Floor, Plot No.8, Pocket-7, Sec-12, Dwarka, New Delhi-75 Meghraj Rathore also at: D-970, New Friends Colony Ground Floor, Near Mata Mandir, South Delhi.

NOTICE FOR APPEARANCE UNDER SECTION 13 OF THE CONSUMER PROTECTION ACT 2019 READ WITH REGULATION 10 OF THE CONSUMER PROTECTION REGULATIONS, 2005

Whereas the complainants (s) has/have instituted a consumer complaint under Section 12 of the Consumer Protection Act, 1986 alleging deficiency/unfair or restrictive trade practices against you as provided under Section 2 (6) of the Consumer Protection Act, 2019, this notice is hereby served upon you for your appearance before this Forum on **27/10/2022** at **10.00 a.m.** in person or through an authorized agent duly instructed and able to answer all material questions relating to the complaint. Copy of this Complaint is attached herewith.
You are further directed to file your version of the case in writing (written statement) before this forum within 30 days of receipt of this notice with an advance copy to the complainant by post/hand delivery well in time as provided under Section 38 of the Consumer Protection Act, 2019. Please note that in default of your appearance on the date mentioned above, the complainant will be heard ex-parte and determined in your absence. Given under my hand and the seal of the Forum, this 30/8/2022.

S.D.
President/Member
CDRF-VII (SW), New Delhi

CONSUMER DISPUTES REDRESSAL FORUM – VII (SOUTH WEST DISTRICT)
[Govt. of National Capital Territory of Delhi]
1st Floor, Pandit Deep Chand Sharma Sahkaar Bhawan Plot No.127, Sec-20, Phase-1, Dwarka, New Delhi-110077

In the matter of **Complaint Case No. DF-VII/92/2021** Complainant (s)
Neerja Kohli
Versus
Dwarka Heights Co. Op. Society Ltd. & Ors. Opposite Party (ies)

To
1. Dwarka Heights Co-Operative Housing Society Ltd. 22-A, Pocket-1, Sec-10, Dwarka, New Delhi-75 also at Shaukeen International School C, Sec-24, Chhawala, Dwarka, New Delhi-71
2. Nivesh Global
3. The Antriksh Sensing Tomorrow and Antriksh Real Estate C/o Nivesh Global
4. Meghraj Rathore All addressee of- Agarwal Square Plaza, 2nd Floor, Plot No.8, Pocket-7, Sec-12, Dwarka, New Delhi-75 Meghraj Rathore also at: D-970, New Friends Colony Ground Floor, Near Mata Mandir, South Delhi.

NOTICE FOR APPEARANCE UNDER SECTION 13 OF THE CONSUMER PROTECTION ACT 2019 READ WITH REGULATION 10 OF THE CONSUMER PROTECTION REGULATIONS, 2005

Whereas the complainants (s) has/have instituted a consumer complaint under Section 12 of the Consumer Protection Act, 1986 alleging deficiency/unfair or restrictive trade practices against you as provided under Section 2 (6) of the Consumer Protection Act, 2019, this notice is hereby served upon you for your appearance before this Forum on **27/10/2022** at **10.00 a.m.** in person or through an authorized agent duly instructed and able to answer all material questions relating to the complaint. Copy of this Complaint is attached herewith.
You are further directed to file your version of the case in writing (written statement) before this forum within 30 days of receipt of this notice with an advance copy to the complainant by post/hand delivery well in time as provided under Section 38 of the Consumer Protection Act, 2019. Please note that in default of your appearance on the date mentioned above, the complainant will be heard ex-parte and determined in your absence. Given under my hand and the seal of the Forum, this 30/8/2022.

S.D.
President/Member
CDRF-VII (SW), New Delhi

CONSUMER DISPUTES REDRESSAL FORUM – VII (SOUTH WEST DISTRICT)
[Govt. of National Capital Territory of Delhi]
1st Floor, Pandit Deep Chand Sharma Sahkaar Bhawan Plot No.127, Sec-20, Phase-1, Dwarka, New Delhi-110077

In the matter of **Complaint Case No. DF-VII/111/2021** Complainant (s)
Saumya Sharma
Versus
Dwarka Heights Co. Op. Society Ltd. & Ors. Opposite Party (ies)

To
1. Dwarka Heights Co-Operative Housing Society Ltd. 22-A, Pocket-1, Sec-10, Dwarka, New Delhi-75 also at Shaukeen International School C, Sec-24, Chhawala, Dwarka, New Delhi-71
2. Nivesh Global
3. The Antriksh Sensing Tomorrow and Antriksh Real Estate C/o Nivesh Global
4. Meghraj Rathore All addressee of- Agarwal Square Plaza, 2nd Floor, Plot No.8, Pocket-7, Sec-12, Dwarka, New Delhi-75 Meghraj Rathore also at: D-970, New Friends Colony Ground Floor, Near Mata Mandir, South Delhi.

NOTICE FOR APPEARANCE UNDER SECTION 13 OF THE CONSUMER PROTECTION ACT 2019 READ WITH REGULATION 10 OF THE CONSUMER PROTECTION REGULATIONS, 2005

Whereas the complainants (s) has/have instituted a consumer complaint under Section 12 of the Consumer Protection Act, 1986 alleging deficiency/unfair or restrictive trade practices against you as provided under Section 2 (6) of the Consumer Protection Act, 2019, this notice is hereby served upon you for your appearance before this Forum on **27/10/2022** at **10.00 a.m.** in person or through an authorized agent duly instructed and able to answer all material questions relating to the complaint. Copy of this Complaint is attached herewith.
You are further directed to file your version of the case in writing (written statement) before this forum within 30 days of receipt of this notice with an advance copy to the complainant by post/hand delivery well in time as provided under Section 38 of the Consumer Protection Act, 2019. Please note that in default of your appearance on the date mentioned above, the complainant will be heard ex-parte and determined in your absence. Given under my hand and the seal of the Forum, this 30/8/2022.

S.D.
President/Member
CDRF-VII (SW), New Delhi

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक नरेन्द्र कुमार द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। कार्यकारी संपादक: नवीन उपाध्याय, स्थानीय सम्पादक: प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879900।

77 सड़कें होंगी जाम मुक्त, हटेगा अतिक्रमण

उपराज्यपाल सक्सेना ने लोक निर्माण विभाग के अफसरों को काम में तेजी लाने का दिया निर्देश

● वर्ष 2019 के बाद से कई कार्यों के लंबित होने पर अफसरों को कड़ी फटकार लगाई

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली 77 सड़कें जाम मुक्त होंगी। इस सड़कों पर जगह-जगह अतिक्रमण किए गए हैं। लोगों का सफर व्यस्त समय में आसान बनाने के लिए उपराज्यपाल ने सोमवार को संबंधित विभागों के साथ बैठक की और अधिकारियों को यातायात सुचारू करने के लिए सार्वजनिक जगहों और सड़कों से अतिक्रमण हटाने का सख्त निर्देश दिया। एलजी ने वर्ष 2019 के बाद से कई कार्यों के लंबित होने पर अफसरों को कड़ी फटकार लगाई। उपराज्यपाल सोमवार को भीड़भाड़ वाले मार्गों पर वाहनों का दबाव कम करने के मकसद से आला अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने अधिकारियों को तय समय में कार्य पूरा करने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। अधिकारियों ने एलजी को गत 4 जुलाई को हुई पिछली बैठक के बाद से इन सड़कों की मरम्मत, लोहे की ग्रिल की स्थापना, पुल का चौड़ीकरण, कचरा डंपिंग साइट को स्थानांतरित करने और पेड़ों को सड़कों से हटाने, बिजली और टेलीफोन के खंभों आदि से जुड़े 10 कार्य पूरे होने की जानकारी दी गई। इससे मोती बाग, रावतुलाराम, न्यू रोहतक रोड, पुराना पटपड़गंज रोड, लोनी रोड, बाबरपुर रोड, पुराना गुड़गांव रोड और बिजवासन-नजफगढ़ रोड पर यातायात व्यवस्था बेहतर होने की उम्मीद है। एलजी ने अधिकारियों को पुख्ता कार्य योजना के साथ निश्चित समय सीमा में अल्पकालिक लंबित कार्यों और दीर्घकालिक कार्यों पूरा करने के भी निर्देश दिए।

दीर्घकालिक लंबित कार्यों में सड़कों का निर्माण और चौड़ीकरण, बस टर्मिनलों को हटाना, प्रमुख सड़कों के किनारे नए पार्किंग स्थल बनाना, बहु-स्तरीय पार्किंग स्थल का निर्माण, एफओबी और अंडरपास का निर्माण और कुछ परियोजनाओं के लिए भूमि की अनुपलब्धता शामिल है। बैठक में उपराज्यपाल को यह भी जानकारी दी गई कि दिल्ली गेट से कमल टी-प्वाइंट तक एलिवेटेड कॉरिडोर के लिए मंजूरी लंबित है जो कि ईस्ट-वेस्ट कॉरिडोर का एक हिस्सा है।

प्रमुख सड़कों पर कई अतिक्रमण होने की जानकारी के बाद एलजी ने पीडब्ल्यूडी को सार्वजनिक भूमि से अतिक्रमण हटाने को कहा। विशेष रूप से मुख्य सड़कों के पर ताकि इन हिस्सों से अतिक्रमण को हटाने के साथ ही यातायात की गति को सामान्य किया जा सके। अधिकारियों ने बताया गया कि इन 77 कॉरिडोर पर 620 कार्यों में से 334 कार्य पूरे हो चुके हैं, जबकि 44 दीर्घकालिक और 25 अल्पकालिक कार्यों सहित अभी भी 109 कार्य लंबित हैं। करीब 119 परियोजनाओं के पूरा नहीं होने की जानकारी दी जिसपर एलजी ने अधिकारियों से वैकल्पिक उपाय तलाशने को कहा है। अधिकारियों ने उपराज्यपाल को बताया कि बिजली के खंभों व ट्रांसफार्मरों को हटाने से संबंधित 5 कार्य और पेड़ों को हटाने से संबंधित 7 कार्य लंबित हैं। इस पर एलजी ने इन कार्यों को 30 सितंबर तक पूरा करने का निर्देश दिया।

जनवरी 2017 में टास्क फोर्स टीमों की सलाह पर यातायात में सुधार के लिए बनाए गए यात्रा कॉरिडोर के सभी हितधारकों को फिर से बुलाया जा सकता है। टास्क फोर्स की टीमों ने यातायात सुधार के लिए लगभग 400 किलोमीटर के 77 कॉरिडोर की पहचान की थी। टॉस्क टीमों ने इन कॉरिडोरों से व्यस्त समय में जाम लगने वाले बिंदुओं के संबंध में सड़क इंजीनियरिंग में बदलाव, यातायात पुलिस की तैनाती, अनाधिकृत पार्किंग और अतिक्रमण हटाने के लिए सीधा तौर पर हस्तक्षेप करना शामिल है।

दिल्ली ईओडब्ल्यू ने जैकलीन फर्नांडिज से फिर की पूछताछ

नई दिल्ली। दो सौ करोड़ से अधिक की ठगी करने के सुकेश चंद्रशेखर से जुड़े मामले में अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडिज सोमवार को पेश होने के लिए आर्थिक अपराध शाखा के कार्यालय पहुंची।

पुलिस ने उन्हें शनिवार को पूछताछ के लिए समन भेजा था। जैकलीन के बहरीन में रहने वाले पिता को सुकेश ने वर्ष 2020 में 2013 मॉडल की पुरानी पोर्शे कार और मां को पुरानी बीएमडब्ल्यू कार, यूएस के नार्थ कैरोलीना में रहने वाली बहन को भी पुरानी बीएमडब्ल्यू कार और जैकलीन को नई मिनी कूपर कार दी थी। जैकलीन सुकेश से शादी करने वाली थीं, यह बात उन्होंने अक्षय कुमार और सलमान खान को भी बताई थी। लेकिन जब उन्हें सुकेश की आपराधिक छवि के बारे में पता चला तो उन्होंने उससे दूरी बना ली थी। पुलिस सूत्रों के अनुसार सुकेश मामले में अभिनेत्री निकिता तंबोली, चाहत खन्ना, सोफिया सिंह और अरुषा पाटिल से भी जल्द पूछताछ की जा सकती है।

तैयार हो रहे 11 नए अस्पताल बढ़ जाएंगे 10 हजार बेड

● उपमुख्यमंत्री सिसोदिया ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ निर्माण कार्यों की समीक्षा की

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करने के लगातार कोशिश की जा रही है। इसी क्रम में केजरीवाल सरकार 11 नए अस्पताल तैयार करवा रही है। दावा किया जा रहा है कि इन नए 11 अस्पतालों के तैयार हो जाने पर 10 हजार से ज्यादा बेड्स की क्षमता बढ़ जाएगी।

उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने सोमवार को पीडब्ल्यूडी और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ निर्माण कार्यों की समीक्षा की। पीडब्ल्यूडी मंत्री ने सिरसपुर, ज्वालापुरी, मादीपुर, हस्तसाल (विकासपुरी) में बन रहे अस्पतालों के साथ- साथ 68×8 आईसीयू बेड्स की क्षमता के साथ बनाए जा रहे। नए सेमी-पर्मानेंट अस्पतालों के निर्माण कार्यों को जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन सभी निर्माण कार्यों को समय रहते पूरा किया जाए और गुणवत्ता के सभी मानकों का पालन सुनिश्चित किया जाए। उनकी सरकार का मकसद सभी को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं देना है।

64 नए मोहल्ला क्लिनिक भी बनकर होंगे तैयार

दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में 12 नए मोहल्ला क्लिनिक बनकर तैयार है। इन मोहल्ला क्लीनिकों का निर्माण कार्य पूरा चुका है। इसके अलावा 52 मोहल्ला क्लिनिकों का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। इनका निर्माण कार्य पूरा होने के बाद इन्हें लोगों के लिए खोल दिया जाएगा।

कार्यस्थलों पर यौन उत्पीड़न रोकथाम कानून सख्ती से हो लागू : आयोग

● एलसीसी आयोग ने सभी जिलाधिकारियों को नोटिस जारी कर एलसीसी के संबंध में मांगी जानकारी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली महिला आयोग ने राज्य सरकार को सौंपी एक रिपोर्ट में कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) कानून को लागू करने में कई खामियों को रेखांकित किया है। कानून के तहत यह जरूरी है कि हर जिले में स्थानीय शिकायत समिति (एलसीसी) गठित की जाए और वे सही तरीके से काम करें। समिति को उन संस्थाओं से यौन उत्पीड़न की शिकायतें मिलती हैं जहां 10 से कम कर्मचारी होने की वजह से आंतरिक शिकायत समिति नहीं है या शिकायत नियोक्ता के ही खिलाफ है। राष्ट्रीय राजधानी में एलसीसी आयोग ने सभी जिलाधिकारियों (डीएम) को नोटिस जारी कर संबंधित जिलों में शिकायत समिति के संबंध में जानकारी मांगी थी।

साथ ही कहा कि यह देखा गया कि वर्ष 2019 से 2021 तक सभी एलसीसी को सिर्फ 40 शिकायतें प्राप्त हुई थीं। आयोग के मुताबिक, पिछले तीन साल में दक्षिण-पश्चिम जिले में केवल तीन मामले निपटाए गए और पश्चिमी जिले ने किसी भी मामले का निपटारा नहीं किया। उसने कहा कि कानून के तहत इन समितियों का अध्यक्ष सामाजिक कार्य के क्षेत्र में से प्रतिष्ठित महिलाओं को बनाया जाना है लेकिन कई जिले इसका पालन नहीं कर रहे हैं।

आयोग ने यह भी कहा कि अधिकतर जिलों ने प्रतिष्ठित गैर सरकारी संगठनों से बाहरी सदस्यों को भी नियुक्त नहीं किया है। उसने कहा कि समितियों को कार्यालय के लिए स्थान, बजट और कर्मचारी उपलब्ध नहीं कराए गए हैं। रिपोर्ट में कहा गया है, इससे उनका कामकाज ठप हो गया है।

उदाहरण के लिए, दक्षिण, पश्चिम और शाहदरा जिलों ने सूचित किया है कि समितियों के कामकाज के लिए कोई समर्पित कमरा या कर्मचारी आवंटित नहीं किए गए हैं। पूर्वी जिले, शाहदरा जिले और पश्चिमी जिले ने सूचित किया है कि उन्हें बजट आवंटित नहीं किया गया है। नई दिल्ली जिले ने कहा है कि जब भी जरूरत पड़ती है तो एलसीसी के व्यय को कार्यालय व्यय के तहत दर्ज किया जाता है। समितियों से समर्पित बजट के बिना ठीक से काम करने की उम्मीद नहीं की जा सकती है।

डीयू में पीजी के लिए अगले माह प्रवेश परीक्षा की संभावना

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली विश्वविद्यालय में स्नातकोत्तर के छात्रों का दाखिले का इंतजार संभवत: अगले महीने खत्म हो सकता है। तमाम पीजी कोर्सों में दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा अक्टूबर के दूसरे हफ्ते में होने की संभावना है। दिल्ली विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा (डीयूईटी) पीजी 2022 की परीक्षा राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) कंप्यूटर आधारित मोड में लेगी। इस परीक्षा के जरिए डीयू के विभिन्न कॉलेजों में पीजी कार्यक्रमों में दाखिले होंगे। परीक्षा में देरी को लेकर विद्यार्थियों ने चिंता जताई है। यह परीक्षा जुलाई में होनी थी।

दिल्ली विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार विकास गुप्ता ने मीडिया से बातचीत में कहा कि विश्वविद्यालय को एनटीए से पीजी प्रवेश परीक्षा की संभावित तारीख के संबंध में एक पत्र मिला है। पीजी प्रवेश परीक्षा अक्टूबर के दूसरे सप्ताह में आयोजित होने की संभावना है जैसा विश्वविद्यालय को सूचित किया गया है।

विवि ने डीयूईटी पीजी के लिए आवेदन 30 जून को बंद कर दिए थे। पिछले साल की तरह डीयू के विद्यार्थियों के लिए 50 फीसदी सीटें आरक्षित हैं जबकि बाकी सीटें डीयूईटी के जरिए भरी जाएंगी। 28 शहरों में परीक्षा केंद्र हैं और हर राज्य में एक केंद्र है। एनटीए ने डीयूईटी 2021 की परीक्षा 26 सितंबर से एक अक्टूबर 2021 तक आयोजित की थी।

ईडी ने अब विधायक दुर्गेश से की पूछताछ, भड़की आप

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● केजरीवाल का बढ़ता राजनीतिक ग्राफ असली निशाना : आप

● ठंडा नहीं पड़ रहा दिल्ली आबकारी नीति का मामला

नई आबकारी नीति को लेकर उपजा विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। ताजा मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने आम आदमी पार्टी के विधायक और एमसीडी के चुनाव प्रभारी दुर्गेश पाठक से पूछताछ कर उनका बयान दर्ज किया है। इस संबंध में उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने ट्वीट कर जानकारी दी है।

सूत्रों के अनुसार, दुर्गेश पाठक सोमवार को सुबह 11 बजे मध्य दिल्ली में एपीजे अब्दुल कलाम रोड स्थित ईडी दफ्तर पूछताछ के लिए पहुंचे थे। पाठक का बयान धनशोधन रोकथाम कानून (पीएमएलए) के आपराधिक प्रावधानों के तहत दर्ज किया गया। पाठक से इस मामले में उनकी भूमिका तथा एक मनोरंजन एवं इवेंट मैनेजमेंट कंपनी के पूर्व सीईओ विजय नायर से कथित संबंधों को लेकर पूछताछ की जानी है। ईडी ने छह सितंबर को अपने छापों के पहले चरण के बाद पाठक के फोन की भी जांच की है। पार्टी ने पाठक को ईडी के समन पर सवाल उठाया और भाजपा पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि पाठक को ईडी के समन से साफ हो गया है कि असली निशाना आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल का बढ़ता राजनीतिक ग्राफ है, न कि आबकारी नीति। आप के मुख्य प्रवक्ता सौरभ भारद्वाज ने कहा कि ईडी की कार्रवाई ने साफ कर दिया है कि दिल्ली में एमसीडी के चुनाव होने वाले हैं।

साधते हुए आरोप लगाया कि इस कदम का वास्तविक निशाना दिल्ली आबकारी नीति की जांच नहीं बल्कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का बढ़ता ग्राफ और राष्ट्रीय राजधानी में होने वाले नगर निगम चुनाव हैं। एजेंसी ने दूसरे दौर की तलाशी पिछले सप्ताह ली और पहली बार की तरह अनेक राज्यों में 40 से अधिक जगहों पर छापे मारे गए।

उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने ट्वीट कर कहा कि ईडी ने आप के एमसीडी चुनाव प्रभारी दुर्गेश पाठक को आज समन भेजा है। पार्टी के एमसीडी चुनाव प्रभारी का दिल्ली सरकार की आबकारी नीति से क्या लेना-देना। उनके निशाने पर शराब नीति है या एमसीडी चुनाव। एमसीडी चुनाव 270 वार्डों का परिसीमन पूरा होने के बाद इस साल के अंत तक होने की संभावना है। सीबीआई ने इस नीति में कथित अनियमितताओं के संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज की है और सिसोदिया को बतौर आरोपी नामजद किया है। वहीं से ईडी का धनशोधन संबंधी मामला निकला है। विधायक आतिशी ने भाजपा पर निशाना साधते

दागी विधायकों को संरक्षण : भाजपा

● छापे में मिली लाल डायरी में आप के अन्य विधायकों के आतंकियों और अंडरवर्ल्ड के साथ संबंधों की जानकारी छिपी हुई है : आदेश

नई दिल्ली। *आम आदमी पार्टी के ओखला से विधायक और दिल्ली वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष अमानतुल्लाह खान की गिरफ्तारी के बाद से भाजपा दिल्ली सरकार पर हमलावर हो गई है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने आरोप लगाया कि आप विधायक के घर और ठिकानों पर पड़े छापे के दौरान कारतूस और पैसों के साथ एक लाल डायरी मिली है। शक है कि इस डायरी में उनके और आप के अन्य विधायकों के आतंकियों और अंडरवर्ल्ड के साथ संबंधों की जानकारी छिपी हुई है। इस तथ्य को सामने आने से रोकने के लिए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल अपने विधायकों को साफ-सुथरा होने का प्रमाणपत्र बांटने में जुट गए हैं। आदेश गुप्ता ने सोमवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा आरोप लगाया कि ने वक्फ बोर्ड का अध्यक्ष होने के बावजूद चांदनी चौक की फतेहपुर मस्जिद में चल रहे प्राथमिक विद्यालय को बंद करवा कर 11 नई दुकानें बनवा दी है और वहां से मिली रकम के अपने निजी फायदें के लिए खर्च कर रहे हैं। वक्फ बोर्ड का काम अल्पसंख्यक समाज के गरीब बच्चों को शिक्षा मुहैया कराना है। बर्षों से चल रहे स्कूल को बंद कर दुकानें बना दी गई ताकि पैसों की वसूली की हो सके।*

अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधते हुए आदेश ने कहा कि आम आदमी पार्टी का सत्ता में आने के बाद चाल चरित्र और चेहरा पूरी तरह से बदल गया है। भ्रष्टाचार के खिलाफ बात करने वाली आम आदमी पार्टी और इसके मुखिया, मंत्री और विधायक पूरी तरह से भ्रष्टाचार में डूब चुके हैं। केजरीवाल अपने भ्रष्ट मंत्रियों का बचाव करते हैं और अपने सहयोगियों को कानून से ऊपर मानते हैं। अपने को कान्हा बताने वाले केजरीवाल अब राजस्व चोरी, शराब घोटाला, सहित हर क्षेत्र में घोटाले करने में जुटे हैं और अन्य राज्यों के चुनावों में जिस तरह के झूठे वायदें कर रहे हैं, उससे दिल्ली वाले भी हैरान हैं।

प्रदेश भाजपा के प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने कहा है की जब शराब माफिया विजय नायर के घर छापा पड़ा तब आम आदमी पार्टी नेता एवं विधायक दुर्गेश पाठक वहाँ मौजूद थे। उन्होंने आरोप लगाया कि पाठक के नायर से सम्बंध के तार जुड़ने से यह तय हो गया है की पूरी आम आदमी पार्टी शराब घोटाले में शामिल है। अब आम आदमी पार्टी नेताओं का ईमानदारी का मुखौटा पूरी तरह उतर गया है। पाठक की ई.डी. के समक्ष पेशी पर आम आदमी पार्टी का रवैया दिखा रहा है की पार्टी ने स्वीकार किया है की चोरी पकड़ी गई है और अब वह क्षति पूर्ति का प्रयास कर रही है।

डेंगू के मामलों ने फिर पकड़ी रफ्तार

नई दिल्ली। डेंगू के मामलों में वृद्धि दर्ज की गयी है। पिछले एक सप्ताह में 100 से अधिक लोग संक्रमित पाए गए हैं। जिससे शहर में मच्छर से होने वाली बीमारी का आंकड़ा इस साल अब तक 400 के करीब पहुंच गयी है। इस महीने 17 सितंबर तक डेंगू के 152 मामले आए हैं।

दिल्ली नगर निगम द्वारा सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, पिछले एक सप्ताह में डेंगू के 101 नए मामले दर्ज किए गए।

जैन की जमानत अर्जी पर सुनवाई पर रोक लगाई

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

धन शोधन मामले में मंत्री सत्येंद्र जैन की जमानत अर्जी की सुनवाई पर दिल्ली की एक अदालत ने सोमवार को रोक लगा दी। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश विनय कुमार गुप्ता ने मामले को दूसरे न्यायाधीश के समक्ष स्थानांतरित करने के अनुरोध को लेकर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की एक अर्जी पर जैन और अन्य सह-आरोपियों को नोटिस जारी करते हुए निर्देश पारित किए। न्यायाधीश ने प्रतिवादियों को 30 सितंबर तक ईडी की अर्जी पर अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया और अगले आदेश तक विशेष न्यायाधीश गीतांजलि गोयल के समक्ष सुनवाई पर रोक लगा दी। जांच एजेंसी ने मामले को विशेष न्यायाधीश गोयल के पास से किसी अन्य न्यायाधीश के समक्ष स्थानांतरित करने का अनुरोध किया है। ईडी ने अपनी अर्जी में विशेष न्यायाधीश के समक्ष सुनवाई के दौरान जमानत अर्जी पर दी गई कुछ दलीलों के मुद्दे उठाए हैं। गोयल ने धन शोधन मामले में जैन और अन्य दो सह-आरोपियों अंकुश जैन और वैभव जैन की जमानत याचिकाओं पर दलीलें सुनते हुए पिछली कुछ सुनवाई में मामले की जांच को लेकर एजेंसी की खिंचाई की थी।

मंकीपॉक्स का नौवां मामला सामने आया

नई दिल्ली। दिल्ली में नाइजीरिया की 30 वर्षीय महिला मंकीपॉक्स से संक्रमित पाई गई है, जिसके साथ ही राष्ट्रीय राजधानी में संक्रमितों की संख्या बढ़कर नौ जबकि भारत में 14 हो गई है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि महिला को 16 सितंबर को यहां लोकनायक जयप्रकाश (एलएनजेपी) अस्पताल में भर्ती कराया गया था। नाइजीरियाई मूल के एक और व्यक्ति को रविवार को एलएनजेपी अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

सांकेतिक कब्ज़े की सूचना

ICICI Bank | **शाखा कार्यालय :** आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, लैंडमार्क बिल्डिंग, चौथी मंज़िल, 228ए, एजेसी बोस रोड, कोलकाता-700020, सीआईएन नंबर : L65190GJ1994PLC021012, www.icicibank.com

जबकि

अधोहस्ताक्षरी ने वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अंतर्गत आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13 (12) के अधीन प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में नीचे वर्णित कर्ज़दारों को माँग सूचनाएँ निर्गमित की थीं, जिसमें उक्त सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के अंदर सूचना में वर्णित राशि को प्रतिभुगतान करने को कहा गया था।

कर्ज़दार/सह-कर्ज़दार/ज़मानतदार राशि का प्रतिभुगतान करने में विफल रहे हैं, अतएव एतद् द्वारा कर्ज़दार तथा जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरदाता द्वारा सांकेतिक अधिग्रहण किया गया है जो कि उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के तहत नियम 8 में दर्शाया गया है। संपत्ति तथा अधिग्रहण की तिथि नीचे दर्शाई गई है। एतद् द्वारा विशेष रूप से कर्ज़दार एवं जनसाधारण को संपत्ति के संव्यवहार नहीं करने के लिए सचेत किया जाता है तथा संपत्ति के साथ कोई भी संव्यवहार इसमें वर्णित राशि तथा उस पर आगे ब्याज हेतु आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्रभार के अधीन होगा।

क्र.	कर्ज़दार/ सह-कर्ज़दार का नाम/ ऋण खाता क्र.	संपत्ति का विवरण/ सांकेतिक कब्ज़े की तिथि	डिमांड नोटिस की तिथि/ डिमांड नोटिस में राशि (रु.)	शाखा का नाम
1.	प्रशांत कुमार सेठी/ उर्मिला सेठी/ वीआई लोकैलिटी पंचुघंटा, जीपी टाउन, जलेश्वर पीएस जलेश्वर, बालासोर उड़ीसा, जलेश्वर-756032/LBJLE00003106052	ग्राम-पंचुघंटा में, प्लॉट नं- 972/1600/1638 खाता नंबर 407/398, पी.एस. और तहसील-जलेश्वर, जिला- बालासोर उड़ीसा जलेश्वर (एसी 0.035 दशमलव के क्षेत्र का माप/ सांकेतिक कब्ज़े की तिथि 15.09.2022	मई 21,2022 रु. 12,21,395/-	जलेश्वर/ दिल्ली/

उपरोक्त दर्शाए गए कर्ज़दार/सह-कर्ज़दार एवं ज़मानतदारों को सूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन से 30 दिनों के अंदर राशि का भुगतान करें, अन्यथा 30 दिनों की समाप्ति के पश्चात् अधिग्रहित संपत्ति की नीलामी कर दी जाएगी जो पूर्णत: नियम 8 और 9 प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के अंतर्गत है।

दिनांक : सितंबर 20, 2022
स्थान : दिल्ली/ एनसीआर

प्राधिकृत अधिकारी
आईसीआईसीआई बैंक लि.

सांकेतिक कब्ज़े की सूचना

ICICI Bank | **शाखा कार्यालय :** आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, तीसरी मंज़िल, प्लॉट नंबर- 23, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, दिल्ली- 110005

जबकि

अधोहस्ताक्षरी ने वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अंतर्गत आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13 (12) के अधीन प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में नीचे वर्णित कर्ज़दारों को माँग सूचनाएँ निर्गमित की थीं, जिसमें उक्त सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के अंदर सूचना में वर्णित राशि को प्रतिभुगतान करने को कहा गया था।

कर्ज़दार/सह-कर्ज़दार/ज़मानतदार राशि का प्रतिभुगतान करने में विफल रहे हैं, अतएव एतद् द्वारा कर्ज़दार तथा जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरदाता द्वारा सांकेतिक अधिग्रहण किया गया है जो कि उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के तहत नियम 8 में दर्शाया गया है। संपत्ति तथा अधिग्रहण की तिथि नीचे दर्शाई गई है। एतद् द्वारा विशेष रूप से कर्ज़दार एवं जनसाधारण को संपत्ति के संव्यवहार नहीं करने के लिए सचेत किया जाता है तथा संपत्ति के साथ कोई भी संव्यवहार इसमें वर्णित राशि तथा उस पर आगे ब्याज हेतु आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्रभार के अधीन होगा।

क्र.	कर्ज़दार/ सह-कर्ज़दार का नाम/ ऋण खाता क्र.	संपत्ति का विवरण/ सांकेतिक कब्ज़े की तिथि	डिमांड नोटिस की तिथि/ डिमांड नोटिस में राशि (रु.)	शाखा का नाम
1.	वरुण भारद्वाज/ साक्षी भाटिया LBGUR00003440388	फ्लैट नंबर 1303, 13 वीं मंज़िल, टॉवर-के 2, प्लॉट नंबर -8 , पर स्थित, इको विलेज-1, फेज-2, सेक्टर-1, ग्रेटर नोएडा, नोएडा, उत्तर प्रदेश/ सितंबर 15, 2022	जून 23, 2021 रु. 47,75,856/-	दिल्ली/ एनसीआर
2.	अमित कुमार/ जूही तिवारी/ LBNOD00003258433 LBNOD00003134801	कार्यालय नंबर- 522, 5वीं मंज़िल, ब्लॉक-सी, स्क्वायर, हॉटशॉट डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट नंबर सी-02, सेक्टर-96, गौतम बौद्ध नगर, उत्तर प्रदेश/ सितंबर 15, 2022	जून 23, 2021 रु. 62,21,416/-	दिल्ली/ एनसीआर
3.	रमा शंकर/ अभिषेक रघुवंशी/ LBNOD00002901976	फ्लैट नंबर-1403, 14 वीं मंज़िल ब्लॉक ए 2, इकोविलेज 1, प्लॉट नंबर 8, सेक्टर -1, ग्रेटर नोएडा, नोएडा/ सितंबर 15, 2022	जुलाई 06, 2021 रु. 13,82,550/-	दिल्ली/ एनसीआर
4.	बिलाल अहमद/ मोनशिना खातून LBNOD00005344625/ LBNOD00004090712	शॉप नंबर एफएफ-214, फ्लोर नंबर 1, प्लॉट नंबर- जीएच 01, गौर सिटी, गौर सिटी सेंटर में, सेक्टर-04, नोएडा/ सितंबर 15, 2022	अगस्त 30, 2021 रु. 12,91,798/-	दिल्ली/ एनसीआर
5.	सीमा सक्सेना/ आशीष मोहन/ LBDEL00002975843	फ्लैट नंबर-1906, 19वीं मंज़िल, टावर एम, ग्रैंड अजनारा हेरिटेज, जीएच-01/बी, सेक्टर-74, गौतम बुद्ध नगर/ सितंबर 15, 2022	अगस्त 30, 2021 रु. 51,54,568/-	दिल्ली/ एनसीआर

उपरोक्त दर्शाए गए कर्ज़दार/सह-कर्ज़दार एवं ज़मानतदारों को सूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन से 30 दिनों के अंदर राशि का भुगतान करें, अन्यथा 30 दिनों की समाप्ति के पश्चात् अधिग्रहित संपत्ति की नीलामी कर दी जाएगी जो पूर्णत: नियम 8 और 9 प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के अंतर्गत है।

दिनांक : सितंबर 20, 2022
स्थान : दिल्ली/ एनसीआर

प्राधिकृत अधिकारी
आईसीआईसीआई बैंक लि.

चांदनी चौक पुनर्विकास का दूसरा चरण जल्द होगा शुरू

पर्यटकों व खरीदारों को मिलेगा अनूठा अनुभव, बड़ी संख्या में लोग होंगे आकर्षित, बढ़ेगा कारोबार : सिसोदिया

● सभी दुकानों के सौन्दर्यीकरण के साथ आकर्षक कलर व साइनेज स्कीम, स्ट्रक्चरल रेट्रोफिटिंग व आकर्षक लाइटें लगेंगी

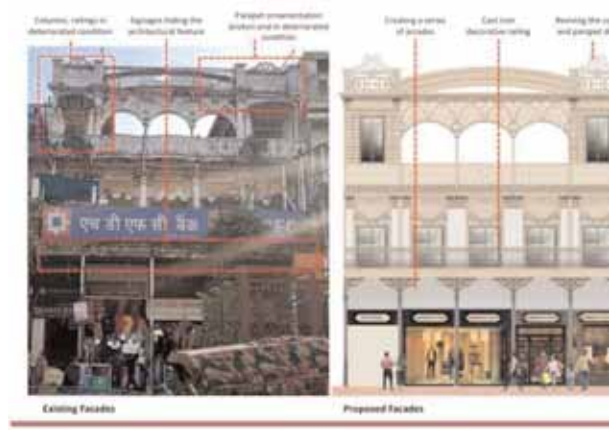

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

चांदनी चौक के मुख्य मार्ग के पुनर्विकास के बाद अब दूसरे चरण का पुनर्विकास कार्य जल्द शुरू होगा। सौन्दर्यीकरण के दूसरे चरण में इमारतों के ऐतिहासिक और आधुनिक आर्किटेक्चर डिजाइनों के बीच संतुलन बनाए रखते हुए मूल सामग्री व तकनीकों का इस्तेमाल करते हुए इमारतों के संरक्षण व सौन्दर्यीकरण, मौजूदा दुकानों के सौन्दर्यीकरण, दुकानों के लिए आकर्षक कलर व साइनेज स्कीम, स्ट्रक्चरल रेट्रोफिटिंग, इमारतों व दुकानों के लिए आकर्षक लाइटे आदि विकसित की जाएँगी जो चांदनी चौक के समृद्ध इतिहास को दिखाएगी।

इस बाबत उपमुख्यमंत्री व लोक निर्माण विभाग के मंत्री मनीष सिसोदिया ने अधिकारियों के साथ बैठक कर परियोजना की समीक्षा की। वर्ष 2021 में चांदनी चौक के सौन्दर्यीकरण का पहला फेज पूरा किया था जिससे चांदनी चौक को एक नया स्वरुप मिला था। यहां के व्यापारियों, यहां आने वाले पर्यटकों व लोगों ने इसपर जबरदस्त प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि पहले चरण में लैंडस्केपिंग पर फोकस किया गया था और इसके तहत लाल किला से फतेहपुरी मस्जिद के बीच 1.3 किमी के रोड स्ट्रेच का सौन्दर्यीकरण किया गया था। दूसरे चरण में चांदनी चौक को और ज्यादा खूबसूरत बनाने के विजन के तहत अब यहां की ऐतिहासिक इमारतों और दुकानों की वास्तुकला को पुनर्जीवित करने पर ध्यान दिया जाएगा। इससे चांदनी चौक एक ब्रांड के रूप में विकसित होगा और यहां आने वाले खरीददारों को एक अनूठा अनुभव मिलेगा।

मनीष सिसोदिया ने कहा कि, वर्तमान में चांदनी चौक में ऐतिहासिक और आधुनिक वास्तुकला की इमारतों का मिश्रण है। लेकिन बाजार को एक एकीकृत रूप प्रदान करने के लिए, इन इमारतों को एक नया रूप देने की जरूरत है। इसलिए चांदनी चौक की एतिहासिकता को बरकरार रखते हुए सरकार यहां की इमारतों व उसके फसाड के सौन्दर्यीकरण, बेहतरीन साइनेज व लाइटनिंग के साथ पूरे चांदनी चौक को एक ब्रांड के रूप में विकसित करेगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पुनर्विकास योजना के क्रियान्वयन के दौरान अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि सौन्दर्यीकरण के पूरे प्रोजेक्ट के दौरान स्थानीय दुकानों-खरीददारों की किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े।

इसके साथ ही सरकार शाहजहानाबाद क्षेत्र की सड़कों को भी नया रूप देने की योजना बना रही है ताकि पर्यटकों को खरीदारी का बेहतर अनुभव और दिल्ली की सांस्कृतिक विरासत को समझने का बेहतर अवसर मिल सके।

दूसरे फेज में होने वाले कार्य

ऐतिहासिक इमारतों के मूल स्वरुप को बरकरार रखते हुए उनके मरम्मत का कार्य किया जाएगा। इमारतों को एक समान रूप दिया जाएगा।

गुरुग्राम के 43 गांव में से 33 गांव में जल्द पहुंचेगा नहरी पानी

इस कार्य का 55 फीसदी काम हो चुका है पूरा

सीएम की घोषणाओं के तहत इस परियोजना पर चल रहा है काम

बढ़ाई जा रही है वाटर ट्रीटमेंट प्लांट की क्षमता

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम के गांवों में नहरी पानी की सप्लाई को लेकर अधिकारियों की बैठक में चर्चा करते उपायुक्त निशांत कुमार यादव।

जिले के 43 गांवों में नहरी पानी की सप्लाई के लिए जमीनी स्तर पर सकारात्मक प्रयास किए जा रहे हैं। अब तक 33 गांव में नहरी पानी की सप्लाई के लिए 55 फीसदी काम पूरा भी हो चुका है। अधिकारियों ने यह जानकारी मुख्यमंत्री की घोषणाओं की स्टेटस रिपोर्ट जानने के लिए उपायुक्त द्वारा ली गई बैठक में दी गई। मुख्यमंत्री द्वारा पेयजल आपूर्ति को लेकर की गई 4 अलग-2 घोषणाओं को लेकर अधिकारियों द्वारा रिपोर्ट प्रस्तुत की गई।

बैठक में गांव मंदपुरा तथा नूरगढ़ के आस-पास के 43 गांवों में नहरी पानी आधारित की सप्लाई देने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में बताया गया कि इस कार्य को लेकर सर्वे का कार्य किया जा रहा है, जोकि प्रगति पर है। मुसैदपुर, बिरहेड़ा तथा महचाना सहित आस पास के 33 गांवों (24 गांव तथा 9 ढाणियों) में पेयजल आपूर्ति को लेकर परियोजना पर काम चल रहा है। जिसका लगभग 55 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। यहां पर वर्तमान में 3 वाटर ट्रीटमेंट प्लांट बने हुए हैं, जिनकी क्षमता को बढ़ाने का कार्य किया जा रहा है और इसे एनसीआर वाटर चैनल से जोड़े जाने की योजना है। बैठक में गांव कासन में नहरी पेयजल आपूर्ति का कार्य किया जाएगा। इससे गांव कासन सहित आस पास के 7 गांव को नहरी पेयजल आपूर्ति की जाएगी। इसके लिए उपायुक्त ने नगर निगम मानेसर के अधिकारियों को जमीन संबंधी औपचारिकताएं जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश दिए।

इसके अलावा बताया गया कि गांव भोकरका में बनने वाले वाटर ट्रीटमेंट प्लांट से करीब 35 गांव को नहरी आधारित पेयजल आपूर्ति की सुविधा दी जाएगी। गांव मंदपुरा तथा नूरगढ़ सहित आस पास के 43 गांवों में नहरी आधारित पेयजल आपूर्ति की जाएगी। गांव कासन में बनने वाले वाटर ट्रीटमेंट प्लांट से निगम क्षेत्र के 7 गांव को नहरी आधारित पेयजल आपूर्ति की सुविधा दी जाएगी।

उपायुक्त ने बैठक में इन सभी घोषणाओं को लेकर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और इस दौरान आ रही समस्याओं के समाधान के लिए उनका मार्गदर्शन किया। वर्तमान में इन गांवों में ट्यूबवेल आधारित पानी की सप्लाई की जा रही है। बैठक में जनस्वास्थ्य अभियंत्रिकी विभाग के अधिकारियों ने बताया कि गांव भोकरका में वाटर ट्रीटमेंट प्लांट लगाया जाना प्रस्तावित है।

लंपी बीमारी की समीक्षा का विशेष अभियान चलाएगा गोसेवा आयोग : पूरन यादव

गुरुग्राम। हरियाणा गोसेवा आयोग प्रदेश की सभी 624 गोशालाओं में गोसेवा पखवाड़ा मनाएगा। यह विशेष कार्यक्रम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में चलेगा। इस दौरान सभी गोशालाओं में विभिन्न सेवा कार्य किए जाएंगे और लंपी बीमारी के स्थिति को जांचने के लिए एक समीक्षा कार्यक्रम भी चलाया जाएगा और विभिन्न सेवा कार्य किए जाएंगे।

गुरुग्राम में लंपी बीमारी को लेकर गोशाला में पहुंचे गोसेवा आयोग के वाइस चेयरमैन पूरन यादव।

21 सितंबर से कार्यक्रम की शुरुआत होगी। गुरुग्राम के कार्टरपुरी स्थित कामधेनु गोशाला में सफाई अभियान में हिस्सा लेने पहुंचे गोसेवा आयोग के वाइस चेयरमैन पूरन यादव ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में हरियाणा गोसेवा आयोग ने भी 21 सितंबर से गोसेवा पखवाड़ा मनाने का फैसला लिया है। इस दौरान प्रदेश की 624 गोशालाओं में स्वच्छता अभियान, पौधारोपण अभियान और गोशालाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कार्यशालाओं का आयोजन किया जाएगा। इसके अलावा इस दौरान लंपी बीमारी से बचाव के लिए जागरूकता अभियान भी चलाने के साथ-साथ प्रदेश भर में गायों में लंपी बीमारी की स्थिति की समीक्षा की जाएगी। यादव ने बताया कि वैक्सीनेशन समीक्षा अभियान से लंपी बीमारी के खिलाफ प्रदेश सरकार द्वारा चलाए जा रहे वैक्सीनेशन कार्यक्रम को और भी अधिक प्रभावी तरीके से चलाने में सहयोग मिलेगा। गोसेवा पखवाड़े की पूरी योजना बना ली गई है और चेयरमैन श्रवण कुमार गर्ग ने इस पूरे कायज़ का संयोजक उन्हें बनाया है।

पूरन यादव ने बताया कि प्रदेश सरकार लंपी बीमारी की रोकथाम के लिए हर स्तर पर प्रयास कर रही है। हर गोशालाओं में वैक्सीनेशन हो चुका है। गोसेवा पखवाड़े के दौरान भी लंपी बीमारी पर विशेष रूप से कार्य किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

आपका भोजन ही आपका चिकित्सक है: डा. खादर वली

गुरुग्राम। नवकल्प फाउंडेशन, खेती विरासत मिशन और रेजीडेंसी ग्रीन आरडब्ल्यूए के सहयोग से मिलेट फूड फेस्टिवल का आयोजन रविवार को रेजीडेंसी ग्रीन के प्रांगण में किया गया। लोगों ने यहां मिलेट फूड की महत्ता को जाना और लाभ लिया। डा. खादर वली ने कहा कि पश्चिमी और यूरोपिय देश डेवलेपमेंट और आधुनिकता के नाम पर जिस कालाग्रास में पहुंच गए हैं। हम उन्हीं का अनुसरण करते हुए मति मंद की भांति वहीं के लिए अग्रसर हो रहे हैं। आज सभी के स्त्री पुरुष बच्चों तक में खानपान के कारण हार्मोनल डिसबैलेंस के कई प्रकार के रोग समय से पहले लग जा रहे हैं। आज 18 प्रतिशत मानसिक रूप से विकलांग बच्चे जन्म ले रहे हैं। वर्ष 1954 के कानून के अनुसार डाईबिटीज का पूर्ण निदान संभव नहीं, परंतु इंसुलिन से इसे वहीं रोक जा सकता है। उन्होंने कहा 100 साल में हम चांद तक तो पहुंच गए, परंतु खान पान और संबंधों धरती पर नीचे की ओर अग्रसर है। डा. खादर वली ने कहा कि आपका भोजन ही आपका चिकित्सक है। भोजन सही तो बीमारी नहीं। आरडब्ल्यूए के सभी पदाधिकारियों प्रेसिडेंट नरेंद्र यादव, वाइस प्रेजिडेंट जितेंद्र सिंह बोकन, ज्वाइंट सेक्रेटरी जितेंद्र संधू, समाजसेवी एवं आरडब्ल्यूए पदाधिकारी दिनेश नागपाल के साथ नवकल्प फाउंडेशन से डा. सुनील आर्य व अनिल आर्य ने डा. खादर वली और उमेंद्र दत्त का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया।

अनाज मंडी में साढ़े सात लाख रुपये से बनेगा सुलभ शौचालय

सोहना। अनाज मंडी में जल्द ही सुलभ शौचालय का निर्माण होगा। जिस पर करीब साढ़े सात लाख रुपये खर्च होंगे। ये निर्माण मार्केट कमेटी विभाग करेगी। मार्केट कमेटी विभाग ने अनाजमंडी में व्याप्त समस्याओं को हल करने के लिए गम्भीर रुख अपना लिया है। अनाजमंडी को सुंदर रूप दिया जा सके। जिसके तहत विभाग जल्द ही अनाज मंडी परिसर में एक और सुलभ शौचालय का निर्माण करेगा। अब तक मंड़ी परिसर में मात्र दो ही सुलभ शौचालय थे। जिसपर करीब साढ़े सात लाख रुपये खर्च होंगे। शौचालय के निर्माण होने से गन्दगी समाप्त हो सकेगी किसान और व्यापारियों को राहत मार्केट कमेटी द्वारा व्यापारियों से लेकर किसानों को सुलभ शौचालय की सुविधा दी हुई थी, लेकिन पिछले कई वर्ष से किसान और व्यापारी परेशान हो रहे थे। इसके अलावा मंडी गेट के साथ बने नाले की दीवार को करीब 8 फुट ऊंचा किया जाएगा। जिससे लोग नाले में कूड़ा न डाल सकें। जिसका निर्माण कार्य आरंभ कर दिया गया है। कार्य की मंजूरी मार्केट कमेटी प्रशासक व एसडीएम ने भी दे दिए है।

चार जिलों के बिजली उपभोक्ताओं की सुनी जाएंगी शिकायतें

गुरुग्राम। दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम उपभोक्ताओं को विश्वसनीय, अच्छी वोल्टेज और निर्बाध बिजली की आपूर्ति के लिए प्रतिबद्ध है। पूर्ण उपभोक्ता संतुष्टि के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए बिजली निगम द्वारा अनेक महत्वाकांक्षी कार्यक्रम शुरू किये गए हैं, ताकि उपभोक्ताओं की समस्याओं को त्वरित रूप में सुलझाया जा सके। इसी कड़ी में गुरुग्राम, फरीदाबाद, रेवाड़ी, नारनौल और पलवल के उपभोक्ताओं की शिकायतों की सुनवाई 29 सितंबर को गुरुग्राम के सेक्टर-16 हेतरी हाऊस स्थित मुख्य अभियंता कार्यालय में होगी। एक लाख से 3 लाख तक की राशि के केसों की सुनवाई दिल्ली जोन लेवल पर जोनल कंज्यूमर ग्रीवेंस रिड्रेसल फोरम के चेयरमैन के रूप में नवीन कुमार वर्मा, मुख्य अभियंता ऑपरेशन करेंगे। इस अवसर पर जोनल सीजीआरएफ टीम के सदस्य शिकायतों की सुनवाई करेंगे और नई शिकायतें भी दर्ज करेंगे। जिनमें मुख्य रूप से गलत बिलिंग, वोल्टेज सरचार्ज, मीटरिंग से सम्बंधित शिकायतें, कनेक्शन काटने और जोड़ने, बिजली आपूर्ति में बाधाएं, सिक्योरिटी भुगतान, कार्यकुशलता, विश्वसनीयता में कमी आदि शामिल हैं। बिजली निगम के प्रवक्ता के अनुसार मंच द्वारा बिजली अधिनियम की धारा 126, 127 तथा धारा 135 से 140, 142, 143, 146, 152 के अन्तर्गत बिजली चोरी और बिजली के अनधिकृत उपयोग के मामलों में दंड तथा जुर्माना और धारा 161 के अन्तर्गत जांच एवं दुर्घटनाओं से सम्बंधित मामलों की सुनवाई नहीं की जाएगी।

स्वाबलंबी बनने को स्वरोजगार अपनाएं महिला और युवतियां

सोहना। महिलाओं व युवतियों को स्वाबलंबी बनने के लिए स्वरोजगार अपनाने चाहिए। जिससे उनके जीवन स्तर में सुधार हो सके और वे आत्मनिर्भर बन सकें। ये बातें दीपालय संस्था की निदेशक कार्यक्रम नेहा शर्मा ने प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम के अवसर पर महिलाओं व युवतियों के समक्ष कही। इस अवसर पर उन्होंने यह भी कहा कि आज के समय में सरकारी नौकरियों की तरफ नहीं भागना चाहिए। लोगों को अपने हुनर का उपयोग करके धन अर्जित करना चाहिए। इस अवसर पर 101 महिलाओं व युवतियों को संस्था द्वारा प्रमाण पत्र वितरित किए गए। सोमवार को कस्बे के पलवल मार्ग पर स्थित डागर भवन में दीपालय एवं एमवे इंडिया एंटरप्राइजेज संस्था द्वारा प्रमाण पत्र वितरित किए गए। ये प्रमाण पत्र ब्यूटी कल्चर एवं फैशन डिजाइन कोर्स में सफ ल महिलाओं व युवतियों को प्रदान किए गए। जो कोर्स के एक साल पूरा होने पर दिए गए थे। जिनकी संख्या 101 थी। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि दीपालय संस्था की निदेशक कार्यक्रम नेहा शर्मा ने शिरकत की थी। जिनके पहुंचने पर आयोजकों ने बुके देकर उनका स्वागत किया। कार्यक्रम में बुलबुल, रानी, ज्योतिष, शोभा, काजल, नेहा आदि को प्रमाण पत्र दिए गए। इस अवसर पर दीपालय प्रबंधक अजय गुप्ता, मास्टर ट्रेनर ललिता, बरखा सोनी, अंजू, अमित लाखन आदि मौजूद रहे।

पहले दिन 56 फीसदी बच्चों को पिलाई दो बूंद जिन्दगी की

सोहना। पल्स पोलियो अभियान में पहले दिन 56 फीसदी जीरो से पांच वर्ष की उम्र वाले बच्चों को दो बूंद जिन्दगी की पिलाई गई। 44 फीसदी बच्चों को डोर टू डोर सोमवार व मंगलवार को 26 टीमों में शामिल 100 के लगभग कर्मचारी पिलाने का कार्य करेंगे। रविवार को शुरु हुआ पल्स पोलियो अभियान नागरिक अस्पताल सीमा क्षेत्र में पहले दिन 4 हजार 85 बच्चों को दवा पिलाई गई। 3000 के लगभग बच्चों को घर-घर जाकर दवा पिलाने का कार्य चलेगा। जिसमें आशा वर्कर्स, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी और समाज सेवी लोग शामिल हैं। पोलियो अभियान के प्रभारी डॉक्टर कुलभूषण ने बताया कि इसके साथ-साथ शहर के 4 सार्वजनिक स्थानों पर मोबाइल टीम को बैठाया गया है। जिसमें सामान्य बस स्टैंड, इंडरी मोड़, अनाज मंडी और नागरिक अस्पताल शामिल है। जहां पर भी नौनिहालों को दवा पिलाने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अन्य राज्यों से आए मजदूर व खानाबंदोश नागरिकों के बच्चों को भी दवा पिलाई जा रही है। ऐसे स्थान व झोंपड़ियों को चिन्हित कर लिया है।

स्वास्थ्य विभाग स्कूल के बच्चों को औषधिय पौधों की देगा जानकारी

सोहना के नागरिक अस्पताल परिसर में बनी आयुष वाटिका।

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

स्वास्थ्य विभाग का आयुष विंग स्कूल में शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ औषधिय पौधों की जानकारी देने की योजना बना रहा है। जिससे शिक्षण के साथ-साथ विद्यार्थी को पेड़-पौधों के दवाई में उपयोग होने का ज्ञान प्राप्त हो सके। जल्द ही योजनाओं को अमलीजामा पहनाने के लिए राजकीय स्कूल प्रभारियों से सम्पर्क किया जाएगा।

नागरिक अस्पताल में आयुष विभाग के प्रभारी डॉक्टर कुलभूषण व उनके सहयोग कर्मचारियों ने करीब 700 वर्गगज जमीन पर आयुष वाटिका तैयार की है। जिसमें 35 से 40 अलग-अलग औषधिय पौधे लगे हैं। जिसमें ग्वारपट्टा, अनार, जामून, नीबू, सुदर्शन, अशोक, पीपल, बढ़, गूलर, एलोविरा, आम शहतूत, रामा-शामा तुलसी, पत्थरचटा, पिलखन, चांदनी, आम, अंजीर सदाबाहर आदि शामिल है। इन पेड़-पौधों से असंख्य दवाइयां बनाई जा सकती हैं। जिनसे पत्थरी, कैंसर, महिलाओं से संबंधित स्तन रोग, शरीर में दर्द, दमा, चरमरोग, चरम रोग, पेट में सूजन आदि जान लेवा बीमारियों का उपचार हो सकता है।

आयुष वाटिका का किया दौरा

स्कूल प्रभारियों से इस संबंध में नागरिक अस्पताल में आयुष विभाग के प्रभारी डॉक्टर कुलभूषण जल्द ही सम्पर्क करेंगे। ताकि विद्यार्थियों को आयुष वाटिका का दौरा कराने पर औषधिय पौधों के लगाने और उनसे मिलने वाली लाभ की जानकारी दी जाएगी।

> **स्कूली** विद्यार्थियों को जानकारी देने के साथ-साथ कॉलेज व यूनिवर्सिटी स्तर के विद्यार्थियों को औषधिय पेड़-पौधों की जानकारी दी जाएगी। जिससे आम नागरिक औषधिय पौधे लगाने और उनके संरक्षण की तरफ प्रेरित होंगे।
>
> **डॉ. कुलभूषण**
> **(खंड अधिकारी आयुष विभाग)**

जिसकी जानकारी प्राप्ति के बाद विद्यार्थी अपने घर के आंगन से लेकर खाली प्लाट, खेत-खलियान आदि स्थानों पर औषधिय पौधे लगा सकेंगे। अपने आवासीय क्षेत्र में औषधिय पेड़-पौधा होने से तुरन्त प्रभाव से बीमारियां होने पर उनका उपयोग करके बीमारियों से छुटकारा मिल सकेगा।

चीड़फाड़ के उपचार से मिलेगा छुटकारा

औषधिय पेड़-पौधों का ज्ञान होने पर विद्यार्थी होम्योपैथिक व आयुर्वेदिक तरीके से अपने और परिवार में अन्य सदस्यों का उपचार करने में सक्षम होंगे। वर्तमान में नागरिक चिडफाड़ के उपचार से बचकर होम्योपैथिक व आयुर्वेदिक उपचार को तेजी से अपना रहा है।

सोहना में समस्याओं का जल्द होगा समाधान : एसडीएम

सोहना। नगर परिषद क्षेत्र में व्याप्त समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर हल कराया जाएगा। लापरवाह अधिकारियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। बैठक में पार्षदों द्वारा रखी गई जनसमस्याओं अधिकारियों ने एक सप्ताह से लेकर डेढ़ माह में समाधान किए जाने का आश्वासन दिया गया।

सोमवार को नगर परिषद सभागार में प्रशासन आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता सोहना एसडीएम जितेंद्र गर्ग द्वारा की गई। बैठक में वार्ड संख्या 15 से लेकर 21 वार्ड तक की समस्याओं को सुना गया। बैठक में नगर परिषद, पब्लिक हेल्थ, पीडब्ल्यूडी, स्वास्थ्य विभाग, बिजली विभाग, बीडीपीओ, बाल एवं महिला आयोग आदि विभाग के अधिकारीगण मौजूद थे। बैठक में स्ट्रीट लाइट, अवैध कब्जे, पानी निकासी, गंदगी, बिजली की जर्जर तारों आदि की समस्याएं रखी गईं। बैठक में पार्षदों द्वारा करीब चार दर्जन समस्याओं को रखा गया।

पंजाबी बिरादरी महा संगठन ने की सेवा पखवाड़ा की शुरुआत

कोविड टीकाकरण केंद्र से और सरकारी डिस्पेन्सरी से की गई शुरुआत

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

सेवा पखवाड़ा के तहत कार्य करते पंजाबी बिरादरी महा संगठन के सदस्य।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस के उपलक्ष में पूरे देश में सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। जिसमें रक्तदान शिविर, स्वास्थ्य जांच शिविर व कोविड टीकाकरण केंद्रों पर सेवा कार्यों सहित अन्य कई और कार्यक्रम शामिल हैं। पंजाबी बिरादरी महासंगठन ने इसके तहत अपने 10 सामाजिक सेवा संकल्पों में से प्रथम प्रोजेक्ट की शुरुआत सुशांत लोक के टीकाकरण केंद्र से सोमवार को की।

भाजपा प्रांत कार्यकारिणी सदस्य और उपाध्यक्ष हरियाणा प्रांत सीएसआर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष बोधराज सीकरी ने बताया कि यहां बूस्टर डोज लगवाने वाले लोगों को और अन्य रोगियों को सरकार और संगठन की उपलब्धियों से परिचित कराया गया है। टीकाकरण केंद्र में इलाज के लिए रोगी व मेडिकल स्टाफ को संबोधित करते हुए बोधराज सीकरी ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल देखरेख में 220 करोड़ से अधिक लोगों का टीकाकरण, 100 देशों को कोविड टीके एक्सपोटज़ करना, 50 देशों को फ्री वैक्सीन का टीका देना एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। साथ ही सरकार ने मिलकर जो 80 करोड़ से अधिक लोगों के घरों में राशन पहुंचाया, उसकी भी सराहना की। आयुष्मान भारत की जानकारी और जनौषधि केंद्र का भी जिक्र किया।

इसके अलावा देश के अंदर 10 हजार से अधिक हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर, आयुष्मान भारत के तहत 40 करोड़ से अधिक लोगों को स्वास्थ्य बीमा के तहत सरकारी या प्राइवेट अस्पताल में दिये जा रहे इलाज और हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर के माध्यम से दी जा रही सरकार की और से अनेक सुविधाओं और अन्य उपलब्धियों के बारे में बताया।

न्यास ने प्रतिभाशाली बच्चों को किया सम्मानित

10वीं व 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों को किया गया सम्मानित

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

समाज उत्थान न्यास फाउंडेशन की ओर से बच्चों को सम्मानित करते अतिथि।

समाज उत्थान न्यास द्वारा वर्ष 2022 में 10वीं एवं 12वीं कक्षा में 70 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र एवं छात्राओं को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन सैनी धर्मशाला, जैकमपुरा में किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि गुरुग्राम की महापौर मधु अशोक आजाद और कैनविन फाउंडेशन के संस्थापक डॉ. डीपी गोयल पहुंचे। कार्यक्रम की अध्यक्षता यशपाल सैनी ने की।

महात्मा ज्योतिबा फुले और सावित्री बाई फुलेजी की तस्वीर पर अतिथियों ने पुष्प अर्पित किए। कार्यक्रम में अति विशिष्ट अतिथि रजनी दिलीप साहनी, रेखा दिनेश सैनी, ब्रह्म यादव, कपिल (लवली) सलूजा और सुमेर सिंह तंवर तथा विशिष्ट अतिथि नरेंदर दत्त और सरपंच हंसराज रहे। बतौर अतिथि बीरबल सैनी, बनवारी लाल सैनी, सुरेश गौड़, रमेश, सोनू सैनी, राजेश बोहरा, सुन्दर वर्मा, नितिन, पवन, सरजीत, अंकुश सैनी, श्री रोहित सैनी, प्रधान तेजिंदर सैनी, विजय सैनी एवं श्री सतीश माचीवाल रहे। कार्यक्रम में संस्था के काउंसलर डॉक्टर संदीप सिंह, सीए संदीप, अधिवक्ता मुकेश, राकेश सैनी एवं सीएस सुकेश भी मौजूद रहे।

प्रतिभा सम्मान कार्यक्रम में 10वीं कक्षा के 83, 12वीं कक्षा के 78 और स्पोर्ट्स के 4 बच्चों को अतिथियों द्वारा मोमेंटो और सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। महापौर मधु आजाद ने कहा कि समाज उत्थान न्यास संस्था का यह अच्छा प्रयास है। इससे बच्चों में प्रतियोगिता की भावना बढ़ेगी। उन्होंने सभी बच्चों से कहा कि वे अच्छी शिक्षा लेकर समाज में परिवार का नाम रोशन करें। कैनविन फाउंडेशन के संस्थापक डा. डीपी गोयल ने कहा कि संस्थाओं को समाजहित में काम करना चाहिए। कैनविन फाउंडेशन जहां स्वास्थ्य के क्षेत्र में काम कर रही है, वहीं शिक्षा के क्षेत्र में समाज उत्थान न्यास का काम सराहनीय है।

हॉर्स राइडिंग में विश्व में आई है 84वीं रैंकिंग

ओलम्पिक में हॉर्स राइडिंग में मेडल जीतना है गुरुग्राम की प्रगति का सपना

रिहर्सल के लिए जर्मनी से खरीदा है 4 लाख रुपये का घोड़ा

रविवार को दिल्ली में हुई प्रतियोगिता में जीता है सिल्वर मेडल

हॉर्स राइडिंग में देखने की दिलचस्पी ने बना दिया प्रगति को हॉर्स राइडर

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

हॉर्स राइडर प्रगति तायल।

प्रगति जीवन में कुछ अलग करना चाहती थी। इस चाहत में उसे हॉर्स राइडिंग का शौक लगा। इस शौक को पूरा करने के लिए वह गुरुग्राम में ही एक हॉर्स राइडिंग अकादमी में गई। हॉर्स राइडिंग उसे इतनी भायी कि आज वह विश्व स्तर की चैंपियन बन चुकी है। हॉर्स राइडिंग की विश्व रैंकिंग में उसका 84वां स्थान है। जॉब छोड़कर अब प्रगति अपना पूरा फोकस हॉर्स राइडिंग में और अधिक महारत हासिल करने में जुटी है। प्रगति का सपना इस क्षेत्र में भारत को ओलम्पिक में गोल्ड मेडल दिलाना है।

24 साल की हॉर्स राइडर प्रगति तायल इस खेल को सब खेलों से अलग मानती है। इसमें व्यक्ति की अपनी दिमागी सूझ-बूझ को घोड़े के साथ तालमेल करना पड़ता है। या फिर घोड़े को अपने अनुसार ढालना होता है। यह बहुत कठिन होता है। इसके लिए देशी के साथ विदेशी स्टैंडर्ड से खेलना आना जरूरी है। उस लेवल की कोचिंग भी चाहिए। तीन महीने पहले वर्ल्ड रैंकिंग में 84वें स्थान पर रहीं प्रगति तायल ने हाल ही में दिल्ली के छत्तरपुर स्थित टार्क अकादमी में हुई चैंपियनशिप में सिल्वर मेडल जीता है। इससे पूर्व दिल्ली कैंट स्थित आर्मी पोलो एंड राइडिंग क्लब में गोल्ड मेडल जीता था। अपने जीवन का पहला हॉर्स राइडिंग शो प्रगति ने जनक राइडिंग स्कूल गुरुग्राम में किया था। उसमें उसे बेस्ट राइडर चुना गया।

यहीं से उनके जीवन का टर्निंग प्वाइंट भी शुरू हुआ। आत्मविश्वास इतना बढ़ा कि प्रगति ने इस क्षेत्र में प्रोफेशनल तरीके से काम करना शुरू किया। बेहतर प्रशिक्षण हासिल किया जा सके, इसके लिए प्रगति ने जर्मनी से 40 लाख रुपये खर्च करके घोड़ा भी मंगवाया। प्रगति कहती हैं कि हॉर्स राइडिंग में आगे बढ़ने के लिए सिर्फ एक घोड़ा काफी नहीं है, बल्कि उसे तीन घोड़े और चाहिए। अगर एक घोड़ा चोटिल हो जाता है तो उसका ऑप्शन जरूरी है। पिछले दिनों उसके घोड़े के पांच में चोट लगी थी तो वह दो महीने तक अभ्यास नहीं कर पाई। प्रगति के अनुसार ओलम्पिक की तैयारी करने के लिए उसे बाहर जाना पड़ेगा। उसके लिए तीन-चार घोड़े चाहिए। अगले महीने मेरठ के मोदीपुरम में होने जा रही इंटरनेशनल हॉर्स राइडिंग की वह तैयारी कर रही है।

2021 में नौकरी छोड़कर हॉर्स राइडिंग को अपनाया

प्रगति ने वर्ष 2015 से 2021 तक कंपनी में नौकरी भी की, लेकिन जीवन में कुछ बड़ा करने की सोच से उसने नौकरी को त्यागकर हॉर्स राइडिंग पर पूरा फोकस किया। उनके बिजनेसमैन पिता सतीश तायल एवं गृहिणी मां ललिता तायल ने सदा उसे अपने सपने पूरे करने के लिए सहयोग किया है।

यूएसए की जेसिक स्पिंगस्टिन को करती हैं फॉलो

प्रगति हॉर्स राइडिंग में यूएसए की राइडर जेसिका स्प्रिंगस्टिन को फॉलो करती हैं। भारत में वह ट्रेनर तेजस धींगड़ा से हॉर्स राइडिंग के गुर सीख रही है। प्रगति का कहना है कि हॉर्स राइडिंग ऐसा खेल है, जिसमें महिला-पुरुष समान भाग लेते हैं। किसी के भी कोई छूट नहीं, बल्कि बराबर के नियम-कायदे हैं। इस खेल में उम्र की भी कोई सीमा नहीं है। इस बार के ओलंपिक में 50 साल की उम्र से भी ज्यादा के खिलाड़ियों ने भाग लिया है। प्रगति के मुताबिक हॉर्स राइडिंग में दिल्ली, गुरुग्राम, मुंबई चेन्नई, बंगलोर में ज्यादा क्रेज है। उनका कहना है कि क्रिकेट की तरह भारत में हॉर्स राइडिंग पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए। भारत में प्रतिभाओं की कमी नहीं है। महंगा खेल होने के कारण इसमें सभी हिम्मत नहीं कर पाते।

बीके : सामान्य बीमार को भी रेफर कर झाड़ लेते हैं पल्ला

कविता। फरीदाबाद

कई कर्मचारियों को दवाओं और इलाज की नहीं है जानकारी

शहर के बादशाह खान सिविल अस्पताल में जहां एक तरफ इलाज के लिए आने वाले मरीजों को परेशानियां झेलनी पड़ रही हैं। वहीं दूसरी तरफ अस्पताल में दवाओं और इंजेक्शनों का भारी अभाव चल रहा है, वहीं अब यहां चौकाने वाली एक और बात का खुलासा हुआ है कि अस्पताल में तैनात नए स्टाफ को न तो दवाओं के संबंध में कुछ पता है और न ही मरीजों के इलाज के बारे में किसी तरह की कोई जानकारी है। जिसके कारण यहां आने वाले मरीजों को वह अपना पल्ला झाड़ते हुए दिल्ली रेफर करवाना ही बेहतर समझते हैं। कुछ मरीज यहां आने वाले ऐसे भी होते हैं, जो सामान्य बीमार होते हैं।

यहां गत 14 सितम्बर को आए एक 10 वर्षीय बच्चे को चिकित्सक ने रेफर कर दिया। लेकिन जब बच्चे की हालत ले जाने से पहले ही खराब होने लगी तो स्टाफ को कुछ समझ नहीं आया। उन्होंने तुरंत ही बच्चे को ले जाने की बात कह दी। लेकिन वहीं मौजूद एक पुराने स्टाफ

बीके अस्पताल के अपातकालीन परिसर का दृश्य।

अस्पताल में आया वह बच्चा, जिसका रामफल ने किया था उपचार।

रामफल ने जब बच्चे ही हालत देखी तो उन्होंने उसे तुरंत स्टेबल करने का प्रयास शुरू कर दिया। जिसके बाद बच्चे के मुंह के झांग जो सांस नली में फंस गया था, जिससे उसे तकलीफ हुई थी, उसको नली डालकर ठीक किया। इस दौरान रामफल ने स्टाफ से सामान मांगा तो स्टाफ को सामान कहां रखा है, यह तक पता नहीं था। ऐसे में रामफल ने स्वयं सामान लाकर मरीज का उपचार किया।

468 मरीज हुए रेफर: अस्पताल में आने वाले मरीजों को स्टाफ देखने तक को राजी नहीं होता। ऐसे में कुछ मरीज तो यहां से खुद ही लौट जाते हैं। गत 11 से 19 सितम्बर तक के आंकड़ों पर नजर डाली जाए तो यहां से 468 मरीजों को रेफर किया गया है। इसके अलावा इलाज न मिलने पर यहां से स्वयं लौटने वाले मरीजों की संख्या का आंकड़ा भी करीब 600 मरीजों का होगा। नौ दिनों में यदि 1000 मरीजों को यहां इलाज नहीं मिला, तो इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि किस तरह से यहां इलाज की सुविधाएं मरीजों को मिल रही है।

गुड न्यूज : पेंशन धारकों की दूर होगी परेशानी, प्रशासन ने चलाया अभियान

विशेष अभियान के तहत पेंशन धारकों की शिकायतों का किया जा रहा है समाधान

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

डीसी विक्रम ने बताया कि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की ओर से पेंशन लाभार्थियों की पेंशन संबंधी शिकायतों के निवारण के लिए आज सोमवार 19 से 30 सितंबर तक विशेष अभियान चलाया गया है। सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार आजादी के अमृत महोत्सव की श्रंखला में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मोत्सव पखवाड़ा के तहत लोगों की पेंशन से संबंधित शिकायतों का निपटान किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि रजिस्ट्रार जनरल ऑफ इंडिया (आरजीआई) द्वारा प्राप्त डाटा या क्रीड (सीआरआईडी) डाटा से प्राप्त मापदंडों अनुसार अगर किसी पात्र लाभार्थी का कोई डाटा विवरण मेल नहीं खाता है तो विभाग द्वारा ऐसे

पेंशन के लिए समाज कल्याण अधिकारी के कार्यालय में भटकते लोगों का फाइल फोटो।

व्यक्ति की पेंशन अस्थाई तौर पर निलंबित कर दी जाती है। ऐसी स्थिति में पात्र व्यक्ति अपने सम्बन्धित जिला समाज कल्याण अधिकारी के दफ्तर में संपर्क करके अपनी पेंशन को पुन: सुचारू रूप से चलाने बारे सूचित कर सकता है।

डीसी ने बताया कि जिले में सामाजिक सुरक्षा पेंशन भत्ता के लाभार्थियों, जिनकी पेंशन व भत्ता का डेटा के मिलान न होने के कारण अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया है, कि शिकायतों को दूर करने के लिए एक विशेष अभियान 19 से 30 सितंबर, 2022 तक चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत सभी संबंधित वांछित लाभार्थी अपने संबंधित जिला समाज कल्याण अधिकारी इन्दिरा यादव को अपनी शिकायत दर्ज करवा सकते हैं। उसके पश्चात संबंधित जिला समाज कल्याण अधिकारी कार्यालय का कर्मचारी संबंधित लाभार्थी से तथ्यों की जांच व सत्यापन के लिए मिलेगा, जिसकी उपरांत पेंशन व भत्ते की बहाली के लिए आगामी कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने बताया कि जिला समाज कल्याण अधिकारी द्वारा अपने पोर्टल पर ऐसे केस को सामान्य कर दिया जाता है और पात्र लाभार्थी की पेंशन पुन: चालू कर दी जाती है।

डीसी ने आह्वान किया कि जिला फरीदाबाद में यदि किसी भी व्यक्ति के पहचान पत्र में किसी भी सूचना जैसे आय, आयु अथवा किसी अन्य प्रकार की त्रुटि है तो वह जिला समाज कल्याण विभाग के माध्यम से क्रीड द्वारा दिए गए शिकायत पोर्टल https://grievance.edisha.gov.in/ पर अपनी शिकायत दर्ज करा सकता है, जिसके उपरांत उसकी पेंशन सभी मापदंडों के पूरा होने उपरांत सुचारू रूप से आरम्भ कर दी जाती है एवं बकाया पेंशन राशि का भुगतान भी कर दिया जाता है। उन्होंने बताया कि भविष्य में विभाग द्वारा यदि किसी लाभार्थी की पेंशन रजिस्ट्रार जनरल ऑफ इंडिया द्वारा अस्थाई तौर पर रोकी जाती है तो सम्बन्धित लाभार्थी को पहले दस्तावेजों में उपलब्ध मोबाईल नम्बर पर एसएमएस द्वारा सूचित किया जाएगा।

कान संबंधी दिव्यांगता के लिए अंतरराष्ट्रीय सप्ताह कार्यक्रम शुरू

बीके ओपीड़ी से कार्यक्रम की शुरूआत में जागरुक करते हुए सीएमओ, डिप्टी सीएमओ संग अन्य चिकित्सक व काउंसलर।

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिले में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, स्वास्थ्य विभाग के द्वारा 19 से 25 सितम्बर तक बधिर व्यक्तियों का अंतरराष्ट्रीय सप्ताह की शुरूवात सोमवार को की गई। जिसमें सोमवार को सिविल सर्जन की अध्यक्षता में शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग और जिला परिषद के साथ नेशनल प्रोग्राम फॉर प्रीवेंटेशन और कंट्रोल ऑफ डीफीनेंस के अंतर्गत यह कार्यक्रम आयोजित किया गया।

जिसमें सीएमओ ने एक बैठक ली और उसमें बहरेपन के कारणों और सावधानियों के बारे में बताया। इसके अलावा शहर के बादशाह खान सिविल अस्पताल की ओपीडी में एक जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किया, जिसका शुभारंभ सीएमओ डॉ. विनय गुप्ता ने किया। इस मौके पर सीएमओं के अलावा डिप्टी सीएमओं डॉ. रश्मि बत्रा, डॉ. सीमा, काउंसलर अनुक्रमा के अलावा ईनटी चिकित्सक मुख्य रूप से मौजूद रही। डिप्टी सीएमओ ने बताया कि इस सप्ताहिक प्रोग्राम में आरबीएसके टीम स्कूलों में जाकर जागरुक करेंगी और बच्चों की जांच करेंगी। जिसमें प्राथमिक कर्ण एवं श्रवण सुरक्षा बहरेपन के कारणों का पता लगाया जाएगा। जिसमें कान के संक्रमण, मवाद आना और कान दर्द, कान में मैल, दुर्घटनाए, सिर या कान में चोट, बचपन की बीमारियां इत्यादि के बारे में पता लगाया जाएगा।

कुमाउनी भाषा एवं साहित्य के संरक्षण के लिए गोष्ठी आयोजित

डीएवी कालेज में आयेजित कार्यक्रम का दीप जलाकर शुभारंभ करते वरिष्ठ शिक्षाविद् देवी प्रसाद भारद्वाज व अन्य।

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

उत्तराखंडी दुधबोलियों कुमाउनी एवं गढ़वाली को संविधान की आठवीं अनुसूची में मान्यता दिलवाने तथा उनके संरक्षण एवं संवर्धन के साथ समाज में उनकी जागरुक स्वीकार्यता हेतु कई जगह पर प्रयासों की कड़ी में कुमाउनी भाषा, साहित्य एवं सांस्कृतिक समिति, नई दिल्ली द्वारा यह विशेष प्रयास रविवार को डीएवी कॉलेज में किया।

कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्ज्वलन से हुई। जिसमें फरीदाबाद के वरिष्ठ शिक्षाविद और सामाजिक अग्रज देवी प्रसाद भारद्वाज, गणेश जोशी, सीएम पपनें, कमला कापड़ी, यशपाल रावत, पूरन चंद्र कांडपाल, गिरीश बिष्ट हंसमुख, हर्ष सिंह बंगारी, महेन्द्र रौतेला, आनन्द सिंह जमनाल, भुवन बुधानी व कई अन्य वरिष्ठ व्यक्तित्व उपस्थित रहे। तत्पश्चात मेघा जोशी ने सुप्रसिद्ध कुमाउनी सरस्वती वंदना दैंणी है जए माँ सरस्वती की सुन्दर प्रस्तुति दे आयोजन को ऊर्जादायक आरंभ दिया। कार्यक्रम में पहले सत्र में कुमाउनी भाषा गोष्ठी और पुस्तक परिचर्चा तथा दूसरे सत्र में कवि सम्मेलन रखा गया।

भाषण प्रतियोगिता में डीएवी प्रथम

फरीदाबाद। राष्ट्रीय गांधी संग्रहालय, राजघाट के द्वारा आयोजित गांधी के विचारों एवं उनकी दूरदृष्टि विषय पर एक भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें दिल्ली विवि के अंतर्गत आने वाले लगभग एक दर्जन महाविद्यालयों ने भागीदारी की।

डीएवी कॉलेज फरीदाबाद के अतिरिक्त इसमें मिरांडा हाउस, खालसा कॉलेज, दौलतराम कॉलेज, कालिंदी कॉलेज, सत्यवती कॉलेज, माता सुंदरी, राजधानी कॉलेज, जाकिर हुसैन कॉलेज, तेजराम कॉलेज के छात्र छात्राओं ने अपने विचार रखे। डीएवी के छात्र सागर कामती ने इस प्रतिस्पर्धा में प्रथम स्थान प्राप्त किया, दिल्ली विवि के सत्यवती कॉलेज के छात्र अक्षय आनंद द्वितीय स्थान पर तथा कालिंदी कॉलेज की अनर्ग्या छिब तृतीय स्थान पर रहीं तथा इस प्रतियोगिता में कुल 18 छात्र छात्राओं ने अपने विचार रखे। डीएवी की प्राचार्या डॉ सविता भगत ने विजेता छात्र को बधाई दी।

रैली में अधिकारियों पर बरसे विधायक

बिजली कर्मचारी की शिकायत पर बोले, जो काम नहीं करेगा वो यहां नहीं रहेगा

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

धीरज नगर में आयोजित अधिकार रैली में विधायक राजेश नागर के प्रति समर्थन जताते स्थानीय नेता।

भाजपा विधायक राजेश नागर अधिकारियों पर जमकर बरसे। उन्होंने कहा कि जो जनता के काम नहीं करेगा, वो यहां नहीं रहेगा। नागर यहां धीरज नगर में अपने सम्मान में आयोजित अधिकार रैली को संबोधित कर रहे थे। इसका आयोजन पूर्वांचल एकता मंच द्वारा किया गया था।

अधिकार रैली में पहुंचे विधायक राजेश नागर को स्थानीय लोगों ने बिजली निगम के एक कर्मचारी पर लापरवाही बरतने और जनता के फोन न उठाने की बात बताई। जिस पर विधायक ने संबंधित कर्मचारी को मौके पर ही बुलाया और उसे सभी के सामने नसीहत दी। नागर ने कहा कि अगर तुम्हारी दोबारा शिकायत मिली तो यहां काम नहीं कर पाओगे, जनता के काम में कोताही बरतने वालों के लिए क्षेत्र में कोई जगह नहीं है।

विधायक राजेश नागर ने कहा कि हरियाणा की मनोहर सरकार ने सभी कच्ची कॉलोनियों को पास करने के जो आदेश दिए हैं, वह जल्द ही सिरे चढ़ जाएंगे। उसके बाद आपको बिजली, पानी, सडक़ों की कोई असुविधा नहीं रहेगी। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार सबका साथ सबका विकास के मंत्र को मानते हुए अंत्योदय की अवधारणा को मजबूत करने का काम कर रही है। इसके तहत हम हर व्यक्ति तक विकास पहुंचाने में जुटे हैं। इसमें हमारे मुखिया मनोहर लाल का पूरा आशीर्वाद हमें मिल रहा है। इससे पहले यहां पहुंचने पर विधायक राजेश नागर का स्थानीय लोगों ने फूलमालाओं के साथ जोरदार स्वागत किया। पूर्वांचल एकता मंच की ओर से विधायक राजेश नागर के समक्ष बिजली नवीनीकरण, नए बिजली मीटर, सीवर लाइन, सामुदायिक भवन, छठ घाट, आधार केंद्र, डाकखाना, वृद्धा पेंशन आदि अनेक मामले रखे गए। विधायक ने इन्हें प्राथमिकता के आधार पर हल करने की बात कही। इस अवसर पर भाजपा नेता गिर्राज शर्मा, पूर्व पार्षद राजेश तंवर आदि मौजूद रहे।

स्टेज-4 फेफड़ों के कैंसर का किया सफल इलाज

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

मरीज के दोनों फेफड़ों में गाठें होने के साथ-साथ भरा हुआ था पानी

लगभग 50 साल से मरीज कर रहा था धूम्रपान

कैंसर लाइलाज बीमारी नहीं है। आज कैंसर का उपचार संभव है, भले ही मरीज चौथी स्टेज में भी क्यों न हो। हाल ही में मैरिंगो क्यूआरजी हॉस्पिटल में स्टेज चार लंग कैंसर के साथ फरीदाबाद से 64 वर्षीय दिलीप सब्बरवाल का एक ऐसा केस आया जहां मरीज के बचने की उम्मीद लगभग खत्म हो चुकी थी, लेकिन मैरिंगो क्यूआरजी हॉस्पिटल के चिकित्सकों ने सटीक इलाज की मदद से मरीज को कुछ ही दिनों में बीमारी मुक्त कर दिया।

मैरिंगो क्यूआरजी हॉस्पिटल में ऑन्कोलॉजी विभाग के एचओडी एवं सीनियर कंसल्टेंट डॉ. सनी जैन ने बताया कि मरीज हमारे पास बहुत ही गंभीर स्थिति में आया था। उसका बहुत ज्यादा सांस फूल रहा था और बात भी नहीं कर पा रहा था इसलिए उसे आईसीयू में रखा गया और वह 10 लीटर प्रति मिनट की दर से ऑक्सीजन ले रहा था। जांच करने पर पता चला कि मरीज लंग कैंसर की चौथी स्टेज पर था और उसके दोनों फेफड़ों में कुछ गांठें होने के साथ-साथ पानी भी भरा हुआ था। मिली जानकारी के अनुसार, मरीज पिछले 50 साल से रोजाना 1-2 पैक सिगरेट के पी रहा था। परिजन से विचार-विमर्श के बाद मरीज को कीमोथेरेपी और टारगेट थेरेपी दी गई। इलाज का परिणाम इतना बेहतरीन रहा कि मरीज दूसरी सिटिंग के लिए आया था तो उसका ऑक्सीजन सपोर्ट हट गया था। दूसरी साइकिल के खत्म होने तक मरीज ने चलना-फिरना शुरू कर दिया, उसकी खांसी, सांस फूलना बंद हो गया। मरीज ने गाड़ी भी चलाना शुरू कर दिया। तीन साइकिल के बाद पीईटी (पोजीट्रान एमिशन टोमोग्राफी) स्कैन जाँच करने पर पता चला कि मरीज बीमारी से मुक्त हो गया है।

मैरिंगो क्यूआरजी हॉस्पिटल में मरीज के साथ डॉ. सनी जैन।

डॉ. सनी जैन ने कहा कि यह केस बहुत ज्यादा चुनौतीपूर्ण था क्योंकि जहाँ मरीज को स्टेज 4 लंग कैंसर था, वहीं हृदय समस्या के चलते मरीज को इसी वर्ष मार्च के महीने में मैरिंगो क्यू.आर.जी हॉस्पिटल में कार्डियोलॉजी विभाग के डायरेक्टर डॉ. गजिंदर कुमार गोयल द्वारा स्टेंट भी डाला गया था। ऐसी स्थिति में मरीज की बायोप्सी करना भी काफी मुश्किल था क्योंकि स्टेंट की वजह से मरीज खून पतला करने वाली दवाइयां भी ले रहा था। ऐसे में स्टेंट के ब्लॉक होने का जोखिम भी था। अगर मरीज खून पतला करने की दवा ले रहा है और ऐसे में बायोप्सी की जाए तो मरीज को ब्लीडिंग की समस्या हो सकती है इसलिए हाई रिस्क सहमति लेने के बाद ही मैरिंगो क्यू.आर.जी हॉस्पिटल में श्वास रोग विभाग के डायरेक्टर डॉ. गुरमीत सिंह छाबड़ा द्वारा मरीज की बायोप्सी की गई। इसके बाद कैंसर का इलाज शुरू किया गया। मरीज की नाजुक हालत को देखते हुए शुरू की दो सिटिंग आईसीयू के अंदर ही की गईं। इस केस को संभालना मेरे लिए काफी बड़ी चुनौती थी क्योंकि टारगेट और कीमोथेरेपी देने पर ऐसे मरीज की हालत ज्यादा बिगड़ने की संभावना होती है। मरीज 10 लीटर ऑक्सीजन पर था। अगर मरीज थेरेपी बर्दाश्त नहीं कर पाता तो वह वेंटीलेटर पर भी जा सकता था। इसके मद्देनज़र मरीज का इलाज बहुत ही कम डोज के साथ शुरू किया गया और हालत में सुधार होने पर धीरे-धीरे डोज को बढाया गया। 3 साइकिल के बाद मरीज बीमारी से मुक्त हो गया और उसे घर भेज दिया गया है।

ध्यान दें धूम्रपान लंग कैंसर का एक बड़ा जोखिम कारक है। अगर सही इलाज किया जाए तो मरीज के ठीक होने की संभावना बढ़ जाती है। ठीक होने के बाद भी मरीज का धूम्रपान से दूर रहना जरूरी है। तंबाकू का किसी भी रूप में इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। कैंसर सिर्फ़ एक बीमारी है, यह मौत का फ़रमान नहीं है।

इलेक्टेड पीसीसी डेलिगेट बनने पर जताया आभार

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के लिए चुनाव कार्यक्रम जारी होने के बाद अब हरियाणा पीसीसी सदस्य के नाम भी तय हो गए हैं। इसी कड़ी में बल्लभगढ़ विधानसभा क्षेत्र के वरिष्ठ कांग्रेस नेता मनोज अग्रवाल की धर्मपत्नी व महिला कांग्रेस की प्रदेश सचिव प्रियंका अग्रवाल को बल्लभगढ़ ब्लॉक से हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी का इलेक्टेड डेलिगेट नियुक्त किया गया है।

प्रियंका अग्रवाल ने अपनी इस महत्वपूर्ण नियुक्ति पर अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष सोनिया गांधी, कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस कार्यसमिति की सदस्य कुमारी सैलजा, हरियणा कांग्रेस अध्यक्ष उदयभान, महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष नेट्टा डिसूज़ा, महिला कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष सुधा भारद्वाज सहित समस्त शीर्ष नेतृत्व का आभार जताते हुए कहा की वो पार्टी द्वारा दी गई इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा के साथ निभाने का काम करेंगी। प्रियंका अग्रवाल की इस नियुक्ति पर पूरे बल्लभगढ़ विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेसजनों में हर्ष का माहौल है। विशेष

कांग्रेस नेत्री कुमारी सैलजा का बल्लभगढ़ ब्लाक से इलेक्टेड पीसीसी डेलिगेट नियुक्त करने पर आभार प्रकट करते प्रिंयका अग्रवाल व कांग्रेसी नेता मनोज अग्रवाल।

तौर पर वैश्य समाज ने उनकी इस नियुक्ति पर कांग्रेस आलाकमान का आभार जताया है। इसी कड़ी में अग्रवाल वैश्य समाज के बल्लभगढ़ अध्यक्ष रमेश अग्रवाल ने कहा की जिस प्रकार से जिले के पीसीसी डेलीगेट में वैश्य नेता के रूप में केवल मात्र मनोज अग्रवाल की धर्मपत्नी प्रियंका अग्रवाल को शामिल किया गया है, उसके बाद यह तय हो गया है कि कांग्रेस के अनुसार जिले में केवल मनोज अग्रवाल ही एकमात्र वैश्य समाज के सर्वमान्य नेता हैं। कांग्रेस पार्टी में अधिकृत रूप से वैश्य समाज के नेता चुने जाने पर भाई मनोज अग्रवाल को बल्लभगढ़ वासियों की ओर से हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं दीं।

संक्षिप्त समाचार

पेयजल कनेक्शन को पीपीपी से लिंक करना जरूरी

गांव जखौली वासियों को जल कनेक्शनों को पीपीपी से लिंक की जानकारी देते हुए जिला सलाहकार दीपक कुमार।

फरीदाबाद। सोमवार को जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के वासो के जिला सलाहकार दीपक कुमार ने राजौंद खंड के गांव जखौली में ग्राम वासियों को बताया कि जिला कैथल में ग्रामीण क्षेत्र के जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के विश्वास पोर्टल पर 1 लाख 37 हजार 455 कनेक्शन स्वीकृत है, जिनमें से 51 हजार 647 कनेक्शन परिवार पहचान पत्र से ऑटोमेटिक लिंक किए जा चुके हैं। 85 हजार 808 पेयजल कनेक्शन परिवार पहचान पत्र से लिंक करना शेष था। 17 जून 2022 से विभाग द्वारा घर-घर जाकर पेयजल कनेक्शन को पीपीपी से लिंक करने का काम किया गया। जिसके तहत अब तक 80979 पेयजल कनेक्शनों को पीपीपी किया जा चुका है। कैथल में 20797, गुहला में 11604, पुंडरी में 11268, कलायत में 9126, सीवन में 9076, ढांड में 11450, तो वहीं राजौंद में 7658 पेयजल कनेक्शनों को पीपीपी से लिंक किया जा चुका है।

शिक्षा अधिकारी को पद से हटाने के लिए सौंपा ज्ञापन

फरीदाबाद। आम आदमी पार्टी के सदस्यों ने कमल सिंह तंवर एडवोकेट के आह्वान पर उपायुक्त फरीदाबाद को फरीदाबाद जिले की जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती मुनेश चौधरी को उनके पद से हटाने के लिए ज्ञापन दिया, ताकि भ्रष्टाचार के मामले में उचित जांच हो सके। क्योंकि मुनेश चौधरी जिला शिक्षा अधिकारी के खिलाफ लगभग 26 लाख रुपये के भ्रष्टाचार के मामले में अदालत के आदेश पर मुकदमा दर्ज हुआ है। भ्रष्टाचार के मुद्दे को लेकर एडवोकेट विनीत गोस्वामी पिछले कई दिनों से भूख हड़ताल पर बैठे हुए हैं, उन्हीं को समर्थन करने के लिए आम आदमी पार्टी के जिलाध्यक्ष धर्मवीर भड़ाना, आम आदमी पार्टी व्यापार प्रकोष्ठ के साउथ जोन प्रभारी अमन गोयल, आम आदमी पार्टी प्रवासी प्रकोष्ठ के जोनल अधिकारी संतोष यादव, आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ सदस्य राजेंद्र शर्मा, आम आदमी पार्टी के किसान सेल के जिलाध्यक्ष खेमी ठाकुर, आशा तोमर, इंद्रजीत चौहान, तुलसी चौहान आदि अनेकों आम आदमी पार्टी कार्यकर्ताओं और विभिन्न समाजसेवियों ने इस धरने में शामिल होकर भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाई और उपायुक्त फरीदाबाद को ज्ञापन दिया, जिस पर उपायुक्त ने शीघ्र कार्यवाही करने का भरोसा दिया।

तीन साल से फरार पांच हजार का इनामी गो तस्कर गिरफ्तार

फरीदाबाद। डीसीपी क्राइम मुकेश मल्होत्रा ने शहर में अपराध पर अंकुश लगाने के लिए अपराधिक मामलों में संलिप्त आरोपियों की धरपकड़ के दिए गए दिशा निर्देश कार्रवाई करते हुए क्राइम ब्रांच 56 प्रभारी राकेश कुमार की टीम ने वर्ष 2019 के गोकशी के मुकदमे में 3 साल से फरार चल रहे पीओ को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपी का नाम जाहिद है, जो पलवल के गंडी मोहल्ला का रहने वाला है। आरोपी व उसके 5 अन्य साथियों के खिलाफ वर्ष 2019 में गौकशी, अवैध हथियार, लापरवाही से गाड़ी चलाकर पुलिसकर्मियों को गंभीर चोट पहुंचाने की धाराओं के तहत सराय ख्वाजा थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। जिसमें आरोपियों ने गौकशी के दौरान पुलिस द्वारा चेकिंग के लिए रोकने पर उन्हें जान से मारने की नियत से गाड़ी चलाकर उन्हें गंभीर चोट पहुंचाई थी और अवैध हथियारों के साथ पुलिस पर हमला भी किया था। आरोपी इस मामले में फरार चल रहा था। जिसे अदालत द्वारा अप्रैल 2022 को पुलिस पीओ घोषित किया गया था। आरोपी पर मुकदमे में 5000 का इनाम भी घोषित किया गया था जिसे क्राइम ब्रांच की टीम ने गुप्त सूत्रों की सूचना के आधार पर कल गिरफ्तार कर लिया।

यातायात पुलिस ने स्कूली बच्चों को पढ़ाया नियमों के पाठ

फरीदाबाद। डीसीपी ट्रैफिक नीतीश कुमार अग्रवाल के दिशा निर्देश के तहत कार्रवाई करते हुए ट्रैफिक एसएचओ दर्पण कुमार की टीम ने समयपुर स्थित राजकीय उच्च विद्यालय पहुंचकर छात्र छात्राओं को ट्रैफिक नियमों, सड़क सुरक्षा व अन्य सामाजिक मुद्दों के बारे में जागरुक करने का सराहनीय कार्य किया है। पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने बताया कि डीसीपी ट्रैफिक नीतीश कुमार अग्रवाल ने नागरिकों को सड़क सुरक्षा के बारे में जागरूक करने के लिए ट्रैफिक पुलिस को अहम दिशा निर्देश दिए थे जिसके तहत यातायात पुलिस स्कूल कॉलेज में पढ़ने वाले छात्र छात्राओं को यातायात नियमों तथा सड़क सुरक्षा संबंधित जागरुकता अभियान चला रही है। स्कूल प्रिंसिपल राजकुमार ने ट्रैफिक पुलिसकर्मियों का अभिनंदन करते हुए उन्हें बच्चों को जागरूक करने के लिए स्टेज पर आमंत्रित किया। कहा, ट्रैफिक नियमों का पालन करें तथा सड़क सुरक्षा पर यात्रा करते समय सड़क सुरक्षा का विशेष ध्यान रखें। ढाबों पर कुछ ढाबा मालिक बच्चों का उनकी मर्जी के खिलाफ बहुत अधिक शोषण करते हैं। यदि छात्रों को कोई भी बच्चा शोषण का शिकार मिले तो वह इसकी सूचना चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 पर दें। इसके अलावा वह पुलिस को 112 पर भी सूचना दे सकते हैं पुलिस द्वारा उनकी तुरंत मदद की जाएगी।

पीएम के जन्मोत्सव पखवाड़े में दिव्यांग बच्चों का जाना हाल

फरीदाबाद। भारत सरकार के भारी उद्योग एवं उर्जा विभाग के केन्द्रीय राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने सोमवार को सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार आजादी के अमृत महोत्सव की श्रृंखला में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मोत्सव पखवाड़ा के तहत फरीदाबाद में गांव भूपानी स्तिथ श्री हरि कुटुम्भ अनाथ आश्रम का निरीक्षण किया। गुर्जर ने प्रभात एन अवेकिंग एनजीओ द्वारा दिव्यांग बच्चों की देखरेख के कार्य की सराहना की। उन्होंने बच्चों को उपहार तथा खाना भी बांटा। उन्होंने एनजीओ के सदस्यों को आश्वासन दिया कि सरकार इन बच्चों के जीवन यापन के लिए आवश्यक सभी वस्तुओं के लिए हर सम्भव मदद करेगी। वहीं प्रभात एन अवेकिंग एनजीओ के संस्थापक सुनील नायर ने बताया कि श्रीहरि कुटुम्भ आश्रम 21 जुलाई 2010 से हरियाणा में बेसहारा मन्दबुद्धि बच्चों की देख रेख का कार्य कर रहे है। यहां पर उन दिव्यांग बच्चों को रखा जाता है। प्रभात एन अवेकिंग एनजीओ द्वारा इन बच्चों की देखरेख की जाती है उनके लिए अच्छा भोजन, कपड़े, दवाइयां, पढ़ाई और स्थायी घर की सुविधा एनजीओ द्वारा दी जाती है। यहां बच्चें पढ़ाई के साथ साथ डांस और खेल की एक्टिविटी में भाग लेते है। इस अवसर पर प्रभात एन अवेकिंग एनजीओ के अध्यक्ष अंकित, प्रबंधक काकोली मुखर्जी, प्रभारी संचित, विनय, संजू चपराना सहित अनेकों गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

घरों में जाकर बच्चों को पिलाई पोलियो ड्राप्स

फरीदाबाद। डीसी विक्रम ने कहा कि आज सोमवार को जिला के जीरो से पांच साल बच्चों को टीमों ने 368333 घरों पर प्लस पोलियो ड्राप्स पिलाई गई। जिला में कुल 358043 बच्चों को पोलियो ड्राप्स पिलाई जानी है। जिला उपायुक्त ने बताया कि पोलियो ड्राप्स अभियान के पुख्ता इंतजाम करके 0 से 5 साल तक आयु के 179750 बच्चों को पोलियो ड्राप्स पिलाकर शुरू की थी। डीसी ने कहा कि सोमवार को जीरो से 5 साल के बच्चों को 368333 घरों पर बच्चों को पोलियो ड्राप पिलाई गई है। आज स्वास्थ्य विभाग और शिक्षा विभाग की वालिंटियर टीमें घर-घर जाकर बच्चों को पोलियो ड्राप्स पिलाई गई।

चीतों का आगमन

कांग्रेस की बयानबाजी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आलोचना करने के उद्देश्य से वरिष्ठ कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने 'चीता परियोजना' के बारे में 2009 का एक पत्र ढूंढ निकाला है। उस समय कांग्रेस नीत संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन-संप्रग सरकार सत्ता में थी और जयराम रमेश उसमें पर्यावरण व वन के स्वतंत्र प्रभार वाले राज्यमंत्री थे। उन्होंने 2009 में वाइल्डलाइफ ट्रस्ट आफ इंडिया को एक पत्र लिख कर 'चीता परियोजना' को हरी झंडी दिखाई थी। रमेश ने वाइल्डलाइफ ट्रस्ट आफ इंडिया के डा. एम.के. रनजीत सिंह से प्रार्थना की थी कि वे 'चीतों को पुन: वापस लाने के बारे में विस्तृत रोडमैप तैयार करें जिसमें विभिन्न संभावित स्थलों का विस्तृत विश्लेषण शामिल होना चाहिए।' जयराम रमेश ने सोचा होगा कि दुनिया को इस पत्र के बारे में बताने से देश की सबसे पुरानी पार्टी को मोदी सरकार तथा भारतीय जनता पार्टी से मुकाबला करने में आसानी होगी। लेकिन वे गलत सोच रहे हैं। सरकार तथा भाजपा को ऐसी लड़ाई में आनन्द आएगा क्योंकि इससे उनको सत्तारूढ़ अवस्थापना की बड़ी विफलताओं से जनता का ध्यान हटाने में सहायता मिल सकती है। इनमें बेरोजगारी, मुद्रास्फीति तथा मानवाधिकारों व नागरिक स्वतंत्रताओं की दयनीय स्थिति शामिल हैं। यही कारण है कि भाजपा लगातार ऐसे मुद्दों पर ध्यान आकर्षित करने का प्रयास करती है जो बहुत अधिक महत्वपूर्ण न हों। इनमें

नकदी-विहीन अर्थव्यवस्था व औपचारीकरण तथा ज्ञानवापी मस्जिद जैसे मुद्दे शामिल हैं। भाजपा नेताओं को इतिहास व खासकर मध्ययुगीन इतिहास पर चर्चा करना पसंद है। वे बताते हैं कि उस युग में हिंदुओं पर कितना अत्याचार ढाया गया था। वे ब्रिटिश राज के प्रतीकों व निशानियों को समाप्त करने का भी प्रयास कर रहे हैं। संक्षेप में कहा जाए तो वे उन सभी चीजों पर चर्चा करना चाहते हैं जिनसे जनता का ध्यान बेरोजगारी व महंगाई जैसे असली मुद्दों से हट सके।

असली मुद्दों पर ध्यान आकर्षित करने के बजाय देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस सरकार और भाजपा द्वारा किए जाने वाले आयोजनों से भ्रमित हो जाती है। इसके साथ ही कांग्रेस नेताओं में भाजपा प्रवक्ताओं द्वारा दिए हर बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त करने की प्रवृत्ति पाई जाती है। लेकिन वास्तव में इस प्रक्रिया में भाजपा ही एजेंडा निर्धारित करने लगती है और कांग्रेस केवल इस पर प्रतिक्रिया देने तक सिमट कर रह जाती है। इसका अर्थ एक प्रकार से भाजपा द्वारा निर्धारित नियमों के अनुसार खेल में शामिल होना है। कांग्रेस समर्थकों का दुर्भाग्य है कि ऐसा लंबे समय से हो रहा है। राजीव गांधी सरकार ने शाहबानो मामले में विनाशकारी फैसले से हिंदुओं की आहत भावनाओं पर मरहम लगाने के लिए 1986 में अयोध्या में राम मंदिर का ताला खुलवा दिया। जहां शाहबानो पर पार्टी के फैसले से हिंदू आहत हुए थे, वहीं ताला खुलवाने से मुस्लिम आहत हो गए जिसका कांग्रेस को भारी खामियाजा भुगतना पड़ा। कांग्रेस आज भी इस खामियाजे की भरपाई कर रही है। पिछले आम चुनाव के पहले वरिष्ठ कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अपने 'हिंदुत्व' का प्रदर्शन करने का प्रयास किया और स्वयं को जनेऊधारी ब्राह्मण के रूप में पेश किया। लेकिन ये दोनों रणनीतियां विफल हो गईं तथा इनका उल्टा नतीजा सामने आया। इसका कारण सरल था, कांग्रेस ऐसा खेल खेल रही थी जिसके बारे में वह कुछ खास नहीं जानती थी। इसके साथ ही यदि हिंदू अपने विश्वास के आधार पर वोट देते तो वे उस पार्टी को वोट देते जो बिना किसी झिझक के स्वयं को 'हिंदू' कहती है और वह भाजपा है। ऐसा लगता है कि कांग्रेस ने अपनी गलतियों से कोई सबक नहीं सीखे हैं और वह अब भी 'प्रतिक्रिया' के माध्यम से भाजपा का एजेंडा आगे बढ़ा रही है।

जनजातियों की स्थिति असंतोषजनक

क्रिमिनल ट्राइब्स एक्ट, 1871 वापस लेने के बावजूद घुमंतू व डि-नोटीफाइड जनजातियों की स्थिति अभी संतोषजनक नहीं है।

अफ़ज़ल सोफ़ी
(लेखक एक्शन एड से संबद्ध हैं)

औपनिवेशिक भारत में क्रिमिनल ट्राइब्स एक्ट, 1871 के माध्यम से भारत भर के लगभग 200 जनजातीय समुदायों को औपनिवेशिक सरकार ने 'अपराधी' जनजातियां घोषित कर दिया था जो 'आदतन गैर-जमानती अपराधों में लिप्त' थीं। इस कानून के अंतर्गत राज्य ने इन समुदायों के खिलाफ भेदभाव, पृथक्करण व उत्पीड़न के अनेकानेक कदम उठाए। 'क्रिमिनल ट्राइब्स' या अपराधी जनजातियों की तरह वर्गीकृत करने के कारण उनका सामाजिक व आर्थिक हाशियाकरण हुआ। यह ऐसे समय हुआ जब उनकी परंपरागत जीवनशैली व पेशे आधुनिक तकनीक तथा सामाजिक संबंधों के वाणिज्यीकरण के कारण खतरे में फंस गए थे। भारत में औपनिवेशिक ब्रिटिश शासन समाप्त होने के पांच साल बाद 31 अगस्त, 1952 को क्रिमिनल ट्राइब्स एक्ट को वापस ले लिया गया तथा इन समुदायों को 'डि-नोटीफाइड' या वर्गीकरण से बाहर कर दिया गया। इसके बाद से ये समुदाय 31 अगस्त को अपना 'स्वतंत्रता दिवस' या 'विमुक्ति दिवस' मनाते हैं।

लेकिन यह उल्लेख करना भी जरूरी है कि क्रिमिनल ट्राइब्स एक्ट वापस लेना धुमंतू जनजातियों तथा डि-नोटीफाइड जनजातियों-एनटीडीएनटी का दमन तथा इनके ऊपर लगे दाग समाप्त करने के लिए काफी नहीं था। जिस साल स्वतंत्र भारत ने क्रिमिनल ट्राइब्स एक्ट वापस लिया, उसी साल केन्द्र सरकार ने 'हैबीचुअल आफेंडर्स एक्ट' लागू कर दिया और इसके बाद विभिन्न राज्यों में इसी तर्ज पर कानून लागू किए गए। अधिकारियों ने सामान्य रूप से इन कानूनों का प्रयोग एनटीडीएनटी के खिलाफ किया।

इसके परिणामस्वरूप भारत की स्वतंत्रता के 75 वर्ष तथा अपनी 'मुक्ति' के 70 साल बाद भी एनटीडीएनटी समुदाय आज भी भेदभाव तथा उससे जुड़ी आपराधिकता के शिकार हैं। इसके परिणामस्वरूप एनटीडीएनटी समुदाय भारतीय संविधान में उल्लिखित मूलाधिकारों का लाभ नहीं उठा पा रहे हैं। उनके खिलाफ ऐसे असंख्य मामले हैं जिनसे कानून के समक्ष समानता का अधिकार-अनुच्छेद 14 तथा धर्म, नस्ल, जाति, लिंग या जन्म के आधार पर भेदभाव का निषेध-अनुच्छेद 15 का लाभ उनको नहीं मिल पा रहा है। इसके साथ ही एनटीडीएनटी समुदायों को अनुच्छेद 21 के अंतर्गत जीवन व स्वतंत्रता के अधिकार से वंचित किया जा रहा है। एनटीडीएनटी समुदायों की सामाजिक-आर्थिक स्थितियां भी अच्छी नहीं हैं। उनकी पहुंच शिक्षा, स्वास्थ्यरक्षा, आजीविका, आवास, सामाजिक सुरक्षा तथा राजनीतिक प्रक्रिया व शासन में भागीदारी तक नहीं है। इसके अलावा ये समुदाय तथा इनकी महिलायें लगातार उत्पीड़न व हिंसा की शिकार हैं।

हालांकि, अनेक राज्य सरकारों ने कुछ कल्याणकारी कदम उठाए हैं, पर उनकी सीमित समीक्षा, कमजोर प्रकृति तथा क्रियान्वयन में निरंतरता के अभाव से वे एनटीडीएनआई का कष्ट दूर करने में आमतौर से निष्प्रभावी हुए हैं। पारधी समुदाय की पूना, महाराष्ट्र की एक्टिविस्ट सुनीता भोंसले के अनुसार, 'अपनी बस्तियों से मुक्ति पाने के बाद भारत सरकार ने हमारे पुनर्वास की कोई योजना नहीं बनाई। सरकार को हमें खेती तथा अपने घर बनाने के लिए जमीन देनी चाहिए। हालांकि, हमें बिना मूल सुविधाओं के जंगलों में रहने की अनुमति मिली है।' वे पिछले 25 साल से इन समुदायों के लिए संघर्ष कर रही हैं। उन्होंने बताया कि देश में ऐसे 200 समुदायों की सामाजिक-आर्थिक स्थितियां आज भी दयनीय बनी हुई हैं। उन्होंने कहा, 'उनकी पहुंच नौकरियों, आवास, सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्यरक्षा, शिक्षा या राजनीतिक सहभागिता तक नहीं है।

इसके साथ ही इन समुदायों की महिलाओं को हमलों व उत्पीड़न का शिकार होना पड़ता है। देश की स्वतंत्रता के 75 साल बाद आज भी हमें अपने मूलाधिकारों के लिए संघर्ष हेतु रैलियां व विरोध प्रदर्शन करने पड़ते हैं।' सुनीता ने कहा, 'हम सभी 15 अगस्त को देश का स्वतंत्रता दिवस मानते हैं, पर हम अपने समुदायों की मुक्ति दिवस के रूप में 31 अगस्त भी मनाते हैं। समारोही आयोजनों के साथ ही हम अपनी समस्यों को उजागर करने के लिए जागरूकता कार्यक्रम व रैलियां आयोजित करते हैं। हम अपने सरोकारों को स्वर देते हुए सरकार पर दबाव डालते हैं कि वह हमारे पुनर्वास तथा आजीविका बहाली के लिए बजट आबंटित करे।'

ग्रामीण विकास केन्द्र के सदस्य अरुण जाधव बताते हैं कि 31 अगस्त को 'मुक्ति दिवस' के रूप में मनाने का अर्थ समुदायों को संगठित करना है। ग्रामीण विकास केन्द्र महाराष्ट्र के अहमदनगर में बंजारा, पारधी, नंदीवाले व डेबरी गोसावी समुदायों के साथ काम करता है। अरुण बताते हैं, 'वे पहचान पत्रों के अभाव में पहचा संबंधी मुद्दों पर चर्चा करते हैं। अपनी जमीन न होने के कारण उनकी पहुंच खाद्य सुरक्षा व अन्य सामाजिक सुरक्षा लाभों तक नहीं है। परंपरागत पेशों के साथ ही उनकी आजीविकायें निश्चित रूप से खतरे में हैं।' पानीपत, हरियाणा के एक्टिविस्ट राज कुमार बाहोट ने बताया कि जिले में एनटीडीएनटी के अधिकांश लोग सपेरा व बावरिया समुदायों के हैं जो अपने अस्तित्व के लिए मुख्यत: जंगलों पर निर्भर हैं। राज कुमार ने बताया, 'आजीविका के लिए सपेरा समुदाय मुख्यत: सांप पकड़ता है, उनको नृत्य के लिए प्रशिक्षित करता है तथा विभिन्न गांवों में अपने प्रदर्शन करता है। लेकिन सरकार द्वारा ऐसे कामों पर प्रतिबंध लगाने के बाद उनकी आजीविका समाप्त हो गई है।' बावरिया समुदाय जंगलों में मवेशी पालता था, पर जंगलों की भारी कटान के कारण उनकी आजीविका नष्ट हो गई है। राज कुमार के अनुसार अब उनकी बड़ी संख्या कबाड़ इकट्ठा करने का काम करने लगी है। उन्होंने कहा, 'ये दोनों समुदाय बेघर हो गए हैं। उनको कहीं और बसने की अनुमति नहीं है। यदि वे अस्थाई बस्तियां बसाते हैं तो शक्तिशाली ग्रामीणों द्वारा मुकदमे दायर करने के बाद उनको अदालतों से नोटिसें मिलने लगती हैं।' महाराष्ट्र में लोकहित सामाजिक विकास संस्था के प्रमुख बजरंग ने कहा, 'अधिकारों के लिए संघर्ष में हमारे स्वरों में एकजुटता तथा संगठनों के नेटवर्क की जरूरत है। हमें मूलभूत सामाजिक सुरक्षा सेवाओं, स्वामित्व, भूमि अधिकारों, पुनर्वास संबंधी मुद्दों, बच्चों की शिक्षा, रोजगार तथा आजीविका-बहाली संबंधी आवश्यकताओं के लिए अपनी मांगों पर पुन: जोर देना चाहिए।' उन्होंने कहा कि देश के विभिन्न भागों में अधिकारों तथा स्वामित्व की दिशा में बहुत कुछ प्राप्त नहीं हुआ है। अभी एनटीडीएनटी समुदायों को ऊपर उठाने के लिए बहुत कुछ करना बाकी है। सुनीता भोसले ने 'विंचावाचा तेल', यानी बिच्छू का तेल नाम से किताब भी लिखी है।

महाराष्ट्र में एनटीडीएनटी समुदाय के खिलाफ पुलिस अत्याचारों का संदर्भ देते हुए वे बताती हैं, 'देश के किसी भी भाग में हुई आपराधिक घटना पर हम पुलिस के आसान शिकार बन जाते हैं। हमें अक्सर फर्जी मामलों में फंसा कर उत्पीड़ित किया जाता है। देश से अंग्रेज चले गए हैं पर देश की पुलिस अब भी हमारे लिए अंग्रेज है। केवल 2021-22 में मैंने अपने जिले में हिरासत में मौत के 6 मामलों का दस्तावेजीकरण किया है।' अरुण जाधव के अनुसार प्रशिक्षण शिविरों में अब भी पुलिस को एनटीडीएनटी समुदायों से निपटने का प्रशिक्षण दिया जाता है जिसके लिए हैबीचुअल आफेंडर्स एक्ट का प्रयोग किया जाता है। अरुण ने कहा, 'मैंने हत्या, बलात्कार, फर्जी मुठभेड़ व अन्य उत्पीड़नों के अनेक मामलों के दस्तावेज बनाए हैं और उनको राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के समक्ष रखा है। इसलिए हमें अपने अधिकारों की रक्षा व सुरक्षा के लिए कठोर संघर्ष करना होगा।'

आर्थिक प्रगति के लिए व्यापक सुधार आवश्यक

अतुल सहगल
(लेखक प्रबंध परामर्शता एवं आर्थिक मामलों पर टिप्पणीकार हैं)

भारतीय राष्ट्र एक चौराहे पर है। जबकि दुनिया अघोषित आर्थिक मंदी के दौर से गुजर रही है, कोविड -19 से बदतर और जटिल है और अब रूस और यूक्रेन के बीच लंबे युद्ध से, भारत की अर्थव्यवस्था स्थिर है और सबसे तेजी से बढ़ रही है। लेकिन हमारी आर्थिक प्रगति हमारी वास्तविक क्षमता से काफी नीचे है।

भारत प्राकृतिक संसाधनों की दृष्टि से एक प्रतिभाशाली राष्ट्र है, लेकिन अर्थव्यवस्था के विस्फोटक विकास की अंतर्निहित क्षमता आज भी बहुत कम है। हमारी ऊर्ध्व पदानुक्रम नौकरशाही प्रशासन के लिए अब तक सबसे खराब है। यह शोषक है और वरिष्ठ सदस्यों को अधिक अधिकार और कम जवाबदेही देता है। इस प्रकार की नौकरशाही संरचना अंग्रेजों द्वारा भारत को लगातार लूटने के लिए तैयार की गई थी और अफसोस, आजादी के सात दशक बाद भी मौजूदा सरकारों द्वारा इस संरचना का पालन किया जा रहा है। हम निश्चित रूप से अपने सार्वजनिक उपक्रमों से सर्वश्रेष्ठ नहीं देख रहे हैं, जिनकी अर्थव्यवस्था में हिस्सेदारी 15 प्रतिशत है, लेकिन जो छोटे और मध्यम उद्यमों के विकास को महत्वपूर्ण रूप से आगे बढ़ाते हैं। सरकार भी इन उपक्रमों की परिचालन क्षमता को बढ़ाने में असमर्थ रही है-उनके प्रति उदासीन और उदासीन रवैये केकारण, जिसके कारण उनमें से कुछ के विनिवेश की योजनाएं बनीं। यह मोदी सरकार के मौजूदा कार्यकाल के दौरान बार-बार सुनाई देने वाली क्लिच के मद्देनजर हुआ-कि सरकार केपास व्यवसाय करने के लिए कोई व्यवसाय नहीं है।

सरकारों के गलत ढांचे का नतीजा पीएसयू तक ही सीमित नहीं है। वे अपने द्वारा नियंत्रित निजी क्षेत्र केव्यावसायिक घरानों और उनकेद्वारा शासित एसएमई के पूरे समूह में गहराई से प्रवेश कर गए।

सत्तारूढ़ एनडीए क्या कह सकता है, इसकेबावजूद सरकार भी शासन केव्यवसाय में है। और शासन का व्यवसाय पुरुषों, सामग्रियों और धन के प्रबंधन की मांग करता है - ठीक किसी अन्य लाभ-उन्मुख व्यवसाय की तरह।

हां, शासन का व्यवसाय लाभ केंद्रित नहीं है। लेकिन इसके लिए अनिवार्य रूप से उन्हीं तकनीकों और कार्यप्रणाली की आवश्यकता है जो लाभ की व्यावसायिक दुनिया में कार्यरत हैं। इसे अपने उद्देश्यों को अच्छी तरह से पूरा करने केलिए दृढ़ता, ईमानदारी, पारदर्शिता और जवाबदेही की आवश्यकता है। इसे पेशेवर रूप

से सुदृढ़, फुलप्रूफ सिस्टम की जरूरत है जो अनुशासन और दक्षता स्थापित करे। इसके लिए आर्थिक और राजकोषीय अनुशासन की जरूरत है। यह भव्य जन कल्याणकारी योजनाओं और दान के साथ अपने उद्देश्य की पूर्ति नहीं कर सकता है। शासन के धंधे में भी मुफ्त लंच नहीं है। परिवर्तन और सुधार, चाहे कितने ही सुविचारित हों, लाभकारी परिणाम तभी देंगे जब लागू करने वाले कानून और तंत्र उपयुक्त हों। मेक इन इंडिया के लिए एफडीआई और भारतीय निजी क्षेत्र के निवेश को आकर्षित करने में सरकार की विफलता के यही कारण हैं। अफसोस की बात है कि आरएसएस के स्वदेशी बैंडबाजे को छोड़ दिया गया और अमेज़ॅन जैसी विदेशी कंपनियों ने घरेलू खुदरा क्षेत्र को निगलना जारी रखा और बड़ी संख्या में खुदरा दुकानों के शटर बंद कर दिए।

भारत में पुरातन कानूनों और प्रशासन की व्यवस्था की बात करते समय, यह उल्लेख करना आवश्यक होगा कि ये बुनियादी ढांचे की धीमी वृद्धि केकारण भी हैं, जो निजी क्षेत्र द्वारा उसमें खराब निवेश द्वारा चिह्नित हैं। अप्रचलित भूमि अधिग्रहण अधिनियम, भारतीय पुलिस अधिनियम, सिविल सेवा अधिनियम, भारतीय दंड संहिता, आदि को कभी भी एक संप्रभु भारत केहितों की सेवा के लिए नहीं बनाया गया था और इसे बाद में जल्द से जल्द फिर से तैयार करने की आवश्यकता थी।

इसलिए, हमें अब ऐसी स्थायी प्रकृति वाली प्रणाली और प्रक्रियाएं बनानी चाहिए जो अनुशासन स्थापित करें, दक्षता बढ़ाएं और हमारे नेक इरादे वाले बदलावों के परिणाम प्रस्तुत करें। ऐसी प्रणालियों और प्रक्रियाओं को केवल देश के उचित कानूनों की नींव पर ही बनाया जा सकता है, जो बदले में, लोकलुभावनवाद और राजनीतिक औचित्य की उपेक्षा के साथ ध्वनि आर्थिक सिद्धांतों पर आधारित होते हैं। जैसा कि ऊपर सुझाव दिया गया है, संरचनात्मक और प्रशासनिक प्रणाली में परिवर्तन स्वदेशी विनिर्माण को काफी बढ़ावा देंगे जो आर्थिक विकास का इंजन है। वे तेजी से सकल घरेलू उत्पाद में विनिर्माण केभारत के हिस्से को बढ़ाएंगे जो पिछले 10 वर्षों में 15 प्रतिशत की दर से गिर रहा है।

एक आर्थिक प्रतिस्पर्धी के रूप में चीन के साथ व्यवहार करते हुए, यह स्पष्ट रूप से समझा जाना चाहिए कि आज चीन में माल और श्रम की औसत लागत भारत की तुलना में 6 गुना बढ़ गई है। चीनी सरकार की कार्रवाइयों ने एक बड़ा गुब्बारा ऋण संकट पैदा कर दिया है जो एक बहुत बड़ा विकास है। भारत आज चीन की तुलना में अपनी विनिर्माण लागत प्रतिस्पर्धात्मकता के संबंध में एक लाभप्रद स्थिति में है। यह भारत को एक अवसर प्रदान करता है.. इसके लिए इससे बेहतर समय कभी नहीं था।

विभिन्न क्षेत्रों में भारत की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए कई रणनीतिक कदम सुझाए जा सकते हैं। आयुर्वेद की हमारी पारंपरिक स्वास्थ्य प्रणाली में मूल्य वर्धित खाद्य और कृषि वस्तुओं में निवेश, और पर्यटन हमें वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में उनकी क्षमता को देखते हुए समृद्ध लाभांश का भुगतान करेगा।

लेकिन सारा लब्बोलुआब यह है कि हमें अपने प्रशासन और न्यायपालिका की व्यवस्था में सुधार करना चाहिए, जो ऊपर बताए गए कट्टरपंथी संवैधानिक सुधारों के अनुरूप हैं। इस तरह केपरिवर्तनों केसाथ, हम एक नए भारत को तेजी से उभरेंगे जो प्रमुख आर्थिक महाशक्ति होगा-और वैश्विक इतिहास में पहली बार नहीं।

आप की बात

अशोभनीय घटनाएं

चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी के गर्ल्स हॉस्टल में छात्रा द्वारा ही छात्राओं का अश्लील वीडियों बनाना और अपने ही छात्र मित्र को भेजकर वायरल करवा देना जैसी घटना ने विश्वविद्यालय की छबि को धूमिल ही नहीं किया बल्कि शर्मसार भी कर दिया। घटना की बारीकी से पुलिस प्रशासन जांच कर रहा है। हकीकत बाद में आएगी। परन्तु कहीं न कहीं विश्वविद्यालयीन प्रशासन की ढिलाई या लापरवाही भी हो सकती है. यह बात सच है कि इस तकनीकि युग में कैसे रोक लगाई जा सके नई तकनीक के दुरुपयोग पर? इस पर विश्वविद्यालय और सरकार को विचार करना चाहिए। छात्र-छात्राएं विद्या के मंदिर को मंदिर ही रहने दें, अश्लीलता का अखाड़ा न बनने दें। विश्वविद्यालय और स्थानीय प्रशासन समय-समय पर सरप्राइज चेकिंग करे साथ ही बाहरी लोगों पर भी सख्ती से निगरानी रखे. ताकि किसी भी तरह की अशोभनीय घटना की पुनरावृत्ति न होने पाए। केवल चंडीगढ़ ही नहीं देश के एजुकेशन हब के शहरों में भी वहां के विश्वविद्यालय प्रशासन और पुलिस प्रशासन को सरकारी/गैरसरकारी हॉस्टल एरिया का समय-समय पर निरीक्षण करने की नीति बनानी चाहिए।

- **शकुंतला महेश नेनावा**, इंदौर

आरक्षण बनाम प्रतिभा

सुप्रीम कोर्ट में आर्थिक रूप से गरीबों के लिए दिए गए 10 प्रतिशत आरक्षण को चुनौती दी गई है! चुनौती देने वालों का कहना है कि हमारे संविधान में ऐसी कोई व्यवस्था नहीं है! सिर्फ जातिगत आरक्षण ही दिया जा सकता है! 72 वर्ष पूर्व बनाया गया हमारा संविधान जिसमें मात्र 10 वर्ष के लिए जातिगत आरक्षण की व्यवस्था की गई थी उसमें 8 बार संविधान संशोधन करके 10 साल के लिए बढ़ाए जाने पर किसी को आपत्ति नहीं हो रही। और जिन्होंने आरक्षण पाया वे आज धनवान व क्रीमी लेयर बन गए। जब देश का राष्ट्रपति तक आरक्षित वर्ग से चुन लिया गया तो अब जातिगत आरक्षण वालों को कब तक बैसाखी का सहारा दिया जा कर सामान गरीब वर्ग का शोषण किया जाता रहेगा? और जब तक देश में जातिगत आरक्षण है तब तक देश में जाति को खत्म नहीं किया जा सकेगा! देश की सर्वोच्च प्रतिभा आरक्षण के कारण विदेशों में जाकर अपनी सेवाएं देने को मजबूर हैं! वहीं आरक्षित वर्ग कमतर योग्यता वाले डॉक्टर इंजीनियर व अधिकारी कैसे भारत को विश्व गुरु के मार्ग पर अग्रसर कर पाए पाएंगे? बेहतर हो कि अब वोटों की घटिया राजनीति छोड़ कर सभी तरह के सभी आरक्षण खत्म करके सिर्फ प्रतिभा के आधार पर योग्य उम्मीदवारों का चयन हो!

- **सुभाष बुड़ावनवाला**, रतलाम

शर्मनाक घटना

यह आज से नहीं आदि काल से कहा जा रहा है कि औरत ही औरत की सबसे बड़ी दुश्मन होती है । यह चंडीगढ़ विश्वविद्यालय में छात्राओं के नहाते हुए वायरल वीडियो से चरितार्थ हुआ है । आरोपी छात्रा ने यह वीडियो बनाकर शर्मसार करने वाला शर्मनाक कृत्य किया है। जबकि हमारे देश में महिलाओं को ना केवल पूजा जाता है, बल्कि अधिसंख्य व्रत/ उपवास इन के नाम पर किए जाते हैं । क्योंकि महिलाओं को आदि शक्ति माना जाता है, इनके हृदय में दया, ममता, संवेदनाएं पुरुषों के बनिस्बत सबसे ज्यादा होती है। इतना ज्यादा दुख नहीं होता कि अगर कोई छात्र /पुरुष ऐसा कृत्य करता । अब तो कई घटनाएं ऐसी होती है, जिसमें महिलाएं स्वयं अंजाम देती है, महिला को लजाती है । आखिर उच्च शिक्षा ग्रहण करने वाली छात्राओं को तो अपने गिरेबान में झांक लेना चाहिए था कि वह जो अक्षम्य कृत्य करने जा रही है, उसके पहले वह स्वयं महिला है। उक्त महिला छात्रा को कड़ी से कड़ी सजा मिलना ही चाहिए, ताकि अन्य महिला छात्रा को नसीहत मिले की वह ऐसा कदम उठाने से पहले सौ बार सोचे।

- **हेमा हरि उपाध्याय**, उज्जैन

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से responsemail.hindipioneer@gmail.com पर भी भेज सकते है।

फरमाया

यदि भाजपा का स्टिंग आपरेशन सच व एक और झूठ नहीं है तो मैं गिरफ्तारी के लिए तैयार हूं।

- **मनीष सिसोदिया**
दिल्ली के उप-मुख्यमंत्री

यूक्रेनी नागरिकों ने एक बार फिर वह कर दिखाया है जिसे बहुत से लोग असंभव मानते थे।

- **व्लोदिमिर जेलेन्स्की**
यूक्रेन के राष्ट्रपति

अकेले ममता बनर्जी बंगाल में भाजपा के उभार की जिम्मेदार हैं। केरल में इसका जिम्मेदार वामपंथ है।

- **जयराम रमेश**
कांग्रेस महासचिव

अरविन्द गिरि सदैव जनकल्याण के लिए समर्पित रहे: योगी

दिवंगत सदस्य अरविन्द गिरि को श्रंद्धाजलि देकर आज 11 बजे तक स्थगित हुई विधानसभा की कार्यवाही

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

विधान सभा में वर्तमान विधान सभा के सदस्य अरविन्द गिरि के निधन को लेकर शोक प्रस्ताव पास करके सोमवार को विधानसभा का मानसून सत्र पहले दिन मंगलवार 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अलावा पक्ष और विपक्ष के सभी दलों के सभी प्रमुख नेताओं ने अपनी अपनी शोक संवेदना व्यक्त की। इसके बाद विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने 2 मिनट का मौन रखा। उन्होंने सदन की कार्यवाही को मंगलवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया। पैदल मार्च निकाल रहे समाजवादी पार्टी के विधायकों को सपा मुख्यालय पर रोक दिए जाने के कारण वे सदन में सम्मिलित नहीं हो सके। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दिवंगत आत्मा की शान्ति की कामना करते हुए उनके परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने कहा कि 6 सितम्बर को लगभग 64 वर्ष की अवस्था में अरविन्द गिरि का निधन हो गया। उनका असमय निधन सभी के लिए दु:ख का क्षण है। श्री गिरि विधानसभा के वरिष्ठ सदस्य थे। उनका राजनीति एवं संसदीय क्षेत्र में दीर्घ अनुभव था। वर्तमान विधान सभा में वे 5वीं बार सदस्य के रूप में निर्वाचित हुए थे। श्री गिरि सर्वप्रथम वर्ष 1996 में तथा पुन: वर्ष 2002 व 2007 में जनपद लखीमपुर खीरी की हैदराबाद विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र से निर्वाचित हुए थे। तत्पश्चात वर्ष 2017 एवं वर्ष 2022 में वे गोला गोकर्ण नाथ विधान सभा क्षेत्र से विधान सभा सदस्य निर्वाचित हुए। मुख्यमंत्री ने कहा कि गिरि वर्तमान विधान सभा के अधिष्ठाता मण्डल एवं विधान सभा की महत्वपूर्ण समितियों के सदस्य थे। श्री गिरि अपने क्षेत्र के लोकप्रिय नेता थे। समाज के गरीब, वंचित तथा पिछड़े वर्गों के उत्थान और ग्रामीण क्षेत्र में शिक्षा के प्रसार के लिए उन्होंने अनेक कार्य किये। सामाजिक कार्यों व शैक्षणिक संस्थाओं के निर्माण में उनकी विशेष रूचि थी। वे विभिन्न शिक्षण संस्थाओं के संचालक भी रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री गिरि राजनैतिक एवं सामाजिक आन्दोलनों के अन्तर्गत जिला कारागार लखीमपुर खीरी, शाहजहांपुर, लखनऊ में बन्दी रहे। वे गोला गोकर्णनाथ नगर पालिका के अध्यक्ष भी रहे। श्री गिरि एक कुशल राजनीतिज्ञ सामाजिक कार्यकर्ता लोकप्रिय जनप्रतिनिधि के रूप में अपने क्षेत्र के विकास और जनकल्याण के लिए सदैव समर्पित रहे।

विधायकगण के लिए स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का सीएम ने किया शुभारम्भ

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को विधान भवन परिसर में विधायकगणों के लिए आयोजित स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का शुभारम्भ किया और शिविर का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सुविधाओं के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की। इस मौके पर 226 माननीयों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। यह स्वास्थ्य परीक्षण सिविल अस्पताल के संयोजन में हुआ। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने भी अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराया। मुख्यमंत्री का ब्लड प्रेशर चेक किया गया। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना सहित जनप्रतिनिधिगण व शासन-प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

महिलाओं के प्रति अपराध करने वालों को सजा दिलाने में सबसे आगे यूपी: केशव

● उच्च सदन में बसपा ने उठाया लखीमपुर खीरी में दो दलित बहनों से रेप व हत्या का मामला

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री और विधान परिषद में नेता सदन केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि उत्तर प्रदेश महिलाओं के प्रति अपराध करनेवालों को सजा दिलवाने में सबसे आगे है। अपराधी उत्तर प्रदेश को छोड़कर भाग रहे हैं। मौर्य सोमवार को विधान परिषद में शून्य प्रहार के दौरान बसपा के भीमराव अम्बेडकर की ओर से उठाए गए लखीमपुर मामले का जवाब दे रहे थे। अम्बेडकर ने कार्यस्थगन के रूप में इस मामले को उठाते हुए बताया कि बीती 14 सितम्बर को लखीमपुर खीरी के थाना क्षेत्र निघासन के ग्राम तमोलिन के पुरवा में अनुसूचित जाति की दो नाबालिग बच्चियों के साथ दुष्कर्म के बाद उनकी हत्या कर दी गई। सूचना की ग्राह्यता पर विचार व्यक्त करते हुए उन्होंने स्थानीय पुलिस और अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि पुलिस अधिकारियों ने पहले घटना को प्रेमप्रसंग में बदलना चाहा लेकिन दबाव पड़ने पर जांच सही दिखा में की गयी। क्या सरकार ऐसे अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करेगी।

नेता सदन ने केशव प्रसाद मौर्य ने सदन को अवगत कराया कि लखीमपुर खीरी मामले में छह अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया गया है। 8.25 लाख रुपए की आर्थिक मदद पीड़ित परिवार को दी जा रही है। जांच के लिए एसआईटी का गठन किया गया है। वहीं सीमावर्ती जिलों में इस तरह के मामलों की जांच कराएंगे। मौर्य ने कहा कि पुलिस ने यदि किसी से दुर्व्यवहार किया है तो इसकी जांच भी होगी। उन्होंने कहा कि यूपी में महिला अपराधों को लेकर सतर्क है और अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई हो रही है। यूपी में सजा दिलवाने का औसत 59.1 फीसदी है। यह राष्ट्रीय औसत से दोगुने से ज्यादा है। यूपी में 7713 मामलों में सजा दिलवाई गई।

शिक्षक दल के सुरेश कुमार त्रिपाठी एवं ध्रुव कुमार त्रिपाठी ने प्रदेश के माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत वित्तविहीन शिक्षकों को समान कार्य के लिए समान वेतन न दिए जाने एवं सेवा शर्तों लागू न किए जाने का मामला कार्य स्थगन के रूप में उठाया।

सदस्यों ने कहा वैश्विक महामारी कोरोना के कालखण्ड में भी सरकार ने सभी वर्गों को कुछ न कुछ सहायता दी लेकिन वित्तविहीन विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों को आपदाकाल में भी कोई सहायता नहीं दी गयी जो दुर्भाग्यपूर्ण है। सरकार का पक्ष रखते हुए नेता सदन और उपमुख्यमंत्री केशव मौर्या ने तथ्यों से सदन को अवगत कराया। निर्दलीय समूह के राजबहादुर सिंह चन्देल एवं डा. आकाश अग्रवाल ने प्रदेश के वित्तविहीन विद्यालयों के शिक्षकों को 15000 रुपए प्रतिमाह का भुगतान सरकार द्वारा आरटीजीएस के माध्यम से सीधे उनके खातों में भेजे जाने का मामला कार्य स्थगन के रूप में उठाया। डॉ. आकाश अग्रवाल एवं राजबहादुर सिंह चन्देल ने अपने विचार व्यक्त किए। नेता सदन ने सदन को तथ्यों से अवगत कराया।

विधान परिषद की कार्यवाही भी पूरी तरह हुई डिजिटल

लखनऊ। विधान परिषद का मानसून सत्र सोमवार से प्रारंभ हुआ। विधानसभा की भांति ही विधान परिषद की कार्यवाही भी डिजिटल योजना के माध्यम से शुरू हुई। इसके लिए सभी सदस्यों की मेज को पेपर लेस करते हुए टैबलेट लगाए गए थे।

विधान परिषद की कार्यवाही सभापति कुंवर मानवेन्द्र सिंह के सभापतित्व में वन्देमातरम से हुयी। इसके बाद सभापति ने कार्य परामर्शदात्री समति की संस्तुतियों को सदन में तिथिवार प्रस्तुत किया।

विधान परिषद में सोमवार को प्रश्न पहर में शिक्षक दल के विधायक ध्रुव कुमार त्रिपाठी ने विकास नगर स्थित सेक्टर छह के पार्क के पीछे बने टॉवर के अवैध कब्जे को लेकर दो अलग-अलग विभागों से प्रश्न कर सरकार को घेरने की कोशिश की। सभापति कुंवर मानवेन्द्र सिंह ने नेता सदन को मामले को देखने का निर्देश दिया। उन्होंने नगर विकास और ऊर्जा विभाग से अलग-अलग प्रश्नों में पूछा कि सेक्टर के पार्क के पीछे स्थित 6/347 के पास 250 वर्ग फुट पर टॉवर लगाया गया है। क्या यह कब्जा व टॉवर वैध है। जिस पर नगर विकास मंत्री एके शर्मा ने जवाब दिया कि यह टॉवर 6/647 के सामने लगता था लेकिन 347 और 647 नंबर आसपास होने के कारण यह गलत जगह लग गया है। इसे हटाया जा रहा है। उन्होंने यही प्रश्न ऊर्जा विभाग से भी पूछा है कि किस आधार पर इसे बिजली का कनेक्शन दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि यह विभागीय अधिकारियों की मिलीभगत से गलत जगह लगाया गया है। ऐसा कैसे संभव है कि दोनों ही विभागों से एक ही तरह की गलती हो। बसपा विधायक भीमराव अम्बेडकर ने लखनऊ में पुरानी पद्धति पर संचालित ईंट भट्ठों की सूचना मांगी जिस पर सरकार के जवाब से वह संतुष्ट नहीं हुए। उन्होंने कहा कि सरकार एक भी ऐसे भट्ठे होने की बात नहीं कर रही जबकि अवध चौराहे से दुबग्गा तक कई ऐसे ईंट भट्ठे हैं। इस पर सभापति ने सरकार को इसकी जांच करवाने के निर्देश दिए।

तीन पूर्व सदस्यों के निधन पर शोक व्यक्त किया

विधान परिषद के सभापति मानवेन्द्र सिंह ने परिषद के पूर्व सदस्य व पूर्व राज्यपाल सैयद सिब्ते रजी, सतीश चन्द्र और राम नरेश रावत के निधन पर शोक व्यक्त किया। सभापति ने शोक सूचना पढ़ी और सदन ने आत्माओं की शांति के लिए कुछ क्षण खड़े होकर मौन धारण किया।

विपक्ष के प्रति भाजपा का रवैया अहंकारपूर्ण: मायावती

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा कि विपक्ष के प्रति भाजपा का रवैया द्वेष व अहंकारपूर्ण है। उन्होंने कहा कि सरकार जनहित के प्रति चिंतित नहीं है। यही कारण है कि महंगाई, गरीबी और बेरोजगारी से जूझती जनता के लिए सुधार कार्य नजर नहीं आ रहा है। यूपी विधानसभा के मानसून सत्र को लेकर सोमवार को ट्वीट करते हुए बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा कि यूपी विधानसभा मानसून सत्र से पहले भाजपा का दावा कि प्रतिपक्ष यहां बेरोजगार है, यह इनकी अहंकारी सोच व गैर-जिम्मेदाराना रवैये को उजागर करता है। सरकार की सोच जनहित व जनकल्याण के प्रति इमानदारी एवं वफादारी साबित करने की होनी चाहिए, न कि प्रतिपक्ष के विरूद्ध द्वेषपूर्ण रवैये की। उन्होंने आगे कहा कि यूपी सरकार अगर प्रदेश के समुचित विकास व जनहित के प्रति चिन्तित व गंभीर होती तो उनका यह विपक्ष-विरोधी बयान नहीं आता, बल्कि वे बताते कि जबर्दस्त महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी, गड्ढायुक्त सड़क, बदतर शिक्षा, स्वास्थ्य व कानून व्यवस्था में नजर आने वाला सुधार किया है व पलायन भी रोका है।

यूपी बोर्ड की मान्यता की नई शर्तों का विरोध करते हुए वेल में धरने पर बैठे सपा सदस्य

समाजवादी सदस्यों ने की नई शर्तों को वापस लिए जाने की मांग

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

विधान परिषद की कार्यवाही

मानसून सत्र के पहले ही दिन विधान परिषद में शून्यकाल के दौरान यूपी बोर्ड की मान्यता की नई शर्तों के मुद्दे पर हंगामा हुआ। सपा सदस्यों ने नई शर्तों का विरोध करते हुए इसे वापस लिए जाने की मांग की। उनका कहना था कि संशोधन प्रस्ताव के जरिए शिक्षा पूंजीवाद के हवाले जाती दिख रही है। नेता सदन केशव प्रसाद मौर्य ने सभी आरोपों का खारिज करते हुए कहा कि सरकार की मंशा रही है कि शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार हो। सरकार के जवाब में असंतुष्ट सपा के सदस्य शिक्षा विरोधी यह सरकार नहीं चलेगी के नारे लगाते हुए वेल में धरने पर बैठ गए। सभापति और शिक्षक दल के सदस्यों के अनुरोध पर सदस्य वापस अपने-अपने स्थान पर गए।

शून्य प्रहर में ही समाजवादी पार्टी के सदस्य लाल बिहारी यादव, आशुतोष सिन्हा और डॉ. मानसिंह यादव एवं अन्य सदस्यों ने माध्यमिक विद्यालयों के प्रबन्धकों व शिक्षकों पर 23 अगस्त 2022 को मान्यताओं की शर्तों में सचिव माध्यमिक शिक्षा परिषद प्रयागराज द्वारा किए गए संशोधन प्रस्ताव का मामला कार्यस्थगन के रूप में उठाया। सूचना की ग्राह्यता पर सपा के आसुतोष सिन्हा ने कहा संशोधन प्रस्ताव के जरिए शिक्षा पूंजीवाद के हवाले जाती दिख रही है। डॉ. मान सिंह यादव ने कहा सरकार वित्तविहीन शिक्षकों की कोई मदद नहीं कर रही बल्कि वह शिक्षा व्यवस्था में ऐसी व्यवस्था कर रही है कि शिक्षा व्यवस्था को कम्पनियां चलाएं। सरकार शिक्षा के प्रति गंभीर हो। लाल बिहारी यादव ने कहा कि शिक्षा अब पूरी तरह से मध्यमवर्गीय और समाजसेवियों के हाथों से छीनकर सरकार पूंजीपतियों के हाथों में देना चाहती है। शिक्षा का व्यवसायीकरण करने जा रही है। शिक्षा का बाजारीकरण से रोका जाए।

नेता सदन और उपमुख्यमंत्री केशव मौर्या ने विपक्ष की बात को खारिज करते हुए कहा कि सरकार चाहती है कि शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार हो। परीक्षा नकलविहीन हो और परीक्षा केन्द्रों का दुरूपयोग न हो। हम शिक्षा में बहुउद्देश्यीय सुधार चाहते है जिससे प्रदेश, देश ही में नहीं बल्कि दुनिया की किसी भी प्रतियोगी परीक्षा में प्रदेश का नाम कमाए। कहा कि सपा विधायकों के उठाए गए सवाल निराधार है। यह केवल ड्राफ्ट है और इस पर आपत्तियां ली जा रही हैं। यदि सीबीएसई बोर्ड की तर्ज पर यूपी बोर्ड बढ़ रहा है तो इसमें सभी को खुशी होनी चाहिए। यूपी बोर्ड के ड्राफ्ट को लेकर जो सवाल या आरोप हैं वे गलत है।

शिवपाल भी नहीं पहुंचे सदन में

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मानसून सत्र के पहले दिन समाजवादी पार्टी से विधायक एवं प्रगतिशील समाजवादी पार्टी लोहिया प्रमुख शिवपाल सिंह यादव भी सदन नहीं पहुंचे। उल्लेखनीय है कि शिवपाल को लेकर अभी हाल ही में सपा मुखिया अखिलेश यादव ने विधानसभा अध्यक्ष को पत्र लिखा था कि शिवपाल को सदन में अग्रिम पंक्ति में बैठाया जाए। यह पत्र लिखकर अखिलेश ने शिवपाल के प्रति अपनत्व का भाव प्रकट कर समाजवादियों के बीच सराहना बटोरी थी। सदन की कार्रवाई के दौरान समाजवादी पार्टी का सड़क पर होना और शिवपाल का सदन में शामिल न होना राजनीतिक दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। वैसे भी शिवपाल कई बार अपने आप को सपा से दूर बता चुकें है। प्रसपा प्रवक्ता ने बताया प्रसपा मुखिया शिवपाल सिंह यादव सोमवार को एटा में थे जिसके चलते वे सदन नही आ सके।

भाजपा सरकार ने लोकतंत्र की हत्या की: अखिलेश

लोकतांत्रिक मूल्यों को बचाने के लिए सपा इसी तरह सदन और सड़क का रास्ता अपनाएगी: सपा प्रमुख

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

पैदल मार्च निकाल कर विधानसभा की कार्रवाई में जा रहे सपा विधायकों के रोके जाने से नाराज सपा मुखिया अखिलेश यादव ने जबरदस्त तरीके से सत्तारूढ़ दल भाजपा व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर हमला बोला। सड़क पर ही धरने पर बैठे नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने लोकतंत्र की हत्या की है। सदन की कार्यवाही में शामिल होना विधायकों का संवैधानिक और लोकतांत्रिक अधिकार है। लोकतंत्र में ऐसा कभी नहीं हुआ है कि सरकार भारी फोर्स लगाकर विधायकों को कार्यवाही में शामिल न होने दें। भाजपा सरकार इससे साबित कर रही है कि वह जनाक्रोश से डरकर कितना असुरक्षित महसूस कर रही है। सत्ता जितनी कमजोर होती है, दमन उतना ही अधिक बढ़ता है। अखिलेश यादव ने कहा कि सरकार क्यों विपक्ष का सामना नहीं कर पा रही है, उन्होंने कहा कि सरकार हर मुद्दे पर असफल हुई है। लोकतांत्रिक मूल्यों को बचाने के लिए समाजवादी पार्टी इसी तरह सदन और सड़क का रास्ता अपनाएगी। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार की गलत नीतियों से महंगाई इतनी बढ़ गयी है कि कल्पना नहीं की जा सकती है। जनता महंगाई से पिस रही है। दूध, दही, घी, तेल तक पर सरकार ने जीएसटी लगा दिया है। खाने, पीने की चीजों के दाम बहुत बढ़ गए हैं। महंगाई ने जनता की कमर तोड़ दी है। भाजपा ने जनता को झूठे सपने दिखाए। बड़े पैमाने पर बेरोजगारी बढ़ी हैं। रोजगार नहीं दिये जा रहे हैं। नौजवानों के पास नौकरी, रोजगार नहीं है। सरकार रोजगार बढ़ाने की दिशा में कोई काम नहीं कर रही है। दलितों, पिछड़ों को संविधान में दिए गए अधिकार भाजपा सरकार छीन रही है। भाजपा सरकार ने स्वास्थ्य सेवाओं को बर्बाद कर दिया है।

सपा का पैदल मार्च ड्रामा: ओम प्रकाश राजभर

लखनऊ। सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि सपा का पैदल मार्च ड्रामा है। उन्होंने कहा कि जब अखिलेश यादव सरकार में थे, तब उन्होंने इन मुद्दों को लेकर अमल किया, जिन मुद्दों को लेकर अब वो तख्ती लेकर निकल रहे हैं। जब उनके पिता मुलायम सिंह यादव रक्षा मंत्री थे, तब 17 जातियों को अनुसूचित जातियों में शामिल करने का मामला दिल्ली की पार्लियामेंट में पास क्यों नहीं कराया। यह सब ड्रामा है। वोट लेने के लिए वो शिगूफा छोड़ रहे। ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि समाजवादी पार्टी की वोट लेने की साजिश है, हिस्सा देने की नहीं। सुभासपा अध्यक्ष ने कहा कि संविधान के दायरे में जनता ने जो हमको चुनकर भेजा है। सदन के अंदर हम जनता के मुद्दों को लेकर सरकार के सामने रखने का प्रयास करेंगे। यह हमारा एजेंडा है। उन्होंने कहा कि न हम सपा के साथ हैं, न बसपा के साथ हैं और न ही सरकार के साथ हैं। हम अपने और अपने विधायकों के साथ हैं।

सरकार की अक्षमता के चलते लंपी बीमारी बनी महामारी: रामाशीष राय

लखनऊ। राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश अध्यक्ष रामाशीष राय ने कहा कि सरकार की अनदेखी और अक्षमता के फलस्वरूप लम्पी नामक बीमारी ने महामारी का रूप ले लिया है। सभी गौशालाओं में सैकड़ों गाय तो तड़प तड़प कर मर ही रही हैं साथ ही जो किसानों ने गाय पाल रखी है वहां भी लम्पी महामारी पैर पसार चुकी है। किसान असहाय खड़ा है क्योंकि सरकार की तरफ से किसी भी पशु चिकित्सालय में किसी भी प्रकार की कोई व्यवस्था नहीं है। उन्होंने कहा कि आश्चर्य इस बात का है कि अब तक सरकार ने न ही टीकाकरण और न ही इस महामारी से सम्बन्धित किसी प्रकार की औषधीय व्यवस्था की है। सोमवार को बयान जारी कर प्रदेश अध्यक्ष रामाशीष राय ने कहा कि पहले भी चारे इत्यादि के अभाव में विभिन्न गौशालाओं में गोवंशों को अकाल मृत्यु का सामना करना पड़ा है फिर भी सरकार के कान में जूं नहीं रेगी।

मुख्य सचिव ने शोध के सार को जमा करने के लिए लांच किया पोर्टल

● शोधकर्ता पोर्टल पर 12 अक्टूबर तक कर सकते हैं आवेदन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने स्थानीय जलवायु कार्यवाही में वृद्धि के लिए जलवायु परिवर्तन अनुसंधान और नीतिगत अंतराल को कम करने के लिए प्रस्तावित कार्यशाला के लिए शोधकर्ताओं को शोध के सार को जमा करने के लिए विकसित 'ब्रिजिंग गैप्स, एक्टिंग नाऊ' पोर्टल को लांच किया।

इस मौके पर मुख्य सचिव ने कहा कि जलवायु कार्रवाई के लिए पर्यावरणीय नीतियों को परिभाषित करने में विज्ञान और तकनीकी ज्ञान महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अविरत शोध, नवीनतम निष्कर्षो और नीतिगत प्राथमिकताओं के बीच कुछ अंतराल है। व्यापक जनहित में इस अंतराल को कम करने की जरूरत है। उन्होंने आशा व्यक्त करते हुए कहा कि प्रस्तावित कार्यशाला युवा शोधकर्ताओं को उनके स्थानीय जलवायु क्रिया-उन्मुख शोध निष्कर्षो को नीति निर्माताओं के समक्ष प्रदर्शित करने का मंच प्रदान करेगी।

इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग मनोज सिंह द्वारा प्रस्तावित कार्यशाला का संक्षिप्त प्रस्तुतिकरण भी दिया गया। उन्होंने बताया कि पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उत्तर प्रदेश, जर्मन विकास सहयोग (जीआईजेड), आईआईटी कानपुर, पर्यावरण एवं धारणीय विकास संस्थान बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के साथ मिलकर स्थानीय जलवायु कार्रवाई में वृद्धि के लिए जलवायु परिवर्तन अनुसंधान और नीतिगत अंतराल को कम करने के वास्ते कार्यशाला का आयोजन 4-5 नवम्बर 2022 को लखनऊ में प्रस्तावित है। जिसमें चयनित शोधकर्ताओं द्वारा जलवायु परिवर्तन के क्षेत्र में अपनी शोध का प्रस्तुतिकरण करेंगे। इसके लिए शोधकर्ताओं को शोध के सार जमा करने के लिए पोर्टल विकसित किया गया है।

डांसर सपना चौधरी अदालत में हुईं हाजिर, गिरफ्तारी वारंट निरस्त

विधि संवाददाता। लखनऊ

एसीजेएम शांतनु त्यागी ने डांस का प्रोग्राम कैंसिल करने व टिकट धारकों का पैसा भी वापस नहीं करने के एक मामले में मशहूर डांसर सपना चौधरी के खिलाफ जारी गिरफ्तारी वारंट निरस्त कर दिया है। उन्होंने मुल्जिमा सपना चौधरी को 20 हजार का निजी मुचलका दाखिल करने का आदेश दिया। सोमवार को अदालत के समक्ष मुल्जिमा सपना चौधरी हाजिर हुईं और अपने खिलाफ जारी गिरफ्तारी वारंट निरस्त करने की दरख्वास्त की। बीते 22 अगस्त को अदालत में यह मामला आरोप तय करने के लिए नियत था लेकिन मुल्जिमा सपना चौधरी उपस्थित नही हुईं थी। उनकी तरफ से हाजिरी माफी की अर्जी भी नही दी गई थी। जबकि अन्य मुल्जिमों ओर से हाजिरी माफी की अर्जी दी गई थी। तब अदालत ने सपना के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी करने का आदेश दिया था। अब इस मामले की अगली सुनवाई 30 सितंबर को होगी। 14 अक्टूबर 2018 को इस मामले की एफआईआर एसआई फ्रिोज खान ने थाना आशियाना में दर्ज कराई थी। जिसके मुताबिक 13 अक्टूबर 2018 को स्मृति उपवन में दोपहर तीन बजे से रात्रि 10 बजे तक सपना समेत अन्य कलाकारों का प्रोग्राम था। जिसके लिए प्रति व्यक्ति तीन सौ रुपए में ऑनलाइन व ऑफ्लाइन टिकट बेचा गया था। इस प्रोग्राम को देखने के लिए हजारों टिकट धारक मौजूद थे। लेकिन रात्रि 10 बजे तक सपना चौधरी नहीं आईं तो उन्होंने हगांमा कर दिया। इसके बाद टिकट धारकों का पैसा भी वापस नहीं किया गया। 20 जनवरी 2019 को इस मामले में मुल्जिम जुनैद अहमद, इवाद अली, अमित पांडेय व रत्नाकर उपाध्याय के खिलाफ आईपीसी की धारा 406 व 420 में आरोप पत्र दाखिल हुआ था। इसके बाद एक मईए 2019 को सपना चौधरी के खिलाफभी इन्हीं धाराओं में आरोप पत्र दाखिल हुआ था।

आराधना मिश्रा मोना ने किया विधानसभा तक पैदल मार्च

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश कांग्रेस विधानमंडल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना विधानसभा मानसून सत्र के पहले दिन तमाम मुद्दों को लेकर पैदल मार्च करते हुए विधानसभा पहुंची। पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता कृष्णकांत पांडेय का कहना है कि मोना ने विधानसभा तक पैदल मार्च कर उत्तर प्रदेश सरकार को एक संदेश देने का काम किया।

पाण्डेय ने बताया कि विधानसभा तक की इस यात्रा का आशय सरकार को बताना है कि बेरोजगारी और महंगाई भाजपा के दो भाई हैं। इस महंगाई बेरोजगारी के लिए भाजपा आर्थिक नीतियां जिम्मेदार हैं। एलपीजी सिलेंडर 156 प्रतिशत, पेट्रोल 40 प्रतिशत, डीजल 75 प्रतिशत, सरसों का तेल 122 प्रतिशत, गेहूं का आटा 81 प्रतिशत, दूध 71 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी इस सरकार की पोल खोलती है। कांग्रेस विधानमंडल दल की नेता की यह यात्रा सरकार को सबक सिखाने का एक प्रयास रहा।

मार्च में शामिल होने वालों में पूर्व मंत्री सतीश शर्मा, जिलाध्यक्ष वेद प्रकाश त्रिपाठी, विवेकानंद पाठक, अंकित तिवारी, शुभम सिंह, नसीम खान आदि प्रमुख रहे।

राष्ट्रीय व प्रदेश अध्यक्ष चुनने के लिए यूपीसीसी ने सोनिया गांधी को अधिकृत किया

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कांग्रेस का नया राष्ट्रीय अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश अध्यक्ष और सभी पदाधिकारियों को चुनने का फैसला लेने के लिए उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने सोनिया गांधी को अधिकृत कर दिया है। इस संबंध में सोमवार को पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में हुई उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी और एआईसीसी के निर्वाचित सदस्यों की बैठक में प्रस्ताव पेश किया गया। राज्यसभा सांसद एवं कांग्रेस कार्य समिति सदस्य प्रमोद तिवारी ने प्रस्ताव पेश करते हुए कहा कि प्रदेश अध्यक्ष, राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं समस्त पदाधिकारियों को चुनने का समस्त अधिकार राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी को दिया जाता है। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष निर्मल खत्री, पूर्व केन्द्रीय मंत्री प्रदीप जैन आदित्य, विधानमंडल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना, विधायक वीरेन्द्र चौधरी, पूर्व विधानमंडल दल नेता प्रदीप माथुर, पूर्व मंत्री नसीमुद्दीन सिद्दीकी, पूर्व सांसद बृजलाल खाबरी सहित प्रदेश से आये समस्त सदस्यों ने हाथ उठाकर जोरदार समर्थन और प्रस्ताव का अनुमोदन किया। इस मौके पर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस चुनाव प्राधिकरण के सहायक प्रदेश निर्वाचन अधिकारी रामेश्वरम डूडी ने अध्यक्षता की। प्रस्ताव प्रस्तुत करते हुए राज्यसभा सांसद एवं कांग्रेस कार्य समिति के सदस्य प्रमोद तिवारी ने कहा कि आज देश विकट परिस्थितियों से गुजर रहा है। कांग्रेस ही एक ऐसी पार्टी है जहां ब्लाक से लेकर राष्ट्रीय अध्यक्ष तक का चुनाव होता है, केवल कांग्रेस में ही लोकतांत्रिक प्रक्रिया अपनायी जाती है। हम कांग्रेसजनों को इस पर गर्व है। अंग्रेजों भारत छोड़ो आन्दोलन का विरोध करने वाले लोग आज देश की सत्ता में काबिज हैं और देश को धर्म, जाति के नाम पर नफरत फैलाकर विखंडित करने का काम कर रहे हैं। ऐसे वक्त में कांग्रेस नेतृत्व सोनिया गांधी को मजबूती प्रदान करना हर कांग्रेस डेलीगेट्स का कर्तव्य है। प्रस्ताव का अनुमोदन करते हुए पूर्व प्रदेश अध्यक्ष निर्मल खत्री ने कहा कि आज खंडित करने वाली ताकतों से हम लड़ रहे हैं। भारत जोड़ो यात्रा में राहुल गांधी के समर्थन में पूरा देश आज सड़क पर निकल पड़ा है।

अधिवेशन के उपरान्त विधान मंडल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना ने प्रेसवार्ता को सम्बोधित करते हुए कहा कि आजादी के आन्दोलन से अब तक कांग्रेस मजबूती से जनता की भावनाओं के अनुरूप चली आ रही है। सबसे बड़ी पार्टी होने के बावजूद लोकतांत्रिक प्रणाली का सम्मान कांग्रेस में ही होता है। आज पीसीसी-एआईसीसी सदस्यों ने सर्वसमत्ति से प्रस्ताव पारित कर राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी को अधिकृत किया कि प्रदेश से देश तक समस्त पदों पर पदाधिकारी चयन में जो भी निर्णय आप द्वारा लिए जाएंगे हम सब उसे स्वीकार करेंगें।

नवीनतम तकनीकि अपनाकर कार्यों को तेजी से आगे बढ़ाया जाए: दुर्गा शंकर मिश्र

लखनऊ। मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने नगर विकास विभाग के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि लेटेस्ट टेक्नोलॉजी को अपनाकर कार्यों को तेजी से आगे बढ़ाया जाए। उन्होंने कहा कि सभी पैरामीटर्स में प्रदेश टॉप पर हो, इसके दृष्टिगत ही रोडमैप तैयार किया जाए। उन्होंने सभी शहरी निकायों में ऑनलाइन मानचित्र स्वीकृत किए जाने की प्रणाली लागू करने के लिए अधिकारियों को विस्तृत कार्य योजना शीघ्र तैयार कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी प्रोजेक्ट निर्धारित समयसारिणी के अनुसार पूरे हों, इसके लिए नियमित रूप से गहन समीक्षा एवं सतत् मॉनीटरिंग की जाए। सभी शहरों में स्वच्छ पेयजल आपूर्ति के लिए सिटी वाटर एक्शन प्लान का कार्य जल्द पूर्ण किया जाए। अमृत योजना की समीक्षा में उन्होंने जलापूर्ति एवं सीवरेज के सभी प्रोजेक्ट्स शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश देते हुए कहा कि लक्ष्य के अनुरूप परिवारों को जलापूर्ति एवं सीवर के कनेक्शन देने का कार्य समय से पूरा किया जाए।

अनुसूचित जाति के लोगों को योजनाओं का मिले लाभः डा.अंजू

संवाददाता। लखीमपुर खीरी

राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग भारत सरकार नई दिल्ली की सदस्य डॉ अंजू बाला अपने निर्धारित भ्रमण कार्यक्रम के अनुसार जनपद लखीमपुर खीरी पहुंचीए जहां डीएम महेंद्र बहादुर सिंह, एसपी संजीव सुमन ने उनके जनपद आगमन पर स्वागत किया। सोमवार की सुबह आयोग की सदस्य डॉण् अंजू बाला निघासन पहुंचीए जहां उन्होंने स्थलीय निरीक्षण कर प्रकरण की सम्यक जानकारी प्राप्त की। परिजनों से बातचीत कर उन्हें भरोसा दिलाया कि दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलवाने के लिए सरकार कटिबद्ध है। उन्हें जरूर न्याय मिलेगा। इसके बाद आयोग की सदस्य डॉ अंजू बाला ने जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक कीए संबंधित को जरूरी निर्देश दिए। बैठक का संचालन सीडीओ अनिल कुमार सिंह ने किया। बैठक से पूर्व आयोग की सदस्य ने अफ्सरों से उनका परिचय जाना।राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग की सदस्य डॉण् अंजू बाला ने बैंकों से कहा कि अनुसूचित जाति के अभ्यर्थियों को मुद्रा लोन देने में किसी तरह की कोताही नहीं बरतनी चाहिए। आवासए शौचालय आदि योजनाओं का लाभ उनको मिलना चाहिए। कलेक्ट्रेट सभागार में हुई बैठक में उन्होंने विभागध्यक्षों से कहा कि अनुसूचित जाति पात्रों को योजनाओं के लाभ से वंचित कतई न किया जाए। इसकी निगरानी करें। एएसपी अरुण कुमार सिंह ने अनुसूचित जाति एवं जनजाति प्रताड़ित अधिनियम के लंबित मामलों की रिपोर्ट पेश की। आयोग ने डीएसडब्लूओ सुधांशु शेखर से अनुसूचित जाति के छात्रों के लिए संचालित राजकीय छात्रावास की संख्या व उनकी क्रियाशीलता जानी। उन्होंने एससी विद्यार्थियों को प्रदान की जाने वाली प्री मैट्रिक एवं पोस्ट मैट्रिक स्कॉलरशिप की प्रोग्रेस जानी। बैठक के अंत में सीडीओ अनिल कुमार सिंह ने कहा कि आयोग द्वारा जो भी दिशा निर्देश एवं मार्गदर्शन मिला हैए उसका पूर्णतया अनुपालन किया जाएगा। बैठक में सीडीओ अनिल कुमार सिंह एडीएम संजय कुमार सिंह एएसपी अरुण कुमार सिंह डीएसडब्लूओ सुधांशु शेखर संयुक्त निदेशक अभियोजनए एलडीएम सहित सभी संबंधित जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

अंत्येष्टि स्थल की जांच करने पहुंचे एडीपीआरओ टेक्निकल.....

सीतापुर डीएम ने गठित की तीन सदस्यीय जांच समिति

संवाददाता। सीतापुर

●सकरन की सांडा ग्राम पंचायत में बना है अंत्येष्टि स्थल

विकास खण्ड क्षेत्र सकरन के ग्राम सांडा में बनवाए गए अंत्येष्टि स्थल में हुए भ्रष्टाचार की शिकायत एवं आई इंडिया पर प्रसारित खबर का जिलाधिकारी द्वारा संज्ञान लेने के बाद कई की गर्दन फंसना तय माना जा रहा है। डीएम ने जांच के लिए तीन सदस्यीय टीम गठितकर जल्द रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए है। बता दें कि अंत्येष्टि स्थल की दीवार में दरार पड़ने व मानक विहीन निर्माण को लेकर ग्रामवासियों के द्वारा शिकायत पर आई इंडिया ने 7 सितंबर को दिखाया था। सोमवार को सहायक जिला पंचायत राज अधिकारी ने संबंधित स्थल का स्थलीय निरीक्षण कर अधीनस्थों को निर्देश दिए। जांच के लिए पहुंचे सहायक जिला पंचायत राज अधिकारी मानवेंद्र कुमार ने बताया कि ग्रामीणों की शिकायत पर अंत्येष्टि स्थल का स्थलीय निरीक्षण किया गया जो भी खामियां पाई गई हैं उनमें क्षेत्रीय ग्राम विकास अधिकारी शिवमंगल मिश्रा को दुरुस्त कराने के लिए निर्देश दिए गए है। इस दौरान खंड विकास अधिकारी राम लखन वर्मा के साथ-साथ श्री कृष्ण सरोज, शिवमंगल मिश्रा, अजीत यादव व ग्रामीण मोलहेराम, ज्ञानेंद्र मिश्रा, उमेश जयसवाल, आलोक मिश्रा, अनमोल, शिव प्रकाश, राम मिश्र आदि मौजूद रहे।

क्विक न्यूज

गोबरिया नाला पर बना पुल टूटने से आवागमन बाधित

लहरपुर सीतापुर। लहरपुर तंबौर मार्ग पर गोबरिया नाला पर बना पुल टूट जाने से आवा गमन में दिक्कते हो रही है, अखिल भारतीय संयुक्त अधिवक्ता परिषद ने इस सम्बंध में मुख्यमंत्री को सम्बोधित एक मांग पत्र डीएम कार्यालय में सौंपा है। ज्ञापन देने पहुंचे अधिवक्ताओं ने बताया कि उक्त पुल एक साल पहले पिछली बरसात में टूट गया था, इसके बाद अभी तक पुनर्निर्माण नहीं कराया गया। जबकि इसी पुल पर से होकर किसान अपना गन्ना हरियांवा चीनी मिल के लिए ले जाते है, भारी वाहनों का आना-जाना भी रूका हुआ है। अधिवक्ताओं ने जनपद मुख्यालय से 72 किलो मीटर दूर इस पुल को फिर से बनवाएं जाने की मांग की है। इस मौकें पर अधिवक्ता विजय अवस्थी, अमृत सिंह, लाल बहादुर श्रीवास्तव, रविन्द्र कुमार दीक्षित, कुलदीप पांडेय आदि मौजूद रहे।

राशन कार्ड में बेटी का नाम बढ़ाने को लेकर पिता लगा रहा दौड़

सीतापुर। राशन कार्ड पर बेटी का नाम दर्ज कराने के लिए पिता कई माह से दौड़ रहा है, लेकिन कार्ड पर नाम अंकित नहीं हो पा रहा है। ब्लाक हरगांव क्षेत्र के ग्राम भीखपुर निवासी राजेश कुमार ने सोमवार को जिला मुख्यालय पहुंचकर डीएम को सम्बोधित शिकायती पत्र कार्यालय में सौंपा। राजेश ने बताया कि उनकी पुत्री जूली का नाम ब्लाक परसेंडी क्षेत्र के मझिगांवा निवासी शर्मावती पत्नी राजेश के कार्ड पर दर्ज हो गया है। राजेश ने बताया कि वह जब भी पूर्ति कार्यालय ऑनलाइन रसीद लेकर जाते है तो उन्हें यह कहकर वापस लौटा दिया जाता है, कि अभी कार्ड नहीं बन रहे है, जब कार्ड बनने लगेगे तो नाम भी राशन कार्ड पर दर्ज करा दिया जाएगा।

विद्यालय की भूमि पर दबंग कर रहे कब्जा

सीतापुर। तहसील लहरपुर क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय सुमेर की भूमि पर जबरन कब्जा किया जा रहा है, विद्यालय भवन की पैमाइश के बिना ही चहारदीवारी का निर्माण करने का आरोप विद्यालय के इंचार्ज प्रधानाध्यापक अंशुल कुमार शुक्ला ने लगाया है। उन्होंने सोमवार को एक बार फिर इस सम्बंध में व्हाट्सअप के जरिए लहरपुर एसडीएम को सूचना भेजकर अवैध कब्जे पर रोक लगाए जाने का आग्रह किया है, अंशुल कुमार शुक्ला का कहना है कि इससे पहले भी आरोपी कई बार विद्यालय की भूमि पर अवैध कब्जा करने का प्रयास कर चुके है। 19 सितम्बर को करीब 12 मजदूर फावड़ा कुदार लेकर फिर विद्यालय परिसर पहुंचे, उन्होंने भूमि की पैमाइश न होने पर चहारदीवारी निर्माण पर रोक लगाए जाने की मांग एसडीएम से की है।

नवरात्रि, दशहरों को लेकर हुई पीस कमेटी बैठक

सिधौली सीतापुर। नवरात्रि दशहरा आदि पर्वो पर शान्ति व्यवस्था बनाए रखने के उददेश्य से पीस कमेटी की बैठक हुई, सीओ सिधौली यादवेन्द्र यादव ने अध्यक्षता करते हुए सभी से शान्ति बनाए रखने की अपील की। इस मौके पर एसओ कमलापुर पुष्पराज कुशवाहा, वरिष्ठ उपनिरीक्षक शिवप्रसाद पांडेय, उपनिरीक्षक मो. खालिद, कस्बा इंचार्ज अवधेश सिंह यादव, उमाकान्त सविता, हेड कास्टेबल आर.के. सिंह, आरक्षी शिवकुमार यादव, आकाश साजन सिंह, देवेश कुमार यादव, बीडीसी उमंग जायसवाल, प्रधान सुनील सिंह, प्रेमनरायण, सुशील कुमार, पंकज कुमार मिश्रा, सुरेन्द्र कुमार, प्रमोद कुमार, संतराम, रामगोपाल, रामप्रताप, पवन कुमार, कमलेश आदि मौजूद रहे।

आम आदमी पार्टी कार्यकर्ता राजभवन करेंगे पैदल मार्च

सीतापुर। आम आदमी पार्टी कार्यकर्ताओं ने जिला मुख्यालय से राजभवन पैदल मार्च की चेतावनी दी है, जिलाध्यक्ष आनंद जायसवाल ने बताया कि रामपुरमथुरा ब्लाक की 13 ग्राम पंचायतों में हुए करोड़ो के बंदर बांट को लेकर 1 सितम्बर और 8 सितम्बर को ज्ञापन सौंपा गया, 12 सितम्बर को जिला मुख्यालय पर धरना दिया गया। लेकिन नतीजा सिफर है। उन्होंने बताया कि सोमवार को जिला पंचायत राजधिकारी मनोज कुमार को शपथ पत्र भी सौंपा गया है। अब अगर कोई कार्रवाई न हुई तो पार्टी कार्यकर्ता राजभवन के लिए पैदल मार्च करेगें।

सड़क दुर्घटना में बुजुर्ग महिला की मौत

बरेली। दवा लेने के लिए दामाद के साथ मोटरसाइकिल पर जा रही एक महिला की रास्ते में हुई सड़क दुर्घटना में मौत हो गई पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। भमोरा थाना क्षेत्र के चांडपुर इलाके में कल कल शाम हुई सड़क दुर्घटना में बदायूं के बरखेड़ा गोटिया निवासी चेतराम की 60 वर्षीय पत्नी हरप्यारी की मौत हो गई पोस्टमार्टम हाउस पर मृतका के भतीजे नेत्रपाल ने बताया कि हरप्यारी कल शाम को अपने दामाद जगपाल के साथ उसकी मोटरसाइकिल पर बैठकर दवा लेने के लिए भमोरा आ रही थी।

परिजन परेशान, पुलिस की कार्यशैली पर उठ रहे सवाल!

संवाददाता। सीतापुर

● मिश्रिख पुलिस अराजक तत्वों पर क्यों नही कर रही करवाई ?

● बालिकाओं व महिलाओं को दबंग कर रहे परेशान पुलिस बनी अंजान

● मिश्रिख कोतवाली के नई बस्ती जसरथपुर का मामला

सीतापुर की मिश्रिख कोतवाली क्षेत्र में कुछ दबंगो द्वारा गांव की एक महिला, बालिकाओं को गंदी-गंदी गालियां देकर उनके घर पर पत्थर चला रहे है, जिससे परेशान पीड़ित परिवार न्याय के लिए पुलिस का दरवाजा खटखटा रही है लेकिन उसे न्याय नहीं मिल पा रहा है। बताते चलें कि मिश्रिख के नई बस्ती जसरथपुर में कुछ दंबगो ने एक परिवार को हर रोज प्रताड़ित करते चले आ रहे है। पीड़ितों द्वारा कई लोगों को नामजद कर के पुलिस से कई बार शिकायत की, लेकिन पुलिस इस घटना का तनिक भी संज्ञान नहीं लिया। पुलिस द्वारा आरोपियों के विरुद्ध कार्रवाई ना किया जाना पुलिस पर सवाल खड़ा कर रहा है। गांव के ही निवासी पुत्ती लाल की पत्नी गंगा जली ने कुछ दिन पहले कोतवाली में तहरीर देकर नामजद आरोपियों के विरुद्ध कार्यवाही की मांग की थी। उसके बावजूद भी कोई कार्रवाई अभी तक नहीं की गई। पीड़ित सुनील कुमार पत्नी गंगाजली ने कार्रवाई न होने के बाद पायनियर से कहा कि कई बार शिकायत की जा चुकी है, लेकिन कार्रवाई नहीं की गई है।

राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त करने वाले बरेली के प्रथम स्वयंसेवक बने मोहित शर्मा'

बरेली। उत्तर प्रदेश राज्य के जनपद बरेली के निवासी 23 वर्षीय युवा मोहित शर्मा को युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से युवा गतिविधियों और सामाजिक क्रियाकलापों में उत्कृष्ट कार्यों के लिए एनएसएस के सर्वोच्च पुरस्कार के लिए चयनित किया गया है । उन्हें आगामी 24 सितंबर को दरबार हाल, राष्ट्रपति भवन में महामहिम राष्ट्रपति महोदया द्रौपदी मुर्मू के हाथों यह सम्मान प्रदान किया जाएगा।उन्हे यह पुरस्कार पिछले 6 वर्षों में एनएसएस के माध्यम से किए गए अनेक कार्यक्रमों जैसे- स्वच्छता, रक्तदान,वृक्षारोपण,चिकित्सीय शिविरो में सहयोग, निरूशुल्क शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण , एचआईवी एड्स जागरूकता, नशा मुक्ति अभियान, सड़क सुरक्षा अभियान , वेस्ट प्लास्टिक मैनेजमेंट , मतदान अभियान, फिट इंडिया अभियान , महिला सशक्तिकरण, ओडीएफ के अन्तर्गत शौच मुक्त भारत अभियान , डिजिटल साक्षरता और कोरोना काल में जागरूकता,टीकाकरण में सहयोग, मास्क वितरण आदि कार्योंके लिये मिल रहा है । इस पुरस्कार के अंतर्गत मोहित शर्मा को सिल्वर मेडल, प्रमाण पत्र एवं एक लाख रूपए की धनराशि उन्हें पुरस्कार स्वरूप प्रदान किया जाएगा। उनका चयन वर्ष 2020-21 के लिए सर्वश्रेष्ठ स्वयंसेवक श्रेणी में किया गया है। मोहित शर्मा ने बताया कि वह चार भाई बहन में सबसे छोटे हैं ।बताते चले कि पूरे देश से 40 लाख एनएसएस स्वयंसेवकों में से केवल 30 सर्वश्रेष्ठ स्वयंसेवकों का चयन इस प्रतिष्ठित पुरस्कार के लिए किया जाता है। मोहित शर्मा ने बताया कि उनकी शुरुआती शिक्षा जयनारायण सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज बरेली से ग्रहण की हैं,जहां से ही उन्हें अनुशासन के साथ कार्य करना सीखा ।

निपुण भारत मिशन गोष्ठी एवं वार्षिक निर्वाचन संपन्न

संडीला(हरदोई)। बीआरसी पर निपुण भारत मिशन गोष्ठी एवं ब्लाक कार्यकारिणी का निर्वाचन संपन्न हुआ। उत्तर प्रदेश जूनियर हाई स्कूल शिक्षक संघ द्वारा आयोजित निपुण भारत मिशन गोष्ठी में बोलते हुए प्रदेश अध्यक्ष योगेश त्यागी ने कहा कि प्रदेश सरकार के बेसिक शिक्षा विभाग के निपुण भारत मिशन के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए समस्त शिक्षक अपने दायित्वों का निर्वाहन पूरी लगन और निष्ठा से करें। इसके बाद यदि किसी भी स्तर पर कोई समस्या आए तो उसका निराकरण कराने के लिए वे सदैव तत्पर हैं। उन्होंनें कहा कि वे शिक्षकों को भयमुक्त होकर अपने दायित्वों का निर्वाहन करना है। समस्याओं का निराकण उच्च अधिकारियों से मिलकर कराया जाएगा। इसी अवसर पर विशिष्ट अतिथि संतोष अग्निहोत्री, जिला महामंत्री उदय शंकर मिश्रा तथा कोषाध्यक्ष धरमेन्द्र कुमार तथा खण्ड शिक्षाधिकारी श्रीमती सीमी निगार ने भी अपने विचार रखे। इसी अवसर पर ब्लाक कार्यकारिणी का निर्वाचन भी संपन्न हुआ जिसमें अध्यक्ष के पद पर अनंत कुमार, वरिष्ठ उपाध्यक्ष विजय प्रताप चौरसिया, उपाध्यक्ष श्रीमती निशात सादिया, सर्वेन्द्र कुमार एवं विमलेश पाल सिंह, कोषाध्यक्ष सुमित कुमार दीक्षित, मंत्री अमृत लाल, संयुक्त मंत्री निधि गुप्ता, अनीस अहमद खां तथा रजनीश कुमार, लेखाकार कमलेश कुमार, आयव्यय निरीक्षक ललित कुमार तथा संगठन मंत्री अभिषेक तिवार निर्वाचित हुए।

शपथ गृहण करते नव निर्वाचित पदाधिकारी

तमंचा कारतूस के साथ एक गिरफ्तार

लखीमपुर-खीरी। थाना सम्पूर्णानगर पुलिस द्वारा अवैध तमंचा व कारतूस बरामद करके अभियुक्त परमजीत पुत्र गुरमुख सिंह को गिरफ्तार किया गया। पुलिस अधीक्षक खीरी संजीव सुमन के निर्देशन में व अपर पुलिस अधीक्षक खीरी के निकट पर्यवेक्षण में सम्पूर्ण जनपद में अपराध की रोकथाम व वांछितध्वारण्टी अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत 19 सितम्बर को थाना सम्पूर्णानगर पुलिस द्वारा बहद ग्राम सम्पूर्णानगर से 01 नफर अभियुक्त परमजीत उर्फ पम्मी पुत्र गुरमुख सिंह निवासी ग्राम भगवानपुर, बाजार घाट थाना हजारा जनपद पीलीभीत को एक अदद तमंचा देशी 315 बोर व 02 अदद जिन्दा कारतूस 315 बोर के साथ गिरफ्तार किया गया । जिसके सम्बन्ध मे अभियुक्त के विरूद्ध पंजीकृत कर अभियुक्त को मा0 न्यायालय भेजा जा रहा है। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उप निरीक्षक आशीष सहरावत, कांस्टेबल जितेन्द्र गौड़, जितेंद्र गौड़, कांस्टेबल लक्की सिंह व कांस्टेबल रजत यादव शामिल रहे।

नौवीं स्मृति दिवस पर पाठ का आयोजन

संवाददाता। मोहम्मदी-खीरी

धौरहरा लोक सभा की सासद और भाजपा सगठन की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रेखा अरूण वर्मा के पति की नौवीं स्मृति दिवस के रुप में पाठ का आयोजन किया गया, जिसमें धार्मिक गुरु ने पाठ किया। इस कार्यक्रम में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी हेलीकॉप्टर से उनके गांव मकसूदपुर पहुंचे और सुंदर पाठ में भाग लिया। चित्र पर पुष्प अर्पित किए। मुख्यमंत्री के आगमन पर भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारियों कार्यकर्ताओं शहीद गांव वासियों ने स्वागत किया।

मीडिया से हुई बातचीत में मुख्यमंत्री ने कहा कि आपकी सासद रेखा अरुण वर्मा हमारे उत्तराखंड के सह प्रभारी हैं और इन्हीं के नेतृत्व में उत्तराखंड की सरकार बनी है। उन्होंने कहा सांसद द्वारा अपने क्षेत्र में रुकी हुई परियोजनाओं को पूरा कर रहे हैं तथा स्वर्गीय अपने पति के रुके हुए कामों को भी आगे बढ़ा रही हैं। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि कांग्रेस के राहुल गांधी की यात्रा से कुछ फर्क पड़ने वाला नहीं है। इस कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष सुनील कुमार सिंह, महामंत्री ज्योतिर्मय बरतरिया, चेयरमैन संदीप मेहरोत्रा, भाजपा नेता श्याम किशोर अवस्थी, राम जी रस्तोगी, सुशील वर्मा, बरवर चेयरमैन नसरीन बानों, अधिशासी अधिकारी सपना भारद्वाज ने उत्तराखंड के मुख्यमंत्री को पुष्ट कुछ देकर स्वागत किया। सुरक्षा के दृष्टिकोण भारी संख्या में पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी डटे रहे।

गोली कांड के चार वांछित गिरफ्तार

निघासन-खीरी। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जनपद स्तर पर चलाये जा रहे वारण्टी, वाछिंत, संदिग्ध अभियुक्तों की गिरफ्तारी अभियान के तहत प्रभारी निरीक्षक चन्द्रभान यादव कोतवाली निघासन के मार्गदर्शन में निघासन पुलिस बल द्वारा मुखबिर की सूचना पर कोतवाली निघासन के वांछित अभियुक्तगण मुस्ताक पुत्र नूर मोहम्मद, इशराज उर्फ छोटू पुत्र नूर मोहम्मद, नसरत पुत्र सगीर अहमद, मुबारक अली पुत्र जलील अहमद निवासीगण ढकवा गदियाना कोतवाली निघासन की गिरफ्तारी की गई है। जिसमें अभियुक्त मुस्ताक को ग्राम बल्लीपुर मोड से समय 5 बजे व अन्य अभियुक्तगण इशराज उर्फ छोटु, नसरत व मुबारक अली को ग्राम ढकवा गदियाना से 10:25 बजे गिरफ्तार किया गया है। अभियुक्त मुस्ताक पुत्र नूर मोहम्मद की जामा तलाशी से 01 तमंचा 315 बोर व 01 जिन्दा कारतूस 315 बोर बरामद हुआ है अभियुक्त मुस्ताक उपरोक्त के विरूद्ध नियमानुसार अभियोग अन्तर्गत धारा 3/25 आयुध अधिनियम पंजीकृत कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा रहा है।गौरतलव है कि 18 सितम्बर को वादी मंसूर अली पुत्र हबीब अली निवासी ग्राम ढकवा गदियाना मजरा बल्लीपुर थाना निघासन खीरी की तहरीरी पर सूचना कि वादी व उसके परिजनों को एक राय होकर लाठी-डंडों, बांका व अवैध असलहा से घर में घुसकर गंदी-गंदी गालियां व जान से मारने की धमकी देते हुए मारने पीटने के सम्बन्ध में कोतवाली निघासन में मुस्ताक पुत्र नूर मोहम्मद आदि 9 नफर निवासीगण ढकवा गदियाना कोतवाली निघासन

पंजीकृत कराया गया। अभियुक्तगण मुस्ताक पुत्र नूर मोहम्मदव, इशराज उर्फ छोटू पुत्र नूर मोहम्मद, नसरत पुत्र सगीर अहमद व मुबारक अली पुत्र जलील अहमद निवासीगण ढकवा गदियाना कोतवाली निघासन जनपद खीरी को नियमानुसार जिला कारागार खीरी भेजा जा रहा है। अन्य अभियुक्तों की तलाश जारी है।

गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उप निरीक्षक अनिल कुमार राजपूत कोतवाली निघासन, हेड कांस्टेबल विकास पवार कोतवाली निघासन, हेड कांस्टेबल जयप्रकाश यादव कोतवाली निघासन, आरक्षी संदीप तिवारी, आरक्षी जयदीप, आरक्षी पिंकू व आरक्षी मयंक शामिल रहे।

पेज एक का शेष

पार्थ व अर्पिता की...

इसने कहा, ऐसा पाया गया है कि कुर्क की गईं संपत्तियों से पार्थ चटर्जी तथा अर्पिता मुखर्जी को लाभ मिला। एजेंसी के अनुसार, कुर्क की गईं कई संपत्तियां मुखौटा कंपनियों तथा चटर्जी के लिए काम कर रहे लोगों के नाम पर रजिस्ट्रीकृत पाई गईं। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस की अगुवाई वाली सरकार में पूर्व मंत्री चटर्जी और उनकी करीबी सहायक को ईडी ने जुलाई में गिरफ्तार किया था। वर्तमान में, चटर्जी कथित घोटाले के सिलसिले में पूछताछ के लिए केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की हिरासत में हैं, जबकि मुखर्जी जेल में बंद हैं।

चंडीगढ़ वीडियो लीक...

छात्राओं द्वारा लगाए गए आरोपों पर शनिवार रात से पंजाब के मोहाली में स्थित विश्वविद्यालय परिसर में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। आरोप हैं कि एक छात्रावास के शौचालय में छात्राओं के कई आपत्तिजनक वीडियो रिकॉर्ड किए गए। कुछ छात्राओं ने यह भी दावा किया है कि वीडियो लीक किए गए। हालांकि, विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने इन आरोपों को फर्जी और निराधार बताते हुए खारिज कर दिया। पुलिस ने उस छात्रा को गिरफ्तार कर लिया, जिस पर वीडियो बनाने का आरोप था। हालांकि, छात्रा ने कहा कि उसने अपने 23 वर्षीय ब्वॉयफ्रेंड के साथ केवल अपना एक वीडियो साझा किया था। आरोपी लड़के को रविवार को हिमाचल प्रदेश से गिरफ्तार किया गया था। इस मामले में रविवार शाम को हिमाचल प्रदेश के 31 वर्षीय एक व्यक्ति को भी गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद दोनों को पंजाब पुलिस के हवाले कर दिया गया। पुलिस ने तीनों आरोपियों के फोन फॉरेंसिक जांच के लिए जब्त कर लिए हैं।

आईपीएस अफसर सतीश चंद्र...

प्रतिवादी द्वारा जारी आदेश को आज से एक हफ्ते के लिए क्रियान्वित नहीं किया जाए। वर्मा के खिलाफ विभागीय जांच के मद्देनजर कार्वाई करने के लिए गृह मंत्रालय को उच्च न्यायालय से अनुमति मिलने के बाद उन्होंने शीर्ष न्यायालय का रुख किया था। वर्मा के खिलाफ विभागीय जांच में उन पर लगाए आरोप साबित हो गए थे। इन आरोपों में उनके नार्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कॉरपोरेशन, शिलांग का मुख्य सतर्कता अधिकारी रहने के दौरान मीडिया से बातचीत करना भी शामिल है। वर्मा ने 2004 के इशरत जहां मामले की जांच अप्रैल 2010 से अक्टूबर 2011 तक की थी। उनकी जांच रिपोर्ट के आधार पर एक विशेष जांच दल (एसआईटी) ने मुठभेड़ को फर्जी करार दिया था।

ईडी का दावा, आरोपियों की...

बल्कि यहां तक कि एसआईटी ने कार्यवाही रोकने के लिए कई कोशिशें की।उन्होंने पीठ से कहा, यदि यह सार्वजनिक हो जाता है तो यह प्रणाली में लोगों का विश्वास घटा सकता है। उच्च न्यायालय के एक मौजूदा न्यायाधीश उन संवैधानिक पदाधिकारियों के संपर्क में हैं जो आरोपियों की मदद कर रहे हैं। मेहता ने कहा कि वह इन नामों को सार्वजनिक नहीं करना चाहते। उन्होंने कहा कि मामले को राज्य से बाहर स्थानांतरित करने की ईडी की अर्जी को तत्काल सूचीबद्ध करने के लिए छह बार उल्लेख किया गया। हालांकि, पीठ ने कहा, सीलबंद लिफाफे में जो कुछ दस्तावेज हैं, हमने उन्हें नहीं देखा है लेकिन सॉलिसीटर जनरल ने अनुरोध किया है कि हमें उन्हें देखना चाहिए, इसलिए हम उन्हें देखेंगे। यदि हमें लगा कि सामग्री सार्वजनिक करनी है तो हम इसकी अनुमति दे देंगे।

आठ राज्यों ने दिया राहुल...

इस बीच कांग्रेस अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ने का संकेत दे चुके पार्टी के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने सोमवार को सोनिया गांधी से मुलाकात की। बहरहाल, उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि कांग्रेस अध्यक्ष के साथ उनकी मुलाकात किस परिप्रेक्ष्य में हुई है। थरूर ने सोमवार को उस ऑनलाइन याचिका की पैरवी की जिसमें पार्टी के युवा सदस्यों ने सुधारों की मांग की और कहा है कि अध्यक्ष पद के हर उम्मीदवार को यह संकल्प लेना चाहिए कि निर्वाचित होने पर वह उदयपुर नवसंकल्प को पूरी तरह लागू करेगा।

भाजपा में शामिल हुए कैप्टन...

यह पूछे जाने पर कि क्या उनकी पत्नी परनीत कौर भी भाजपा में शामिल होंगी, सिंह ने कहा, क्या यह आवश्यक है कि पति जो करे, पत्नी भी वही करें? पूर्व मुख्यमंत्री सिंह की पत्नी परनीत कौर पटियाला से कांग्रेस की सांसद हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में उन्होंने सिंह के लिए प्रचार किया था। तोमर ने सिंह का भाजपा में स्वागत करते हुए कहा कि उनके आने से पंजाब में भाजपा की ताकत बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि अमरिंदर सिंह की सबसे बड़ी खासियत यह रही है कि उन्होंने हमेशा राष्ट्र को पार्टी और दलगत राजनीति से ऊपर रखा है। उन्होंने कहा, कैप्टन साहब की सोच भाजपा से मिलती रही है। जैसे भाजपा के लिए राष्ट्र सर्वप्रथम है, उसी प्रकार कैप्टन ने राष्ट्र प्रथम के सिद्धांत को अपने जीवन में अपनाया। इससे पहले, सिंह ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से भी मुलाकात की। सिंह ने पंजाब के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद पिछले साल कांग्रेस छोड़ दी थी और पीएलसी का गठन किया था।

पीएलसी ने भाजपा और सुखदेव सिंह ढींढसा की अगुवाई वाले शिरोमणि अकाली दल (संयुक्त) के साथ गठबंधन कर विधानसभा चुनाव लड़ा था। हालांकि, उसका एक भी उम्मीदवार जीत हासिल नहीं कर पाया था और खुद सिंह को भी अपने गढ़ पटियाला शहर से शिकस्त मिली थी। रीढ़ की हड्डी की सर्जरी के बाद लंदन से हाल में लौटने के बाद अमरिंदर सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की थी। सिंह ने 12 सितंबर को शाह के साथ अपनी मुलाकात के बाद कहा था कि उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा, पंजाब में मादक पदार्थ-आतंकवाद के बढ़ते मामलों और राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए भविष्य की रूपरेखा से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर बहुत सार्थक चर्चा की। दो बार मुख्यमंत्री रह चुके सिंह पूर्ववर्ती पटियाला शाही परिवार के वंशज हैं।

एससी-एसटी आयोग की सदस्य पहुंची निघासन पीड़िताओं के घर

संवाददाता। लखीमपुर-खीरी।

निघासन क्षेत्र के एक गांव में बुधवार को दो किशोरियों के साथ दुष्कर्म कर मौत के घाट उतार दिया गया था। सोमवार को एससी-एसटी आयोग एवं बाल अधिकार समिति की टीम एससी-एसटी आयोग की सदस्य अंजु बाला पीड़ित परिवार के घर पहुंचीं। अंजू बाला ने पीड़ित परिवार से पूरा घटनाक्रम जाना। परिवारीजन से सभी पहलुओं पर बात की। इस दौरान मृतक बहनों का भाई बोला कि आरोपितों के घर बुलडोजर क्यों नहीं चल रहा मैडम? एससीएसटी आयोग की सदस्य अंजु बाला ने पीड़ित परिवार से हाल ही में हुए घटनाक्रम की सिलसिलेवार जानकारी ली। साथ ही पुलिस और प्रशासन से मिले मदद पर भी विस्तार से चर्चा की। इस दौरान मौके पर सीओ संजय नाथ तिवारीए खंड विकास अधिकारी राकेश कुमार सिंह व इंस्पेक्टर के साथ बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा। किशोरियों के भाई ने एसएसटी आयोग की सदस्य से यह भी कहा कि शवों को दफनाने के लिए बुलडोजर तत्काल प्रशासन द्वारा मंगवा लिया गया लेकिन आरोपितों के घर पर बुलडोजर क्यों नहीं चला। भाई ने कहा कि पुलिस को बताया कि आरोपित छोटू कच्ची शराब भी बेचता है। पुलिस को इस बारे में पूरी जानकारी है लेकिन अभी तक उसके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई। टीम ने इंस्पेक्टर निघासन की क्लास लेते हुए कहा कि शराब से जन-धन दोनों का नुकसान है। ऐसे लोगों पर आखिर कार्रवाई क्यों नही हुईघ् भाई ने ये भी कहा कि जो आर्थिक मदद सरकार द्वारा दी गई हैए वह सब मेरे के लिए बेकार है। उससे मेरी बहनें वापस नहीं आ सकतीं। जब तक सभी आरोपितों को फांसी नहीं दी जाएगी तब तक हमको न्याय नहीं मिलेगा।

विपक्षी एकता में कांग्रेस को भी करेंगे शामिल

भाषा। पुणे

कांग्रेस व राहुल के लिए भारत जोड़ो यात्रा की उपयोगिता से इनकार नहीं किया जा सकता: शरद पवार

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) प्रमुख शरद पवार ने राहुल गांधी के नेतृत्व में निकाली जा रही भारत जोड़ो यात्रा की कांग्रेस नेता और उनकी पार्टी के लिए उपयोगिता सोमवार को रेखांकित की। पवार ने यह भी संकेत दिया कि 2024 के आम चुनावों के लिए यदि विपक्षी एकता आकार लेती है तो वह कांग्रेस को शामिल करने के खिलाफ नहीं हैं। महाराष्ट्र के सोलापुर जिले में पत्रकारों से बात करते हुए पवार ने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा जैसी बड़ी पदयात्राओं का राजनीतिक प्रभाव पड़ता है और लोग ऐसे कार्यक्रमों का ईमानदारी से स्वागत करते हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या भारत जोड़ो यात्रा का आने वाले दिनों में राजनीति पर प्रभाव पड़ेगा, पवार ने कहा कि जब इतनी बड़ी यात्राएं की जाती हैं, तो वे उपयोगी साबित होती हैं। पूर्व मुख्यमंत्री ने याद किया, जब (पूर्व प्रधानमंत्री) चंद्रशेखर ने इसी तरह की पदयात्रा की थी, तो उसे जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली थी। मैंने भी किसानों के लिए जलगांव से नागपुर (1980 में) मार्च निकाला था। उन्होंने कहा कि जब उनकी यात्रा उत्तरी महाराष्ट्र के जलगांव से शुरू हुई थी, तब उसमें करीब 5,000 लोग शामिल हुए थे और बुलढाणा में यह संख्या 50,000 और पूर्वी महाराष्ट्र के अकोला और अमरावती पहुंचने पर एक लाख से अधिक हो गई थी। पवार ने कहा, मार्च पूरे राज्य की राजनीति को बदलने के लिए उपयोगी साबित हुआ। कन्याकुमारी से 7 सितंबर को कश्मीर के लिए शुरू की गई भारत जोड़ो यात्रा पर पवार ने कहा, (कांग्रेस द्वारा) शुरू की गई इस पदयात्रा की पार्टी और व्यक्ति (राहुल गांधी) के लिए उपयोगिता के दृष्टिकोण से कोई इनकार नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि लोग ऐसे कार्यक्रमों का स्वागत करते हैं यदि वे बहुत लगन से आयोजित किए जाते हैं तो। यह पूछे जाने पर कि क्या 2024 के चुनावों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ विपक्ष का संयुक्त चेहरा होगा और क्या विपक्षी दल एकसाथ मिलकर चुनाव लड़ेंगे, पवार ने कहा कि भविष्य की किसी व्यवस्था के बारे में अभी कुछ नहीं कहा जा सकता। पवार ने कहा, हर कोई चाहता है कि कुछ किया जाना चाहिए लेकिन हम किसी नतीजे पर नहीं पहुंचे हैं। चर्चा की जा रही है। हाल ही में, नीतीश कुमार (जदयू प्रमुख) मेरे पास आए थे। इसी विषय पर चर्चा हुई थी। दूसरे दिन (तृणमूल कांग्रेस प्रमुख) ममता बनर्जी ने मुझसे मुलाकात की और उन्होंने भी यही रुख रखा। केरल और तमिलनाडु के नेताओं ने भी इसी तरह के विचार व्यक्त किए। ए राय हैं लेकिन अभी तक किसी नतीजे पर नहीं पहुंचे हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या कांग्रेस विपक्षी एकता में बाधा बन रही है, राकांपा प्रमुख पवार ने कहा कि कुछ लोगों का मानना है कि उसे (विपक्षी गुट में) शामिल नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, हालांकि मेरी राय है कि किसी को दूसरे को शामिल किए जाने का विरोध करने का रुख नहीं अपनाना चाहिए। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के इन आरोपों के बारे में पूछे जाने पर कि उन्होंने (पवार) और उद्धव ठाकरे ने शिवसेना सांसद संजय राउत की उपेक्षा की है, जो वर्तमान में धनशोधन मामले में जेल में बंद हैं, पवार ने कहा कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा राउत की गिरफ्तारी सत्ता के दुरुपयोग को दर्शाती है। पवार ने आरोप लगाया, उन्हें (राउत को) बिना किसी कारण के जेल में डाल दिया गया। उन्हें जेल में किसने डाला? जिन लोगों ने उन्हें जेल में डाला, वे कह रहे हैं कि हम उनकी उपेक्षा कर रहे हैं। यह सत्ता के दुरुपयोग के अलावा और कुछ नहीं है। चाहे वह अनिल देशमुख हों या नवाब मलिक (दोनों राकांपा नेता) या राउत, उन्हें बिना किसी कारण के जेल में डाल दिया गया। उन्होंने कहा कि मुंबई के शिवाजी पार्क में वार्षिक दशहरा रैली आयोजित करने को लेकर ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना का रुख जायज है। इस बारे में पूछे जाने पर कि ठाकरे खेमे को अभी भी रैली करने की अनुमति का इंतजार है, पवार ने कहा कि वह पिछले 30-40 वर्षों से देख रहे हैं कि शिवसेना, जिसका नेतृत्व पहले बाल ठाकरे करते थे, शिवाजी पार्क में दशहरा रैली कर रही है, जो एक तरह से परंपरा है। उन्होंने कहा, इस परंपरा को जारी रखने के लिए अगर वे शिवाजी पार्क में रैली करने की अनुमति मांग रहे हैं तो मुझे लगता है कि इसमें कुछ भी गलत नहीं है।

पवार ने यह भी कहा कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले शिवसेना खेमे को भी दशहरा रैली आयोजित करने का अधिकार है और उसे मुंबई के बांद्रा कुर्ला काम्प्लेस स्थित एमएमआरडीए मैदान में कार्यक्रम आयोजित करने की अनुमति दी गई है। उन्होंने कहा, जैसे उनका मुद्दा सुलझ गया है, दूसरों का विरोध क्यों करें? मैं कह रहा हूं कि वे (शिंदे खेमा) शिवाजी पार्क में (उद्धव ठाकरे खेमे को) रैली आयोजित करने की अनुमति देने का विरोध नहीं कर सकते।

कांग्रेस अध्यक्ष पद: थरूर ने उदयपुर नवसंकल्प के क्रियान्वयन की मांग वाली याचिका की पैरवी की

भाषा। नई दिल्ली

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने सोमवार को उस ऑनलाइन याचिका की पैरवी की जिसमें पार्टी के युवा सदस्यों ने सुधारों की मांग की और कहा है कि अध्यक्ष पद के हर उम्मीदवार को यह संकल्प लेना चाहिए कि निर्वाचित होने पर वह उदयपुर नवसंकल्प को पूरी तरह लागू करेगा। अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ने के बारे में विचार कर रहे लोकसभा सदस्य थरूर ने ट्विटर पर यह याचिका साझा की और कहा कि अब तक इस पर 650 से अधिक लोगों ने हस्ताक्षर किए हैं।

उन्होंने कहा, मैं उस याचिका का स्वागत करता हूं जिसे कांग्रेस के युवा सदस्यों का एक समूह प्रसारित कर रहा है। इसमें पार्टी के भीतर रचनात्मक सुधारों की मांग की गई है। इस पर 650 से अधिक लोगों ने अब तक हस्ताक्षर किए हैं। मैं इसकी पैरवी करके खुश हूं। इस ऑनलाइन याचिका में कहा गया है, कांग्रेस के सदस्य के तौर पर हमारी यह इच्छा है कि पार्टी को इस तरह मजबूत किया जाए कि उसमें हमारे राष्ट्र की आशाओं और आकांक्षाओं की झलक मिले। इसमें यह भी कहा गया है, हम कांग्रेस अध्यक्ष का चुनाव लड़ने वाले हर उम्मीदवार से अपील करते हैं कि वह यह संकल्प ले कि ब्लॉक कमेटी से लेकर कांग्रेस कार्य समिति तक, पार्टी के सभी सदस्यों को वह साथ लेकर चलेगा और पदभार ग्रहण करने के 100 दिनों के भीतर उदयपुर नवसंकल्प को पूरी तरह लागू करेगा। कांग्रेस ने उदयपुर में गत मई महीने में हुए चिंतन शिविर के बाद उदयपुर नवसंकल्प जारी किया था जिसमें पार्टी के संगठन में कई सुधार सुझाए गए थे। इनमें एक व्यक्ति, एक पद और एक परिवार, एक टिकट की व्यवस्था की बातें प्रमुख हैं। कांग्रेस अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए अधिसूचना 22 सितंबर को जारी की जाएगी और नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया 24 से 30 सितंबर तक चलेगी। नामांकन वापस लेने की अंतिम तिथि आठ अक्टूबर है। एक से अधिक उम्मीदवार होने पर 17 अक्टूबर को मतदान होगा और नतीजे 19 अक्टूबर को घोषित किए जाएंगे।

शशि ने सोनिया गांधी से मुलाकात की

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने पार्टी अध्यक्ष के चुनाव से पहले सोमवार को पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी से मुलाकात की। बहरहाल, उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि उनकी मुलाकात किस परिप्रेक्ष्य में हुई है। लोकसभा सदस्य थरूर ने सोनिया गांधी से मुलाकात ऐसे समय की है जब हाल ही में उन्होंने ऐसे संकेत दिए हैं कि वह अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ सकते हैं। कांग्रेस अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए अधिसूचना 22 सितंबर को जारी की जाएगी और नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया 24 से 30 सितंबर तक चलेगी। नामांकन वापस लेने की अंतिम तिथि आठ अक्टूबर है। एक से अधिक उम्मीदवार होने पर 17 अक्टूबर को मतदान होगा और नतीजे 19 अक्टूबर को घोषित किए जाएंगे। उधर, कांग्रेस महासचिव और झारखंड प्रभारी अविनाश पांडे ने भी सोनिया गांधी से मुलाकात की। माना जा रहा है कि उन्होंने झारखंड के राजनीतिक घटनाक्रम के बारे में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को सूचित किया। कुछ सप्ताह पहले, झारखंड के तीन कांग्रेस विधायक पश्चिम बंगाल में कथित तौर पर पैसे के साथ पकड़े गए थे।

कोर्ट ने संजय राउत की न्यायिक हिरासत बढ़ाई, ईडी के पूरक आरोपपत्र पर संज्ञान लिया

भाषा। मुंबई

यहां की एक विशेष अदालत ने सोमवार को शिवसेना सांसद संजय राउत की न्यायिक हिरासत 14 दिन के लिए और बढ़ा दी तथा एक पूरक आरोपपत्र पर संज्ञान लिया, जिसमें उनका नाम धनशोधन के एक मामले में आरोपी के रूप में लिया गया है।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मुंबई के गोरेगांव इलाके में पात्रा चॉल के पुनर्विकास में कथित वित्तीय अनियमितताओं के संबंध में राज्यसभा सदस्य राउत (60) को एक अगस्त को गिरफ्तार किया था। ईडी ने पिछले हफ्ते पूरक आरोपपत्र दाखिल किया था, जिसमें राउत को मामले में आरोपी बनाया गया था। राउत ने जमानत के लिए धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) मामलों की विशेष अदालत का रुख किया है। विशेष न्यायाधीश एमजी देशपांडे ने अभियोजन की शिकायत पर संज्ञान लेते हुए शिवसेना सांसद के सहयोगी प्रवीण राउत समेत मामले के सभी आरोपियों को समन जारी किया। अदालत ने सोमवार को संजय राउत की न्यायिक हिरासत भी 14 दिन के लिए और बढ़ा दी। शिवसेना नेता की जमानत पर सुनवाई 21 सितंबर तक के लिए स्थगित कर दी गई थी, क्योंकि उनके वकील ने कहा था कि वह आरोपपत्र का अध्ययन करना चाहते हैं और उनकी याचिका में अतिरिक्त आधार जोड़ने का फैसला करना चाहते हैं। ईडी की जांच पात्रा चॉल के पुनर्विकास और राउत की पत्नी तथा कथित सहयोगियों से संबंधित वित्तीय संपत्ति के लेनदेन में कथित वित्तीय अनियमितताओं से संबंधित है।

त्विक न्यूज

तमिलनाडु में 4500 क्विंटल से ज्यादा पीडीएस के चावल की तस्करी को नाकाम किया: सरकार

चेन्नई। तमिलनाडु में सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के तहत दिए जाने वाले 4500 क्विंटल से अधिक चावल की तस्करी को नाकाम किया गया है और इस बाबत 174 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। एक सरकारी विज्ञप्ति में सोमवार को बताया गया कि इस चावल की कीमत करीब 27 लाख रुपए है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि पीडीएस के तहत दिए जाने वाले चावल की तस्करी को रोकने के प्रयासों के तहत 4813 क्विंटल चावल पांच से 11 सितंबर के बीच जब्त किया गया है। उसमें कहा गया है कि चावल की तस्करी करने की कोशिश में 54 गाड़ियां शामिल थीं जिन्हे जब्त कर लिया गया है और 174 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

गोवा: कांग्रेस के दो विधायकों पर भूमि विवाद मामले में अभियोजन की अनुमति दलबदल से दो दिन पहले दी गई

पणजी। गोवा सरकार द्वारा गठित एक निकाय ने राज्य में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में हाल में शामिल हुए कांग्रेस के आठ विधायकों में से दो के खिलाफ भूमि भराव के एक मामले में मुकदमा चलाने की अनुमति दे दी है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने कहा कि उत्तरी गोवा योजना एवं विकास प्राधिकरण (एनजीपीडीए) ने मापुसा पुलिस थाने में दर्ज भूमि भराव के एक मामले में विधायक माइकल लोबो और उनकी पत्नी दलीला लोबो के खिलाफ मुकदमा चलाने की सहमति दे दी थी। नगर एवं ग्राम नियोजन (टीसीपी) विभाग के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि कांग्रेस के आठ विधायकों के 14 सितंबर को अन्य दल में शामिल होने से दो दिन पहले ही अभियोजन की सहमति दी गई थी।

कोलकाता हवाई अड्डे पर यात्री के पास से एक करोड़ रुपए मूल्य की विदेशी मुद्रा जब्त

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कोलकाता स्थित अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक यात्री के पास से एक करोड़ रुपए से अधिक मूल्य के अमेरिकी डॉलर जब्त किए है। ईडी ने सोमवार को यह जानकारी दी। सीमा शुल्क विभाग ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 16 सितंबर को एक महिला को विदेशी मुद्रा में एक बड़ी रकम ले जाते पाया, जिसके बाद उसे रोका गया। एजेंसी ने एक बयान में बताया कि विभाग ने ईडी को इसकी जानकारी दी और अधिकारियों को उसके पास से 100 डॉलर के 1,300 नोट मिले।

शिवाजी पार्क में रैली को लेकर आमने-सामने आए शिवसेना के दोनों गुट

मुंबई। उद्धव ठाकरे नीत शिवसेना ने सोमवार को कहा कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले धड़े को यहां बांद्रा कुर्ला परिसर (बीकेसी) में रैली करने की मंजूरी मिलने के बाद अब उनके लिए मुंबई के शिवाजी पार्क में अपनी वार्षिक दशहरा रैली की अनुमति प्राप्त करना आसान होगा। शिवसेना के सांसद एवं प्रवक्ता अरविंद सावंत ने कहा कि शिंदे समूह को बीकेसी के एमएमआरडीए मैदान में रैली करने की अनुमति देते समय पहले आओ-पहले पाओ के सिद्धांत को लागू किया गया। एमएमआरडीए मैदान पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के निजी आवास मातोश्री से मामूली दूरी पर स्थित है।प्रतिद्वंद्वी शिवसेना गुटों ने प्रतिष्ठित शिवाजी पार्क में रैली आयोजित करने दावा किया है। दोनों पक्षों ने अगले माह दशहरा के मौके पर वहां रैली करने के लिए अनुमति मांगी है। शिंदे गुट को बीकेसी में रैली के लिए अनुमति मिल गई है, लेकिन बृहन्मुंबई महानगर निगम (बीएमसी) द्वारा अभी तक शिवाजी पार्कमैदान के संबंध में कोई निर्णय नहीं किया गया है।

विद्यार्थियों को भजन गाने के लिए मजबूर करना सरकार के हिंदुत्व एजेंडे को उजागर करता है : महबूबा

श्रीनगर। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने सोमवार को कहा कि कश्मीर के कुछ स्कूलों में विद्यार्थियों को हिंदू भजन गाने के लिए निर्देश दिए जा रहे है, जो भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के असली हिंदुत्व एजेंडे को उजागर करता है। महबूबा ने एक ट्वीट में कहा, धार्मिक विद्वानों को जेल में डालना, जामा मस्जिद को बंद करना और यहां स्कूली बच्चों को हिन्दू भजन गाने के लिए निर्देश देना, कश्मीर में भारत सरकार के वास्तविक हिंदुत्व एजेंडे को उजागर करता है। पीडीपी अध्यक्ष ने एक वीडियो साझा किया जिसमें स्कूल के कर्मचारी एक कक्षा में विद्यार्थियों को प्रसिद्ध भजन रघुपति राघव राजा राम गाने के लिए कहते हुए दिखाई दे रहे है। उन्होंने कहा, विक्षिप्त हुक्मरानों को नकारना जन सुरक्षा अधिनियम (पीएसए) और गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) को आमंत्रित करता है।

लोकपाल को इस साल अभी तक घूस की 1,719 शिकायतें मिली

नई दिल्ली। उच्च सरकारी पदों पर आसीन व्यक्तियों द्वारा किए जा रहे भ्रष्टाचार की शिकायतें सुनने तथा उन पर कार्वाई करने वाले लोकपाल को इस साल अभी तक 1,719 शिकायतें मिली है, जिनमें से 136 को जांच करने के लिए दर्ज किया गया है। सूचना का अधिकार कानून के तहत पीटीआई-भाषा को मिली जानकारी के अनुसार, लोकपाल के कार्यालय ने बताया कि 2022-23 (21 अगस्त 2022) तक मिली कुल शिकायतों में से 134 निर्धारित प्रारूप में थी और 1,585 बिना निर्धारित प्रारूप के थीं। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, निर्धारित प्रारूप में मिली 133 घूस की शिकायतें दर्ज की गई, जिनमें से 83 का निस्तारण कर दिया गया और 50 लंबित हैं। लंबित शिकायतों में से 12 की जांच चल रही है। लोकपाल के कार्यालय ने बताया कि बिना निर्धारित प्रारूप के मिली शिकायतों में केवल तीन दर्ज की गईं। उसने बताया कि 2022-23 में घूसखोरी की कुल 1,719 शिकायतों में से 1,635 शिकायतें लंबित हैं। केंद्र सरकार ने मार्च 2020 में लोकपाल (शिकायत) नियम अधिसूचित किए थे, जिसमें एक निर्धारित प्रारूप में शिकायत दर्ज कराने का प्रस्ताव रखा गया। लोकपाल ने पिछले महीने केवल निर्धारित प्रारूप में मिली भ्रष्टाचार की शिकायतों को ही स्वीकार करने का फैसला किया था। लोकपाल को 2021-22 के दौरान 5,680 शिकायतें मिली थीं, जिनमें से 169 निर्धारित प्रारूप में थीं और 5,511 शिकायतें बिना प्रारूप के थीं। लोकपाल कार्यालय ने एक सवाल के जवाब में कहा, जांच निदेशक और अभियोजन निदेशक का पद खाली है।

झाबुआ में छात्रों के साथ अभद्र भाषा का उपयोग करने पर एसपी हटाए गए

भाषा। भोपाल/झाबुआ

मध्यप्रदेश में पॉलिटेक्निक छात्रों के साथ कथित तौर पर अभद्र भाषा का उपयोग करने के मामले में झाबुआ जिले के पुलिस अधीक्षक (एसपी) अरविंद तिवारी को सोमवार को इस पद से हटा दिया गया। इस दुर्व्यवहार से जुड़े एक कथित ऑडियो के सोशल मीडिया पर प्रसारित होने के बाद मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के निर्देश पर प्रदेश सरकार ने उन्हें पद से हटाया।

मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश के ट्विटर हैंडल पर चौहान का सोमवार को एक वीडियो जारी किया गया, जिसमें वह प्रदेश के अधिकारियों को यह कहते हुए सुनाई दे रहे हैं, झाबुआ पुलिस अधीक्षक को आप तत्काल हटाइए। वह जिस भाषा में बात कर रहे हैं, वह बहुत ही अशोभनीय है। बच्चों (पॉलिटेक्निक छात्रों) के साथ इस भाषा में ऐसे कोई कैसे बात कर सकता है। अभी इसी क्षण तुरंत हटा दें। मुख्यमंत्री ने इस घटना की विस्तृत जांच कर शीघ्र रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए हैं। इसके कुछ ही मिनटों बाद मध्यप्रदेश के गृह विभाग ने आदेश जारी कर झाबुआ पुलिस अधीक्षक तिवारी का तबादला कर पुलिस मुख्यालय भोपाल में सहायक पुलिस महानिरीक्षक के रूप में कर दिया। इसकी पुष्टि प्रदेश के गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने की है। वहीं, प्रसारित ऑडियो क्लिप के बारे में पूछे जाने पर तिवारी ने पीटीआई-भाषा को बताया कि कल रात झाबुआ पोलिटेक्निक कॉलेज के दो समूह में झगड़ा हुआ होगा, क्योंकि मुझे उन्होंने फोन लगाया। तिवारी ने कहा कि उन्होंने कहा, तुम लोग पढ़ने आए हो या कुत्तों की तरह लड़ने आए हो, दोनों को अंदर कर देंगे। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि उन्होंने उनके इन शब्दों को पकड़ लिया और इन्हें अभद्र भाषा बताया।

गुजरात में इस साल अगस्त तक 50 लोगों को सुनाई गई मृत्युदंड की सजा

अहमदाबाद (गुजरात)। गुजरात की अदालतों ने इस साल अगस्त तक 50 लोगों को मृत्युदंड की सजा सुनाई है, जबकि 2006 से 2021 के बीच में केवल 46 लोगों को मौत की सजा सुनाई गई थी। राज्य की अदालतों के उपलब्ध आंकड़ों में जानकारी दी गई है। आंकड़ों के अनुसार, फरवरी 2022 में एक विशेष अदालत ने 2008 अहमदाबाद सिलसिलेवार धमाकों के मामले में 38 दोषियों को मौत की सजा सुनाई थी। इन धमाकों में 56 लोग मारे गए थे और 200 अन्य लोग घायल हो गए थे।

इसके अलावा, विभिन्न शहरों की निचली अदालतों ने यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत दर्ज नाबालिगों के बलात्कार और हत्या के मामलों के दोषियों को भी मौत की सजा सुनाई। गुजरात में 2011 में विभिन्न मामलों में 13 लोगों को मौत की सजा सुनाई गई थी। हालांकि इसके अलावा 2006 से 2021 के बीच कभी एक साल में चार से अधिक लोगों को मृत्युदंड की सजा नहीं दी गई।

पादप का संरक्षण मानवता की साझा जिम्मेदारी : नरेंद्र तोमर

केंद्रीय कृषि मंत्री ने किया आईटीपीजीआरएफए के 9वें सत्र का उद्घाटन

भारत नागरिकों के लिए खाद्य एवं पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्रति प्रतिबद्ध

नई दिल्ली में सोमवार को आईटीपीजीआरएफए बैठक को संबोधित करते हुए केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने सोमवार को कहा कि पादप अनुवांशिक का संरक्षण मानवता की साझा जिम्मेदारी है, क्योंकि पादप आनुवांशिक संसाधन प्रजनन चुनौतियों के समाधान का स्रोत हैं।

केंद्रीय मंत्री नरेंद्र तोमर ने अंतर्राष्ट्रीय खाद्य और कृषि के लिए पादप आनुवंशिक संसाधन संधि (आईटीपीजीआरएफए) के शासी निकाय के नौवें सत्र (जीबी-9) की बैठक का उद्घाटन करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि पादप के मूल उत्पत्ति वाले स्थान के विनाश और जलवायु परिवर्तन के कारण पादप आनुवंशिक संसाधन भी कमजोर हैं, इसलिए उनका संरक्षण मानवता की साझा जिम्मेदारी है। हमें इन्हें संरक्षित करने और सतत रूप से उपयोग करने के लिए सभी आधुनिक प्रौद्योगिकियों के साथ-साथ पारंपरिक ज्ञान का उपयोग करना चाहिए।

भारत में आईटीपीजीआरएफए की बैठक नई दिल्ली में 24 सितंबर तक चलेगी। यह संधि संयुक्त राष्ट्र खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) के 31वें सत्र के दौरान नवंबर-2001 में रोम में की विधिक रूप से बाध्यकारी व्यापक समझौता है, जो 29 जून 2004 से प्रभावी हुआ, वर्तमान में इसमें भारत सहित 149 अनुबंधित पक्ष हैं। यह संधि, जैविक विविधता कन्वेंशन के सामंजस्य में, विश्व के खाद्य एवं कृषि पादप आनुवंशिक संसाधनों (पीजीआरएफए) के संरक्षण, विनिमय और सतत उपयोग के माध्यम से खाद्य सुरक्षा प्राप्त करने, इसके उपयोग से होने वाले लाभ के समान बंटवारे के साथ-साथ किसानों के अधिकारों की मान्यता में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

उद्घाटन सत्र में तोमर ने कहा कि पादप संधि का उद्देश्य फसलों की विविधता में किसानों और स्थानीय समुदायों के योगदान को मान्यता देना है। तोमर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में किसानी बढ़ रही है, किसान समृद्ध हो रहे हैं और हमारी अर्थव्यवस्था को बल देने का काम भी प्रधानमंत्री द्वारा किया जा रहा है। इस अवसर पर कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के सचिव मनोज आहूजा, कृषि अनुसंधान और शिक्षा विभाग के सचिव व आईसीएमआर के महानिदेशक डॉ. हिमांशु पाठक, जीबी-9 ब्यूरो की अध्यक्ष यास्मीना अल-बहलौल, यूएन के समन्वयक शोम्बी शार्प, कृषि मंत्रालय के संयुक्त सचिव अश्विनी कुमार,जीबी-9 के महासचिव केंट नेन्डोजे भी मौजूद थे।

केरल के राज्यपाल ने 2019 में उन्हें परेशान किए जाने की घटना के वीडियो क्लिप साझा किए

भाषा। तिरुवनंतपुरम

केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने राज्य की वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) सरकार के साथ जारी विवाद के बीच, एक अप्रत्याशित कदम उठाते हुए, 2019 में कन्नूर विश्वविद्यालय में आयोजित एक समारोह में उन्हें कथित रूप से परेशान किए जाने के वीडियो क्लिप मीडिया के साथ सोमवार को साझा किए। राज्यपाल ने राज्य के विश्वविद्यालयों की कार्यप्रणाली पर मुख्यमंत्री पिनराई विजयन द्वारा उन्हें भेजे गए पत्र और उनके भेजे जवाब भी मीडिया में जारी किए। राज्यपाल खान ने राजभवन सभागार में लगाए गए दो बड़े स्क्रीन पर घटना के वीडियो दिखाए। उन्होंने कहा कि इन वीडियो में एक वरिष्ठ पदाधिकारी को पुलिस को अपना काम करने से रोकते देखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि यह पदाधिकारी अब मुख्यमंत्री कार्यालय में कार्यरत है। खान ने कहा, जिस राज्य में काली कमीज पहनने पर लोगों को गिरफ्तार किया गया है, वहां ऐसी चीजें होती हैं। पुलिसकर्मियों ने स्थिति को नियंत्रित करने की कोशिश की और लोगों को मुझ तक पहुंचने से रोका। उन्होंने कहा, इस समय मुख्यमंत्री के कार्यालय में कार्यरत एक वरिष्ठ पदाधिकारी को वीडियो में पुलिस को अपना काम करने से रोकते देखा जा सकता है। राज्यपाल ने कहा, रागेश ने पुलिस को अपना काम करने से रोका। संभवत: इसी लिए उन्हें इनाम दिया गया। उन्होंने सवाल किया कि यदि कन्नूर विश्वविद्यालय में प्रदर्शन अचानक हुआ था, तो कुछ प्रदर्शनकारी पोस्टर तैयार करके कैसे लाए थे? खान ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार का पूरा ध्यान उससे भिन्न विचार रखने वाले लोगों को चुप कराने पर केंद्रित है और यहां तक कि राजभवन को भी नहीं बख्शा गया। उन्होंने कहा कि सरकार ने राजभवन के कर्मियों की भर्ती के संबंध में पूछताछ करके उसकी कार्यप्रणाली में भी हस्तक्षेप करने की कोशिश की और इसलिए उन्होंने इसके खिलाफ कदम उठाया। राज्यपाल ने कहा, उन्हें अपनी गलती स्वीकार करनी पड़ी। मैं जानता था कि वह व्यक्ति (वह सरकारी अधिकारी, जिसने नियुक्ति पर सवाल उठाते हुए पत्र लिखा था) निर्दोष था, लेकिन मैं यह संदेश देना चाहता था कि दबाव की ए रणनीतियां मुझ पर काम नहीं करेंगी। इससे भी उनकी आंखें नहीं खुलीं। उन्होंने कहा, दबाव बनाने की रणनीतियां अब भी अपनाई जा रही हैं। इसके और अन्य कारणों की वजह से मुझे अब यह मामला उठाना पड़ा। खान ने कहा कि राज्य सरकार उनकी शक्तियों को कम नहीं कर सकती, क्योंकि उन्होंने ही उन्हें पद की शपथ दिलाई है, ना कि इसका उल्टा है। केरल सरकार पर तीखा हमला करते हुए खान ने कहा कि यह शर्म की बात है कि राज्य के राजस्व का मुख्य जरिया लॉटरी और शराब की बिक्री है।

ईडी ने कर्नाटक कांग्रेस के अध्यक्ष शिवकुमार से पूछताछ की

भाषा। नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार को कांग्रेस की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष डी के शिवकुमार से उनके खिलाफ धन शोधन के एक दूसरे मामले की जांच के सिलसिले में पूछताछ की। कांग्रेस के 60 वर्षीय नेता शिवकुमार दोपहर करीब 12 बजे ए पी जे अब्दुल कलाम रोड पर स्थित संघीय एजेंसी के कार्यालय पहुंचे तथा उन्हें ईडी कार्यालय में प्रवेश करते हुए देखा गया।

ईडी ने कथित रूप से आय से अधिक संपत्ति से जुड़े सीबीआई के 2020 के एक मामले का संज्ञान लेने के बाद धनशोधन के एक दूसरे मामले में पिछले सप्ताह शिवकुमार को सम्मन भेजा था। शिवकुमार करीब चार और लोगों के साथ भोजनावकाश के दौरान ईडी दफ्तर से निकले और फिर वापस अंदर गए। कर्नाटक के पूर्व मंत्री ने संवाददाताओं के सवालों का कोई जवाब नहीं दिया और कहा कि वह बाद में बात करेंगे। सीबीआई ने 74.93 करोड़ रुपए की कथित आय से अधिक संपत्ति रखने के मामले में शिवकुमार और उनके परिवार के सदस्यों के खिलाफ वाद दर्ज किया था। कांग्रेस नेता ने ईडी का सम्मन मिलने के बाद कहा था कि उन्हें मालूम नहीं है कि ईडी ने उन्हें किस मामले में पेश होने के लिए कहा है। शिवकुमार ने 15 सितंबर को ट्वीट किया था, भारत जोड़ो यात्रा तथा विधानसभा सत्र के मध्य में उन्होंने मुझे पेश होने के लिए फिर से ईडी का समन भेजा है। मैं सहयोग करने के लिए तैयार हूं लेकिन सम्मन जारी करने का वक्त और मुझे जो प्रताड़ना दी जा रही है वह मेरे संवैधानिक और राजनीतिक कर्तव्यों के निर्वहन में आड़े आ रहा है। ईडी ने शिवकुमार को धनशोधन के एक मामले में तीन सितंबर 2019 को गिरफ्तार किया था, लेकिन उन्हें उसी वर्ष अक्टूबर में दिल्ली उच्च न्यायालय ने जमानत दे दी थी।

दीर्घकालिक विकास के लिए भारत को भारत बनकर रहना होगा: भागवत

भाषा। नई दिल्ली

सरसंघचालक मोहन भागवत ने सोमवार को कहा कि विकास के लिए भारत को किसी दूसरे देश का अनुसरण करने की बजाए भारत बनकर ही रहना होगा। उन्होंने कहा कि अगर हम चीन, रूस, अमेरिका बनने का प्रयास करेंगे, तो वह नकल करना होगा। उन्होंने कहा कि ऐसा करने पर लोग तमाशा देखने जरूर आएंगे लेकिन वह भारत का विकास नहीं होगा। साथ ही उन्होंने कहा कि भारत के इतिहास तथा उसके धन एवं रण गौरव को निरंतर गलत बताने वाले लोगों पर विश्वास करना गलती थी और विकास के दीर्घकालिक लक्ष्य को हासिल करने के लिए भूगोल की जानकारी एवं इतिहास पर गर्व करना जरूरी है। भागवत ने कनेक्टिंग विद द महाभारत पुस्तक का विमोचन करते हुए यह बात कही।

सरसंघचालक ने कहा, कुछ लोगों ने प्रयत्न किए कि हम अपने देश को, अपने इतिहास को भूल जाएं। वे हमें बता रहे थे कि हमारे इतिहास में कुछ नहीं है, कोई धन गौरव, रण गौरव नहीं है। वे हमारे ग्रंथों को गलत बता रहे थे। भागवत ने कहा कि ऐसे लोग इस तरह की बातें इसलिए कह रहे थे क्योंकि उन्हें स्वार्थ साधना था। उन्होंने कहा कि महाभारत, रामायण को कविता, कहानी बताया गया। लेकिन यह समझना जरूरी है कि क्या कोई कल्पना इतनी लम्बी चलती है ? भागवत ने कहा कि वेद व्यास को सिंहासन की आस नहीं थी और वे एक ऋषि थे, ऐसे में महाभारत में व्यास गलत क्यों बोलेंगे ? उन्होंने कहा कि सुख और दुख आने जाने वाली बात है और हमें अपने धर्म पर कायम रहना चाहिए.. यही महाभारत का बोध है। सरसंघचालक ने कहा कि भारत को किसी दूसरे देश का अनुसरण करने की बजाए भारत बनकर ही रहना होगा।

ताइवान पर आमने-सामने चीन और अमेरिका

● देश को विभाजित करने वाली किसी भी गतिविधि को बर्दाश्त नहीं करेंगे : चीन

● बाइडन के साक्षात्कार पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता का कहा कि अमेरिकी नेता की इस टिप्पणी ने एक चीन नीति और ताइवान से संबंधित तीन संयुक्त शासकीय परिपत्रों का गंभीर उल्लंघन किया है

भाषा। बीजिंग

चीन ने सोमवार को कहा कि वह ताइवान के शांतिपूर्ण एकीकरण के लिए पूरी ईमानदारी से प्रयास करेगा और देश को विभाजित करने के उद्देश्य से की गई किसी भी गतिविधि को कतई बर्दाश्त नहीं करेगा।

चीन की इस टिप्पणी को अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के ताइवान को लेकर दिए गए बयान के जवाब के रूप में देखा जा रहा है। बाइडन ने कहा है कि यदि चीन स्वशासित ताइवान पर हमला करने की कोशिश करता है, तो अमेरिकी सेना उसकी रक्षा करेगी। चीन इस स्वशासित द्वीप पर अपना दावा करता है। समाचार चैनल सीबीएस न्यूज पर प्रसारित 60 मिनट्स कार्यक्रम के दौरान एक साक्षात्कार में बाइडन से रविवार को पूछा गया कि यदि चीन ताइवान पर हमला करता है, तो क्या अमेरिकी सुरक्षाबल, अमेरिकी पुरुष एवं महिलाएं उसकी रक्षा करेंगे। इसके जवाब में बाइडन ने हां कहा। सीबीएस न्यूज ने बताया कि साक्षात्कार के बाद व्हाइट हाउस ने कहा कि अमेरिकी नीति में कोई बदलाव नहीं आया है। इस नीति के तहत अमेरिका का मानना है कि ताइवान का मामला शांतिपूर्ण तरीके से सुलझाया जाना चाहिए, लेकिन नीति यह नहीं बताती कि चीनी हमले की स्थिति में अमेरिकी सुरक्षाबलों को भेजा जा सकता है या नहीं। चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने सीबीएस न्यूज के साथ बाइडन के साक्षात्कार पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए सोमवार को कहा कि अमेरिकी नेता की इस टिप्पणी ने एक चीन नीति और ताइवान से संबंधित तीन संयुक्त शासकीय परिपत्रों का गंभीर उल्लंघन किया है। माओ निंग ने कहा कि बाइडन की टिप्पणी ने ताइवान की स्वतंत्रता का समर्थन नहीं करने की अमेरिकी प्रतिबद्धता का गंभीर रूप से उल्लंघन किया और ताइवान की स्वतंत्रता की मांग करने वाली ताकतों को एक गलत संकेत दिया है। चीनी प्रवक्ता ने कहा, चीन इसकी निंदा करता है और इसका कड़ा विरोध करता है और इस संबंध में हमने कई अभ्यावेदन शुरू किए हैं। माओ ने कहा, चीन केवल एक है और ताइवान इसका हिस्सा है तथा चीनी गणराज्य (पीआरसी) की सरकार पूरे चीन का प्रतिनिधित्व करने वाली एकमात्र सरकार है। उन्होंने कहा कि मातृभूमि के पूर्ण एकीकरण को प्राप्त करना सभी चीनी लोगों की साझा आकांक्षा और पवित्र कर्तव्य है।

माओ ने कहा, हम अत्यंत ईमानदारी और प्रयासों के साथ शांतिपूर्ण एकीकरण की संभावना के लिए प्रयास करेंगे। इसके बीच, हम चीन को विभाजित करने के उद्देश्य से किसी भी गतिविधि को बर्दाश्त नहीं करेंगे और हम आवश्यक उपाय करने के सभी विकल्प सुरक्षित रखते हैं। उन्होंने कहा, हम अमेरिका से ताइवान के मुद्दे की अत्यंत महत्वपूर्ण और अत्यधिक संवेदनशील प्रकृति को पूरी तरह से समझने और एक चीन सिद्धांत और तीन संयुक्त शासकीय परिपत्रों का पालन करने का आग्रह करते हैं, ताइवान की स्वतंत्रता का समर्थन नहीं करने की अमेरिकी नेतृत्व की प्रतिबद्धता को गंभीरता से लागू करें।

बाइडन का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग की सरकार ने समुद्र में मिसाइल दागकर और निकटवर्ती इलाकों में लड़ाकू विमान भेजकर ताइवान को धमकाने की कोशिश की है। अमेरिकी की प्रतिनिधि सभा की स्पीकर नैंसी पेलोसी समेत कई राजनीतिक हस्तियों ने ताइवान की यात्रा की है, जिसके कारण तनाव बढ़ गया है। इस बीच ताइवान के विदेश मंत्रालय ने अमेरिकी सरकार के ताइवान की सुरक्षा के पक्के वादे की पुष्टि करने के लिए सोमवार को बाइडन को धन्यवाद दिया।

चीन के हमला करने की स्थिति में ताइवान की रक्षा करेगा अमेरिका : बाइडन

बीजिंग। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा कि यदि चीन ताइवान पर हमला करने की कोशिश करता है, तो अमेरिकी बल उसकी रक्षा करेंगे। चीन इस स्वशासित द्वीप पर अपना दावा करता है। समाचार चैनल सीबीएस न्यूज पर प्रसारित 60 मिनट्स कार्यक्रम के दौरान एक साक्षात्कार में बाइडन से रविवार को पूछा गया कि यदि चीन ताइवान पर हमला करता है, तो क्या अमेरिकी बल, अमेरिकी पुरुष एवं महिलाएं उसकी रक्षा करेंगे। इसके जवाब में बाइडन ने हां कहा। सीबीएस न्यूज ने बताया कि साक्षात्कार के बाद व्हाइट हाउस ने कहा कि अमेरिकी नीति में कोई बदलाव नहीं आया है। इस नीति के तहत अमेरिका का मानना है कि ताइवान का मामला शांतिपूर्ण तरीके से सुलझाया जाना चाहिए, लेकिन नीति यह नहीं बताती कि चीनी हमले की स्थिति में अमेरिकी बलों को भेजा जा सकता है या नहीं। बाइडन का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग की सरकार ने समुद्र में मिसाइल दागकर और निकटवर्ती इलाकों में लड़ाकू विमान उड़ाकर ताइवान को धमकाने की कोशिश की है तथा अमेरिका की प्रतिनिधि सभा की स्पीकर नैंसी पेलोसी समेत कई राजनीतिक हस्तियों ने ताइवान की यात्रा की है।

महारानी की अंत्येष्टि में शामिल हुईं राष्ट्रपति मुर्मू

एपी। लंदन

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सोमवार को महारानी एलिजाबेथ द्वितीय को अंतिम विदाई देने के लिए वेस्टमिंस्टर एबे में अमेरिकी राष्ट्रपति जो. बाइडन और दुनियाभर से आए शाही परिवारों के सदस्यों सहित लगभग 500 वैश्विक नेताओं के साथ शरीक हुईं। महारानी की राजकीय अंतएष्टि में शामिल हुए आधिकारिक भारतीय शिष्टमंडल में राष्ट्रपति मुर्मू और विदेश सचिव विनय क्वात्रा शामिल हैं।राष्ट्रपति मुर्मू ने एबे में राजकीय अंतएष्टि में शामिल होने से पहले बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना और उनकी बहन शेख रेहाना से मुलाकात की। मुर्मू महारानी की राजकीय अंतएष्टि में शामिल होने के लिए तीन दिनों की यात्रा पर शनिवार से लंदन में हैं। राष्ट्रपति भवन ने ट्वीट किया, राष्ट्रपति मुर्मू ने लंदन में राजकीय अंतएष्टि शुरू होने से कुछ समय पहले बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना और उनकी बहन, शेख रेहाना से मुलाकात की। मुर्मू रविवार को बकिंघम पैलेस में महाराजा चार्ल्स तृतीय की मेजबानी वाले एक स्वागत कार्यक्रम में विश्व के अन्य सभी नेताओं के साथ शरीक हुईं। महारानी एलिजाबेथ द्वितीय का आठ सितंबर को निधन हो गया था। वह 96 वर्ष की थीं।इससे अमेरिका के राष्ट्रपति विदेश यात्रा पर जाते हैं तो मीडिया सहित पूरी दुनिया की निगाहें उन पर टिकी होती हैं और आमतौर पर वही चर्चा का केंद्र होते हैं लेकिन इस बार लंदन में दुनियाभर के दिग्गज नेताओं के जमावड़े के बावजूद सूरत-ए-हाल कुछ और है। मीडिया से लेकर तमाम विशेषज्ञों तक की चर्चा का केंद्र महारानी एलिजाबेथ द्वितीय एवं उनका राजघराना है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन तथा अन्य राष्ट्रपतियों, प्रधानमंत्रियों एवं गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत लाल कालीन बिछाकर नहीं किया गया। जाहिर बात है कि यह जश्न की नहीं बल्कि शोक की घड़ी है। सोमवार को महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के राजकीय अंतिम संस्कार के लिए एकत्रित होने के कारण इन नेताओं ने कोई बड़ा भाषण नहीं दिया और न ही कोई संवाददाता सम्मेलन किया। इसके बजाय ब्रिटेन पर सबसे अधिक समय तक राज करने वाली 96 वर्षीय महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के सम्मान में वे एक-एक शब्द नाप-तौल कर बोल रहे हैं। बराक ओबामा के प्रशासन में अमेरिकी विदेश विभाग की प्रोटोकॉल प्रमुख रही कैप्रिशिया मार्शल ने कहा, वे जानते हैं कि वे वहां किसी की मौत पर शोक मनाने गए हैं। वे यह भी जानते हैं कि वे अपने देश का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। बाइडन ने शोक संदेश पुस्तिका पर हस्ताक्षर करने पर बीबीसी से बात की लेकिन ब्रिटिश प्रसारणकर्ता ने उनकी टिप्पणियों का सजीव प्रसारण नहीं किया। बाइडन और उनकी पत्नी जिल बाइडन ने पिछले साल महारानी से चाय पर हुई मुलाकात की यादें रविवार को साझा कीं। उन्होंने बताया कि महारानी ने उन्हें लंदन के समीप विंडसर कैसल में आमंत्रित किया था। अमेरिकी राष्ट्रपति ने 2021 की उस यात्रा के बाद कहा था कि महारानी एलिजाबेथ द्वितीय उन्हें उनकी दिवंगत मां की याद दिलाती है। उन्होंने यादें साझा करते हुए रविवार को बताया कि महारानी उन्हें क्रम्पेट्स (इंग्लिश मफिन) पेश करती रही थीं। लंदन पहुंचे विभिन्न देशों के अन्य नेता भी प्रचार और तामझाम से दूर ही दिखे। कुछ नेताओं ने महारानी की यादों को साझा करते हुए साक्षात्कार दिए।

मुर्मू ने बांग्लादेश की प्रधानमंत्री से भेंट की

लंदन। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के राजकीय अंतिम संस्कार से पहले सोमवार को यहां बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना से मुलाकात की। राष्ट्रपति मुर्मू, सोमवार को वेस्टमिंस्टर एबे में महारानी एलिजाबेथ द्वितीय की राजकीय अंतएष्टि में शामिल होने के लिए तीन दिवसीय यात्रा पर लंदन में हैं। उन्होंने रविवार को यहां वेस्टमिंस्टर हॉल का दौरा किया और भारत सरकार तथा भारत के लोगों की ओर से दिवंगत महारानी को श्रद्धांजलि दी। राष्ट्रपति के आधिकारिक ट्विटर अकाउंट राष्ट्रपति भवन ने ट्वीट किया, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने लंदन में राजकीय अंतएष्टि की शुरुआत से ठीक पहले बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना और उनकी बहन शेख रेहाना से मुलाकात की।

जेलेंस्की ने रूस के खिलाफ जवाबी हमलों में कोई कोताही ना बरतने का किया वादा

कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने देश से वादा किया कि रूसी सैनिकों के कब्जे से अपने कस्बों और शहरों को वापस लेने के लिए जवाबी हमलों में कोई कोताही नहीं बरती जाएगी। जेलेंस्की ने एक वीडियो संदेश में कहा, शायद अब आप में से कुछ को ऐसा लग रहा होगा कि लगातार सफलता के बाद अब सन्नाटा पसर गया है, लेकिन ऐसा नहीं है। यह अगली कार्वाई की तैयारी है ... क्योंकि यूक्रेन को मुक्त कराना ही है। यूक्रेन के सैन्य कमान ने कहा कि उसके बलों ने शनिवार को ओस्किल नदी के पूर्वी तट को सुरक्षित अपने कब्जे में ले लिया। यह नदी रूस से यूक्रेन में दक्षिण की ओर बहती है। इस बीच, रूस के सप्ताहांत में शहरों और कस्बों में गोले दागने के बाद ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय ने आगाह किया कि रूस नागरिक ठिकानों पर हमले बढ़ा सकता है क्योंकि युद्ध के मैदान में वह पिछड़ रहा है। मंत्रालय ने कहा, पिछले सात दिन में रूस ने नागरिक ठिकानों पर हमले तेज किए हैं, यहां तक कि उन क्षेत्रों में भी जहां वह तत्काल कोई सैन्य चुनौती का सामना नहीं कर रहा है। रूस अग्रिम पंक्ति पर पिछड़ने के कारण संभवत: यूक्रेन के लोगों व सरकार के मनोबल को सीधे तौर पर निशाना बनाने के लिए ऐसे स्थानों पर हमलों की तैयारी कर रहा है। खारकीव के गवर्नर ओलेह सिनीहुबोव ने बताया कि शनिवार को रूसी हमलों के दौरान खारकीव क्षेत्र में एक मनोरोग अस्पताल को खाली कराने का प्रयास कर रहे चार चिकित्सकों की मौत हो गई। हमले में दो मरीज घायल भी हो गए।

पेट्रोलियम मंत्रालय ने अप्रत्याशित लाभ कर की समीक्षा की मांग रखी

नई दिल्ली। पेट्रोलियम मंत्रालय ने घरेलू उत्पादन वाले कच्चे तेल पर अप्रत्याशित लाभ कर लगाने के फैसले की समीक्षा किए जाने की मांग करते हुए कहा है कि यह कदम पेट्रोलियम उत्पादों के उत्खनन एवं उत्पादन संबंधी अनुबंधों में उल्लेखित वित्तीय स्थिरता के सिद्धांत के प्रतिकूल है। पेट्रोलियम मंत्रालय ने इस संबंध में वित्त मंत्रालय को लिखे अपने पत्र में कहा है कि अप्रत्याशित लाभ कर के इस फैसले की जद से उन तेल क्षेत्रों या ब्लॉक को छूट दी जाए जिन्हें उत्पादन साझा अनुबंध (पीएससी) और राजस्व साझा अनुबंध (आरएससी) के तहत कंपनियों को सौंपा गया है। इस पत्र की प्रति पीटीआई-भाषा के पास भी उपलब्ध है। मंत्रालय का मानना है कि इन अनुबंधों में कच्चे तेल की ऊंची कीमतों को आत्मसात करने की अंतर्निहित व्यवस्था मौजूद है क्योंकि बढ़े हुए दामों से हासिल राजस्व को बढ़े हुए लाभ हिस्से के तौर पर सरकार के साथ साझा किया जाता है। सरकार ने एक जुलाई को घरेलू स्तर पर निकाले गए कच्चे तेल पर अप्रत्याशित लाभ कर लगाने का फैसला किया था। जहां पेट्रोल, डीजल एवं विमान ईंधन के निर्यात पर शुल्क लगाए गए वहीं स्थानीय स्तर पर उत्पादित कच्चे तेल पर विशेष अतिरिक्त सीमा शुल्क लगाया गया। शुरुआत में एसएईडी 23,250 रुपए प्रति टन था लेकिन अब यह घटकर 10,500 रुपए प्रति टन रह गया है।

सरकार मुफ्त राशन योजना को सितंबर से आगे बढ़ाने पर जल्द फैसला करेगी: खाद्य सचिव

● 80 करोड़ लाभार्थी ले रहे हैं इस योजना का लाभ हर महीने

भाषा। नई दिल्ली

सरकार गरीबों को मुफ्त राशन देने की प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) को 30 सितंबर से आगे बढ़ाने के बारे में जल्द फैसला करेगी। खाद्य सचिव सुधांशु पांडेय ने सोमवार को यह जानकारी दी। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि इस संबंध में फैसला कब तक किया जाएगा। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना मार्च, 2020 में शुरू की गई थी। इसके तहत राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) में शामिल लगभग 80 करोड़ लाभार्थियों को प्रति व्यक्ति प्रति माह पांच किलो खाद्यान्न मुफ्त दिया जा रहा है। इससे गरीब परिवारों को कोविड-19 महामारी की वजह से लागू लॉकडाउन के दौरान काफी मदद मिली थी। यह एनएफएसए के तहत सामान्य आवंटन से अधिक है।

इस योजना को कई बार बढ़ाया जा चुका है और अब यह 30 सितंबर तक वैध है। पीएमजीकेएवाई योजना को आगे बढ़ाने के बारे में पूछने पर पांडेय ने संवाददाताओं से कहा, सरकार को फैसला करना है। सचिव ने कहा, ए बड़े सरकारी फैसले हैं ... सरकार इस पर फैसला करेगी। वह रोलर फ्लोर मिलर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया की वार्षिक आम बैठक के मौके पर बोल रहे थे। सरकार ने मार्च में पीएमजीकेएवाई योजना को और छह महीने यानी सितंबर, 2022 तक बढ़ा दिया था। सरकार ने इस योजना पर मार्च तक लगभग 2.60 लाख करोड़ रुपए खर्च किए हैं और सितंबर, 2022 तक 80,000 करोड़ रुपए और खर्च किए जाएंगे। इससे पीएमजीकेएवाई के तहत कुल खर्च लगभग 3.40 लाख करोड़ रुपए हो जाएगा। इस योजना में लगभग 80 करोड़ लाभार्थी शामिल हैं।

सरकार जल्द ही विपणन वर्ष 2022-23 के लिए चीनी निर्यात कोटा की घोषणा करेगी: खाद्य सचिव

नई दिल्ली। सरकार जल्द ही अक्टूबर से शुरू होने वाले अगले विपणन वर्ष के लिए चीनी के निर्यात कोटा की घोषणा करेगी। खाद्य सचिव सुधांशु पांडेय ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने हालांकि विपणन वर्ष 2022-23 में निर्यात के लिए चीनी की मात्रा के बारे में नहीं बताया। पांडेय ने रोलर फ्लोर मिलर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (आरएफएमएफआई) की 82वीं आम सभा के मौके पर कहा, हम जल्द ही अगले सत्र के लिए चीनी निर्यात नीति की घोषणा करेंगे। सरकार ने मई में 100 लाख टन चीनी के निर्यात की अनुमति दी थी। बाद में इसमें 12 लाख टन की बढ़ोतरी की गई। इससे विपणन वर्ष 2021-22 के लिए कुल निर्यात कोटा 112 लाख टन हो गया। भारत का चीनी निर्यात विपणन वर्ष 2020-21 में 70 लाख टन, 2019-20 में 59 लाख टन और 2018-19 में 38 लाख टन था। इस महीने की शुरुआत में चीनी उद्योग निकाय इस्मा ने मांग की थी कि सरकार अधिशेष उत्पादन को देखते हुए विपणन वर्ष 2022-23 में 80 लाख टन चीनी के निर्यात की अनुमति दे। भारतीय चीनी मिल संघ (इस्मा) के अध्यक्ष आदित्य झुनझुनवाला ने इस संबंध में खाद्य एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्री पीयूष गोयल को पत्र लिखा था।

अडाणी की सर्वाधिक लाभप्रद सीमेंट विनिर्माता बनने की तैयारी

नई दिल्ली। अंबुजा सीमेंट और एसीसी का अधिग्रहण 6.5 अरब अमेरिकी डॉलर में पूरा करने के कुछ दिनों बाद अरबपति कारोबारी गौतम अडाणी ने कहा कि उनके समूह ने सीमेंट विनिर्माण क्षमता को दोगुना करने और देश में सर्वाधिक लाभप्रद विनिर्माता बनने की योजना बनाई है। उन्होंने कहा कि जोरदार आर्थिक वृद्धि और सरकार के बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने के कारण भारत में सीमेंट की मांग में कई गुना वृद्धि होगी। इसके चलते मार्जिन भी महत्वपूर्ण रूप से बढ़ेगा। अडाणी समूह के संस्थापक और चेयरमैन ने 17 सितंबर को अधिग्रहण के पूरा होने पर एक कार्यक्रम में कहा कि उनका समूह एक बार में ही देश का दूसरा सबसे बड़ा सीमेंट विनिर्माता बन गया है। अडाणी समूह ने पिछले सप्ताह इन दोनों कंपनियों में होल्सिम की हिस्सेदारी खरीदने का काम पूरा किया।

सेबी की वेब इंटेलिजेंस के जरिए सोशल मीडिया अन्य मंचों पर निगरानी बढ़ाने की योजना

● सेबी ने जारी सार्वजनिक सूचना में वेब इंटेलिजेंस को लागू और शुरू करने और उसके रखरखवाव के लिए समाधान प्रदाताओं से रुचि पत्र आमंत्रित किए हैं

भाषा। नई दिल्ली

भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (सेबी) कृत्रिम मेधा (एआई) का इस्तेमाल कर वेब इंटेलिजेंस के जरिए सोशल मीडिया और अन्य मंचों पर निगरानी बढ़ाने की योजना बना रहा है। सेबी ने सोमवार को जारी सार्वजनिक सूचना में वेब इंटेलिजेंस को लागू और शुरू करने और उसके रखरखवाव के लिए समाधान प्रदाताओं से रुचि पत्र (ईओआई) आमंत्रित किए है। नियामक ने कहा पिछले कुछ वर्षों में इंटरनेट का उपयोग तेजी से बढ़ा है। इसके कारण वेब पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध अव्यवस्थित या बिखरे डेटा की भारी वृद्धि हुई है। अव्यवस्थित डेटा में वीडियो और ऑडियो फाइल, सोशल मीडिया पोस्ट आदि आते हैं। सेबी ने कहा कि इस अव्यवस्थित डेटा में विभिन्न संस्थाओं, व्यक्तियों, समूहों और विभिन्न प्रतिभूति कानूनों के उल्लंघन से संबंधित विषयों के बारे में गहन जांच से जुड़ी जानकारी प्रदान करने की क्षमता है। सूचना के अनुसार, सेबी ऐसे वेब इंटेलिजेंस टूल की तलाश में है जो विभिन्न संस्थाओं, व्यक्तियों, समूहों और विषयों के बारे में गहन खुफिया जानकारी प्राप्त करने के लिए सार्वजनिक रूप से उपलब्ध अव्यवस्थित डेटा को निकालने और विश्लेषण करने के लिए एआई आधारित समाधान प्रदान करता है। इस नए टूल से समय की बचत, विश्लेषण प्रक्रिया को आसान बनाने और समग्र जांच प्रक्रिया की दक्षता में सुधार की उम्मीद है।

शेयर बाजारों में तीन दिन की गिरावट थमी, सेंसेक्स 300 अंक चढ़ा

भाषा। मुंबई

वैश्विक बाजारों में कमजोरी के बावजूद स्थानीय शेयर बाजार में पिछले तीन कारोबारी सत्र से जारी गिरावट सोमवार को थम गई और बीएसई सेंसेक्स 300 से अधिक अंक चढ़कर बंद हुआ। बैंकिंग, वित्तीय और दैनिक इस्तेमाल के उत्पाद बनाने वाली कंपनियों (एमएमसीजी) के शेयरों में लिवाली से बाजार में तेजी आई। तीस अंकों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स शुरुआती झटकों से उबरते हुए 300.44 अंक यानी 0.51 प्रतिशत चढ़कर 59,141.23 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 436.76 अंक तक चढ़ गया था।

इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 91.40 अंक यानी 0.52 प्रतिशत की मजबूती के साथ 17,622.25 अंक पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की कंपनियों में महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर में सबसे अधिक 3.05 प्रतिशत की मजबूती आई। बजाज फाइनेंस, भारतीय स्टेट बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, नेस्ले, बजाज फिनसर्व और एचडीएर2398ीसी के शेयर प्रमुख रूप से लाभ में रहे। दूसरी तरफ टाटा स्टील, आईसीआईसीआई बैंक, पावर ग्रिड, एनटीपीसी, एशियन पेंट्स, एलएंडटी और अल्ट्राटेक के शेयरों में गिरावट दर्ज की गई। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व द्वारा दरों की घोषणा से पहले वैश्विक बाजार के उतार-चढ़ावा की संभावना है। वहीं, मुद्रास्फीति के ताजा आंकड़े अनुमानों से ऊपर रहे हैं।

उन्होंने कहा, ब्याज दरों में आक्रामक वृद्धि की आशंका है और इसकी वजह से विदेशी निवेशक भारतीय बाजारों से पैसा निकाल सकते हैं। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशल सर्विसेज के खुदरा शोध प्रमुख सिद्धार्थ खेमका ने कहा कि अमेरिकी केंद्रीय बैंक की नीतिगत दरों को लेकर 21 सितंबर को होने वाली बैठक से पहले बाजार एक सीमित दायरे में कारोबार कर सकता है। इसके अलावा व्यापक बाजार में बीएसई मिडकैप में 0.16 प्रतिशत और स्मॉलकैप में 0.17 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, हांगकांग का हैंगसेंग और चीन का शंघाई कंपोजिट नुकसान में बंद हुए। वहीं, यूरोपीय बाजार भी दोपहर में गिरावट में कारोबार कर रहे थे जबकि अमेरिकी शेयर बाजार शुक्रवार को नुकसान में बंद हुए। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 1.37 प्रतिशत की गिरावट के साथ 90.10 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया।

THE PIONEER CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Dinesh Arora S/o Late Shri A.K. Luna, R/o S-1504, Paramount Emotions, Bisrakh, Greater Noida West, Distt-Gautam Budh Nagar, UP-201306 have declared that my name has been wrongly mentioned in my Passport as Dinesh Kumar Arora and my correct name is Dinesh Arora.

PD(90175)C

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given to the General Public on behalf of ICICI Bank Ltd. that Mrs. Ramesh Kanta, Mr. Manoj Kumar Sharma & Mr. Sandeep Kumar Sharma are claiming owners of Residential Property Bearing No. 13/483, (area measuring 180 sq. mtrs), situated in Sector-13, residential colony known as Vasundhra, Ghaziabad, (U.P.); hereinafter referred to as the said property (as legal heirs of late Mr. Shyam Sunder), who was owner of the above property by virtue of sale deed dated 23.08.2004, Registration No. 17832. All persons are hereby informed that above mentioned claiming owners/legal heirs want to sell the said property to Mr. Nishikant Hardev Singh Tyagi, or its nominee who is taking Loan for purchase the said property from ICICI Bank Ltd., if anybody has any objection/s upon the ownership of Mrs. Ramesh Kanta, Mr. Manoj Kumar Sharma & Mr. Sandeep Kumar Sharma in respect of the said property its sale /Mortgage, & any kind of objection kindly inform the undersigned in writing on the below mentioned address within 07 days of the present.
Kumar & Associates (Advocates & Consultants)
200, IInd Floor, 23, Shivaji Marg, Moti Nagar, N. Delhi-15
Ph : 011-41112527-28 kumarassociates.advocate@gmail.com

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given to the General Public on behalf of ORIX Leasing & Financial Services India Ltd. that Mr. Rahul Yadav is owner of Property No. C.P-3, area measuring 100 Sq. Yds, out of Khasra No.376 Min, Situated at Krishna Garden Colony in the area of Village Harsawn, Pargana Dasna, Tehsil & Distt. Ghaziabad, UP ; the said property virtue of sale deed dated 17.03.2015 for ‰ undivided share, registration No. 1456, and also acquired remaining ‰ portion after demise of Late Mr. Budhpal Yadav, by virtue of Gift deed dated 25.08.2022 registration No. 5294 executed by Mr. Ajay Yadav son of late Mr. Budhpal Yadav, All persons are hereby informed that above mentioned owner want to take a Loan against the said property from ORIX Leasing & Financial Services India Ltd. if anybody has any objection/s upon the ownership of Mr. Rahul Yadav in respect of the said property its sale /Mortgage, and any kind of objection kindly inform the undersigned in writing on the below mentioned address within 07 days of the present.
Kumar & Associates (Advocates & Consultants)
200, IInd Floor, 23, Shivaji Marg, Moti Nagar, N. Delhi-15
Ph : 011-41112527-28 kumarassociates.advocate@gmail.com

PUBLIC NOTICE

This is for information of General Public that We, Rajesh Kalra S/o Late O.P. Kalra and Babita Kalra W/o Rajesh Kalra, both R/o C-42, Soami Nagar North, New Delhi- 110017 have disowned our son, Mr. Vikram Kalra and his wife Kanika from all movable and immovable assets and properties with immediate effect and severed all our relations with both of them. Anybody dealing with him or her or both of them together, in any manner whatsoever will be doing so at his/her cost, risk and responsibilities. We and our entire family has nothing to do with it now.
Advocate
Smriti Maheshwari
M. 9910946260

PUBLIC NOTICE

My clients Sh. Naresh Khurana, Mukesh Khurana, Rajesh Khurana and Rajeev Khurana, who are Power of Attorney Holders of Sh. Sher Singh, Daler Singh, Chanan Singh and Amarjeet Singh (Original Allottees by DDA) vide GPA/SPA dated 24-5-2003 hereby inform that Original documents of Shop No. 6, Departmental Store, 1st floor, LSC Market, Saket, New Delhi-110017 had been lost by the original Allottees. Document not be misused. Finder Please contact Naresh Khurana S/o Late Sh. R.D.Khurana R/o L-86 C/D DDA Flats, Saket, New Delhi 110017 , Mob-7011991171
SANDEEP BHUTANI (Advocate)
Regd. No.: D-2629/2013
776 , Rishi Nagar, Shakur Basti , Delhi

सार्वजनिक सूचना

एतदद्वारा सूचित करना है कि टाइप 5. फ्लैट संख्या ए-32, ब्लाक-ए जलवायु विहार सैक्टर-21, नौएडा, जिसका मूल आवंटी विंग कमा. एस के भौमिक (रिटा.) पुत्र श्री संतोष भौमिक निवासी बी.65, सैक्टर. 31, नौएडा, ने मुख्तारनामा खास के आधार पर श्री प्रदीप कुमार देब पुत्र ओनी. एफजी. आफिसर आर एम देब निवासी फ्लैट संख्या ए-32, ब्लाक-ए जलवायु विहार सैक्टर-21, नौएडा, को बेचा गया था मुख्तारनामा आम दिनांक 20.04.1991 को निष्पादित किया गया जो कि पंजीकृत है तथा एक विक्रय संविदा भी निष्पादित किया था जो कि पंजीकृत नहीं था।
अतः इस सूचना के माध्यम से सभी व्यक्ति को सूचित किया जाता है कि फ्लैट संख्या ए-32, ब्लाक-ए जलवायु विहार सैक्टर-21, नौएडा, मुख्तारनामा आम के आधार पर श्रीमती बोनोश्री पत्नी श्री प्रदीप कुमार देब निवासी फ्लैट संख्या ए-32, ब्लाक- ए जलवायु विहार सैक्टर-21, नौएडा, को विक्रय के लिए हस्तान्तरण आवेदन प्रस्तुत किया जा रहा है। यदि इस सम्बन्ध मे किसी व्यक्ति को किसी भी प्रकार की आपत्ति है तो कृपया अपनी आपत्ति समस्त साक्ष्य सहित नौएडा प्राधिकरण मे ग्रुप हाउसिंग विभाग मे इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अन्दर दाखिल कर सकते है।
प्रदीप कुमार देब

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given that my client Shanti Devi is the owner of Plot of Land Measuring 76 Sq. Yds., Part of Khasra No. 27//1/1, 10/2, 20/5,26/6, 26/15, 26/14 , Situated at waka Mauja Gochi, Tehsil Gochi, Distt. Faridabad, Haryana, having acquired the same vide sale deed duly registered in the office of SR Ballabgarh, as Doc No. 3719, Book No. I, dated 21.07.2014 executed by Saroj Devi read with Intkal No. 28911
And whereas she has lost the following documents pertaining to the said property:-
1.Original Sale Deed dated 15.09.2010 executed by Ram Pandey in favour of Indu Devi
2.Original Sale Deed dated 28.05.2012 executed by Indu Devi in favour of Rama Sharma
All person/s having any claim against or in respect of the said Property, or any part thereof, by way of sale, exchange, mortgage (equitable/registered or otherwise), gift, trust, inheritance, family arrangement, maintenance, bequest, partnership, possession, lease, sublease, tenancy, license, lien, charge, pledge, easement or otherwise howsoever, are hereby requested to notify the same in writing to us with supporting documentary evidence at the address mentioned below within 7 days from the date hereof, failing which the claim or claims, if any, of such person or persons will be considered to have been waived and/or abandoned.
Kamal Kant Gupta (Advocate)
Shop No. 5 & 6, Pkt-E, CSC, Mayur Vihar-II, Delhi-91, Mob. 9810063351

PUBLIC NOTICE

This is to inform public in general that Kotak Mahindra bank Ltd has organized an auction in below mention respect of Vehicles.
VEHICLES FOR SALE
1) EICHR_VECV_EICHER1114 HR55AF4730- YOM - 2019
MINIMUM RESERVE PRICE 883605
UNDER HYPOTHECATION WITH M/S KOTAK MAHINDRA BANK IS UNDER SALE IN ITS "AS IS WHERE IS CONDITION"
INTERESTED PARTIES CAN GIVE THEIR QUOTATIONS (ONLINE/ OFFLINE) WITHIN 15 DAYS FROM THIS PAPER PUBLICATION I.E. ON OR BEFORE 4.10.2022
(PLEASE NOTE THAT CLOSING AUCTION DATE WOULD NOT BE A WEEKLY OFF / HOLIDAY).
BRANCH ADDRESS:
KOTAK MAHINDRA BANK
3RD FLOOR, PLOT NO 7, SECTOR 125, NOIDA-201313 OR
CONTACT : RAJESH ANTIL
KOTAK MAHINDRA BANK LTD.
CONTACT NO. 09711173320
EMAIL–rajesh.antil@kotak.com

PUBLIC NOTICE

In respect to Property bearing No. 166, Vaishali, Pitampura, Delhi, Built-up on land Area measuring 300 Sq Yds (250.8 Sq Mtrs)

Public at large is hereby informed that my Client has entered in to an Agreement to Sell with shree Pawan Kumar Chaudhary Slo Ajeet Kumar Shankar Chaudhary Ro 166 Vaishali Pitampura Delhi with Shri Roshan Lal Garg and Smt Geeta Devi for purchase of the above captioned Property. It is notified that any person or entity including Bank/NBFC/ Financial Institutions, etc. having/ claiming any rights, title, interest, lien, charge or claim in respect of the above captioned property or has any sort of dispute / litigation or otherwise has any kind of objection for its absolute sale! transfer/ conveyance to my Client, then, such person or entity should notify the same in writing with supporting documents to the undersigned within 15 days from the date of publication hereof, failing which it will be deemed that the above captioned property is absolutely free from all sorts of encumbrances, charges, claims, attachments, disputes, etc. of any nature whatsoever and that Shri Pawan Kumar Chaudhary is vested with absolutely clean, clear and marketable title to the above captioned property and accordingly my Client will proceed further and complete the transaction, as bonafide purchaser(s) and no claim of any nature shall be entertained thereafter.
Niranjan Singh (Advocate)
PILANIA LAW ASSOCIATES
73, Patparganj Industrial Area, Delhi-110092; Ph: 9899264366;
E-mail: advo.singh.niranjan@gmail.com

मकान की छत गिरने से बच्ची समेत तीन की मौत

देवरिया। उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले के कोतवाली थाना अंतर्गत शहर के अंसारी रोड पर स्थित एक जर्जर मकान की छत बारिश के कारण के कारण गिर गई, जिससे मकान में रहने वाले पति-पत्नी और उनकी बेटी की मलबे में दबने से मौत हो गई। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। घटना के संबंध में पुलिस अधीक्षक संकल्प शर्मा ने बताया कि शहर के एक व्यवसाई सत्य प्रकाश बरनवाल का काफी पुराना जर्जर दो मंजिला मकान अंसारी रोड पर स्थित है। इस मकान में काफी समय से किराए पर दिलीप गोंड (35) उनकी पत्नी चांदनी (30) और दो साल की बेटी पायल रहते थे। पति पत्नी दोनों मजदूरी कर भरण-पोषण करते थे। पुलिस अधीक्षक के अनुसार रविवार की रात पति, पत्नी और उनकी पुत्री भूतल पर कमरे में सोए थे। इसी दौरान सोमवार की सुबह अचानक मकान की छत बरसात की वजह से गिर गई जिससे तीनों दब गए और उनकी मौत हो गई।उन्होंने बताया कि करीब तीन घंटे तक चले बचाव कार्य के बाद तीनों शवों को मलबे से बाहर निकाला गया। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मौके पर पुलिस अधीक्षक समेत अन्य अधिकारी दमकल के साथ पहुंच गए। दमकलकर्मियों ने जेसीबी की सहायता से करीब दो घंटे के प्रयास के बाद तीनों शवों को बाहर निकाला। हादसे में गोंड की मां प्रभावती देवी बाल-

बाल बच गईं। बताया जाता है कि जिस वक्त मकान का छत धाराशाई हुई उस वक्त प्रभावती देवी बाहर गईं थीं, लेकिन सिर पर ईंट गिरने से घायल हो गईं हैं। जिनका उपचार कर दिया गया है और वह खतरे से बाहर हैं। मुख्यमंत्री कार्यालय ने एक ट्वीट कर कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घटना पर दुख व्यक्त करते हुए मृतकों के परिजनों को चार-चार लाख रुपए की आर्थिक सहायता दिए जाने के निर्देश दिए है।

नौटंकी देख रहे ग्रामीणों पर ट्रक चढ़ा, दो की जान गई, दो घायल

फतेहपुर। फतेहपुर जिले में असोथर थाना क्षेत्र के एक गांव में सड़क किनारे नौटंकी देख रहे ग्रामीणों के एक तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आने से दो लोगों की मौत हो गई और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस उपाधीक्षक दिनेश चंद्र मिश्रा ने सोमवार को बताया कि रविवार रात करीब साढ़े दस बजे सातों धरमपुर गांव में लोग सड़क किनारे नौटंकी देख रहे थे। उन्होंने कहा कि इसी दौरान वहां से एक तेज रफ्तार ट्रक गुजरा और अनियंत्रित होकर भीड़ में घुस गया। उन्होंने बताया हादसे में लालू (45), अंकिता (14), प्रमोद रैदास (40) व बुद्धराज रैदास (52) गंभीर रूप से घायल हो गए जिन्हें उनके परिजन अस्पताल ले गए। अधिकारी ने कहा कि चिकित्सकों ने लालू (45) को मृत घोषित कर दिया और अंकिता की इलाज के दौरान मौत हो गई। उन्होंने कहा कि प्रमोद और बुद्धराज का कानपुर के अस्पताल में इलाज चल रहा है। मिश्रा ने बताया कि ट्रक को जब्त कर लिया गया है और उसके चालक को भी पकड़ लिया गया है। अधिकारी ने कहा कि मामले में आगे की कार्वाई की जा रही है।

दादा-दादी को रैम्प पर देख गदगद नन्हे-मुन्नों ने जमकर बजाईं तालियां

जैपुरिया बाबतपुर के छात्र छात्राओं ने धूमधाम से मनाया ग्रैंड पैरेंट्स डे बुजुर्गो ने साझा की अपने लाडलों की अठखेलियां

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

सेठ एम. आर. जैपुरिया स्कूल्स बनारस के बाबतपुर कैम्पस में प्री प्राईमरी विंग में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं के दादा-दादी व नाना-नानी के लिए एक भव्य कार्यक्रम ' ग्रैण्ड पैरेंट्स डे ' का आयोजन किया गया। समारोह में बड़ी संख्या में बच्चों के नाना-नानी और दादा-दादी ने भाग लिया। अपनी तरह के इस अनूठे आयोजन ने बुजुर्गों ने विभिन्न रोचक प्रतियोगिताओं में जोरदार भागीदारी कर अपने बचपन की यादें ताजा की और अपने परिवार की तीसरी पीढ़ी के साथ जश्न मनाया। कार्यक्रम का शुभारम्भ उपस्थित अभिभावकों व गणमान्य व्यक्तियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। विद्यालय के चेयरमैन दीपक बजाज ने अपने संदेश में कहा कि भारतीय संस्कृति में परिवार व्यवस्था का बड़ा महत्व है। हम लोग जीवन जीने का तरीका और संस्कार अपने दादा दृ दादी से सीखते है। साथ ही इन बुजुर्गो द्वारा सुनाई गई कहानियां और अनुभव की बाते हमें जीवन पर्यंत राह दिखाती है। इस अवसर पर छोटे बच्चों ने अपने अभिभावकों के लिए मनमोहक गीत व नृत्य प्रस्तुत किया। एक विशेष नाटिका और कहानी के प्रस्तुतीकरण से जीवन में दादा-दादी के महत्व के बारे में विस्तार से बताया गया।कार्यक्रम का विशेष आकर्षण बुजुर्ग दादा-दादी व नाना नानी द्वार अपने नन्हे मुन्ने के साथ रैम्प वॉक किया गया। एक अन्य गतिविधि के रुप में दादा-दादी, नाना-नानी का म्यूजिकल चेयर खेल आयोजित कर विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम के अंत में बुजुर्गों ने अपने अनुभव साझा किये और उन्हे उपहार भेंट किये गये।कार्यक्रम का संयोजन रश्मि गुप्ता व संचालन सुप्रिया सिंह, शारदा वर्मा एवं धन्यवाद प्रकाश शैक्षणिक प्रबंधक नरेन्द्र पाण्डेय ने किया।

अयोध्या में बना योगी का मंदिर, हो रही पूजा-अर्चना

अयोध्या। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की लोकप्रियता इस हद तक पहुंच गई है कि कुछ लोगों ने यहां के एक मंदिर में उनकी प्रतिमा स्थापित कर पूजा भी शुरू कर दी है। अयोध्या में योगी आदित्यनाथ का मंदिर बनाया गया है, जहां नियमित रूप से सुबह और शाम दोनों समय विशेष पूजा-अर्चना की जाती है और पूजा के बाद भक्तों के बीच प्रसाद बांटा जा रहा है। यह मंदिर राम जन्मभूमि से करीब 25 किलोमीटर दूर जिले के भरतकुंड क्षेत्र में फैजाबाद-प्रयागराज राजमार्ग पर बनाया गया है। माना जाता है कि भरतकुंड वह स्थान है जहां भगवान राम के भाई भरत ने उन्हें वनवास जाते समय विदाई दी थी।

मंदिर का निर्माण करने वाले स्थानीय निवासी प्रभाकर मौर्य ने कहा, हमने योगीजी का मंदिर बनाया है, जो भगवान राम का मंदिर बना रहे हैं। मौर्य ने कहा कि वह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यों से बहुत प्रभावित हैं। उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री ने जिस तरह से जनकल्याण के काम किए हैं, उन्हें देवता जैसा स्थान मिल गया है। इसलिए मुझे मुख्यमंत्री का मंदिर बनाने का विचार सूझा। इस मंदिर में धनुष और बाण से सुसज्जित योगी आदित्यनाथ की आदमकद प्रतिमा स्थापित की गई है और इस प्रतिमा को भगवा रंग में रंगा गया है। प्रभाकर मौर्य ने कहा कि वह भगवान श्री राम की तरह प्रतिदिन योगी की प्रतिमा के सामने भजन पाठ करते रहते हैं। उन्होंने कहा कि वह बेरोजगार और भूमिहीन हैं, लेकिन वे यूट्यूब पर भजन और धार्मिक गीत पोस्ट करके महीने में लगभग एक लाख रुपए कमाते हैं और उसी पैसे से इस मंदिर का निर्माण किया। इस मंदिर की खबर को टैग करते हुए समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने एक ट्वीट में कहा, ए तो उनसे भी दो कदम आगे निकले[8230], अब सवाल ये है कि पहले कौन?

घाघरा का तांडव, कई गांव पानी से घिरे

करनैलगंज (गोंडा)। घाघरा में आई बाढ़ ने तबाही मचाना शुरू कर दिया है। जहां रविवार की शाम को बाढ़ के पानी की दस्तक हुई थी, वहां रातों-रात करीब 2 फिट से अधिक पानी पूरे गांव में फैल गया। जिससे गोंडा जिले के 12 गांव एवं गोंडा-बाराबंकी की सीमा पर बसे आधा दर्जन गांव बाढ़ के पानी से पूरी तरह घिर गए हैं। वहीं दूसरी तरफ घाघरा के जलस्तर का बढ़ना जारी है और डिस्चार्ज धीरे-धीरे घटने लगा है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक दोपहर के बाद नदी का जलस्तर स्थिर होने लगा था। मगर डिस्चार्ज 3 लाख से अधिक होने के कारण पानी का फैलाव तेजी से हो रहा है। घाघरा में बीते 2 वर्षों से बाढ़ का समय बीत जाने के बाद बाढ़ आ रही है। बीते वर्ष भी सितंबर और अक्टूबर माह में भारी बारिश के चलते बाढ़ की नौबत आई थी। जिसमें चंदापुर किटौली के पास बांध कटे लगा था और नदी का जलस्तर

खतरे के निशान से करीब 1 मीटर ऊपर पहुंच गया था। वही स्थिति इस वर्ष भी हो रही है सितंबर माह में बारिश और बाढ़ के चलते सरयू का जलस्तर खतरे के निशान से 78 सेंटीमीटर ऊपर पहुंच गया है और नदी में डिस्चार्ज तीन लाख आठ हजार एक से अधिक है। जिससे पानी और बढ़ने का अनुमान लगाया जा रहा है। मगर अधिकारियों की माने तो जलस्तर स्थिर है और डिस्चार्ज जारी है। शनिवार की शाम को गोंडा बाराबंकी जिले की सीमा पर मौजूद गांव माझा रायपुर, नउवनपुरवा, परसावल, नेपुरा, कमियार गांव में पानी की दस्तक हो गई थी। जहां सोमवार को गांव जलमग्न हो गए और लगभग पूरे गांव के सभी घरों में पानी भर चुका है। इसी तरह गोंडा जिले के नकहरा गांव के 10 मजरों में पूरी तरफ बाढ़ का पानी घुस गया है। जिसमें राधे पुरवा, तीरथ राम पुरवा, पुहिन पुरवा, बसंत लाल पुरवा, मछारन पुरवा, संभर पुरवा, छंगूलाल पुरवा, देवकिशन पुरवा, खाले पुरवा एवं दुलारे पुरवा शामिल हैं। यह सभी गांव जलमग्न हो चुके हैं और करीब 2 फीट पानी गांव में भरा हुआ है। मौके पर पहुंचकर उप जिलाधिकारी हीरालाल ने बाढ़ क्षेत्र का निरीक्षण किया और गांव में नाव की व्यवस्था कराई। गांव के ग्रामीणों को सुरक्षित बाहर निकलवा कर सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया।

बाढ़ से प्रभावितों में बांटे खाद्य व अन्य सामग्री:गोंडा। जिलाधिकारी डा0 उज्ज्वल कुमार के निर्देशानुसार आज सोमवार को जिला आपदा विशेषज्ञ राजेश श्रीवास्तव एवं तहसीलदार तरबगंज पुष्कर मिश्रा तथा तहसीलदार करनैलगंज नरसिंह नारायण वर्मा ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण कर जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान कुल 19 ग्रामों के 117 मजरे जिसमें तहसील तरबगंज के 18 ग्राम के 112 मजरे व तहसील करनैलगंज के 1 ग्राम के 5 मजरे तथा दोनों तहसीलों के कुल 13993 जनसंख्या बाढ़ से प्रभावित है।

इंजीनियर करता था यौन उत्पीड़न, छोड़ दी नौकरी

बांदा। एक महिला कम्प्यूटर ऑपरेटर ने बिजली विभाग के इंजीनियर की वजह से छोड़ी नौकरी। लगाया यौन उत्पीड़न की मंशा का आरोप। बोली फोन और गंदे मैसेज कर करता है अश्लीलता और बंद कमरे में करता था गंदी हरकत। आरोप है कि महीनों से करता रहा दुराचार। महिला का कहना है कि पुलिस ने बलात्कार का केस दर्ज ही नहीं किया। यूपी के बांदा में बिजली विभाग के इंजीनियर की गलत हरकतों की वजह से एक लेडी

कम्प्यूटर ऑपरेटर की वजह से नौकरी छोड़ दी। उसका आरोप है कि इंजीनियर उससे यौन शोषण की मंशा रखता हैए साथ ही फोन पर गंदे गंदे मैसेज कर अश्लीलता करता हैए जिससे परेशान होकर उसने पुलिस में शिकायत की है। पुलिस ने महिला कम्प्यूटर ऑपरेटर की शिकायत पर गंभीर धाराओ में केस दर्ज कर लिया है और आगे की कार्यवाही में जुट गयी है। मामला शहर कोतवाली के एक इलाके का है। महिला की शिकायत पर केस दर्ज कर लिया गया है, विवेचना के दौरान जो भी साक्ष्य मिलेंगे उसी के अनुसार कार्यवाही की जाएगी।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान में प्रतियोगिता का आयोजन

वाराणसी। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (का.हि.वि.), वाराणसी में सोमवार को हिन्दी पखवाड़ा के अंतर्गत कार्यालयी टिप्पण लेखन, पत्राचार एवं शब्द-ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। उक्त प्रतियोगिता संस्थान के एनी बेसेंट व्याख्यान कक्ष संकुल में आयोजित किया गया, जिसमें संस्थान के कुल 14 गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों ने सहभागिता की। इसके अंतर्गत कर्मचारियों को हिन्दी में पत्र लेखन, टिप्पण लेखन एवं कार्यालयी शब्द-ज्ञान से संबन्धित प्रश्न पूछे गए। प्रतियोगिता का संचालन संस्थान के संयुक्त कुलसचिव (प्रशासन) एवं राजभाषा अधिकार राजन श्रीवास्तव ने किया। प्रतियोगिता में कनिष्ठ हिन्दी अनुवादक शशांक पाठक एवं कनिष्ठ अधीक्षक श्री राजीव रंजन उपस्थित थे। बुधवार को कर्मचारियों के लिए यूनिकोड के माध्यम से हिन्दी टंकण प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा।

ब्रिटिश संसद में सम्मानित हुए डॉ. आचार्य शंकर

वाराणसी। काशी हिन्दू विश्व विद्यालय के पूर्व छात्र डॉ. आचार्य शंकर को ब्रिटिश संसद में नया भारत महोत्सव कार्यक्रम के तहत विश्व प्रेरणा सम्मान से सम्मानित किया गया। आचार्य को यह सम्मान ज्योतिष एवं प्राच्यविद्या के क्षेत्र में भारत सहित दुनियाँ के 20 से अधिक देशों में अप्रतिम योगदान के लिए दिया गया है।यह अवार्ड ब्रिटिश संसद (हाउस ऑफ़कामन) में 9 सितम्बर को दिया जाना था लेकिन इंगलेंड की महारानी के निधन हो जाने से नया भारत महोत्सव का कार्यक्रम स्थगित कर 11 सितम्बर को आयोजित किया गया। लंदन स्थित संसद भवन वेस्ट मिंस्टर पेलेस में भारतीय मूल के गणमान्य लोगों एवं सभी गणमान्य सांसदों की उपस्थिति में भारत के 75 वें अमृत महोत्सव के अवसर पर नया भारत कार्यक्रम के तहत ज्योतिष एवं वस्तु विज्ञान के क्षेत्र में अहम योगदान के लिए यह अवार्ड मिला है।

नो मो फोमो फेस्टिवल सेल की घोषणा की

वाराणसी। भारत के सबसे भरोसेमंद कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक ब्रांड सैमसंग ने आज अपने नो मो फोमो फेस्टिवल सेल की घोषणा की जिसके तहत सैमसंग गैलेक्सी स्मार्टफोन, टैबलेट, लैपटॉप, एक्सेसरीज, वीयरेबल और सैमसंग डिजिटल अप्लायंस पर ऐसे मेगा ऑफर और रोमांचक कैशबैक की बरसात होगी त्योहारों के इस सीजन में सैमसंग के उपभोक्ताओं को हमारे प्लेटफॉर्म पर सबसे अच्छी कीमत, ऑफर और फायदे हासिल हों। अपने विशेष ज्यादा खरीदें, ज्यादा बचाएं ऑफर के साथ सैमसंग.कॉम और सैमसंग शॉप ऐप खरीदारी का विशेष अनुभव हासिल करने का मौका देंगे जिसमें ग्राहकों को 550 से अधिक विकल्पों में अपनी मर्जी के बंडल बना कर उन पर अतिरिक्त बचत करने का भी अवसर मिलेगा।

पायलट प्रोजेक्ट को आगे बढ़ाने का प्रयास

वाराणसी। राष्ट्रीय डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड (एनडीडीबी) की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक एनडीडीबी डेयरी सर्विसेज ने आईडीएफवर्ल्ड डेयरी समिट 2022 में पायलट परियोजना का अनावरण विशेषज्ञों के सामने किया जिसमे डेयरी किसानों की मांग को ध्यान में रखते हुए अच्छे चारे की फसल, मधुमक्खी पालन और शहद को अतिरिक्त आय के लिए प्रतिपक्ष के रूप में करने की जरुरत पर जोर दिया गया। एनिमल ब्रीडिंग रिसर्च ऑर्गनाइजेशन (एबीआरओ) के प्रमुख डॉ. नीरव पटेल ने कहा, अपने पायलट प्रोजेक्ट के माध्यम से हम राष्ट्रीय मधुमक्खी पालन मिशन के साथ शहद मिशन को भी बढ़ाने की मांग कर रहे हैं, जो कि किसान की अतिरिक्त आय के लिए माननीय प्रधान मंत्री के लक्ष्य के अनुरूप है।

शहद के साथ चारे के अनुसंधान को लाभकारी बनाया

लखनऊ। राष्ट्रीय डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक एनडीडीबी डेयरी सर्विसेज ने आईडीएफवर्ल्ड डेयरी समिट 2022 में पायलट परियोजना का अनावरण विशेषज्ञों के सामने किया जिसमे डेयरी किसानों की मांग को ध्यान में रखते हुए अच्छे चारे की फसलए मधुमक्खी पालन और शहद को अतिरिक्त आय के लिए प्रतिपक्ष के रूप में करने की जरुरत पर जोर दिया गया। एनडीडीबी डेयरी सर्विसेज के सुपीरियर एनिमल जेनेटिक्स ;एसएजीद्ध के तहत एनिमल ब्रीडिंग रिसर्च ऑर्गनाइजेशन के प्रमुख डॉ. नीरव पटेल ने कहा, अपने पायलट प्रोजेक्ट के माध्यम से हम राष्ट्रीय मधुमक्खी पालन मिशन के साथ शहद मिशन को भी बढ़ाने की मांग कर रहे हैं, जो कि किसान की अतिरिक्त आय के लिए माननीय प्रधान मंत्री के लक्ष्य के अनुरूप है।उन्होंने कहा कि यह वैज्ञानिक तरीके से किसानों को न केवल उनके पशुओं के लिए अच्छी गुणवत्ता वाला चारा बल्कि मानव उपयोग के लिए शहद भी बनाना चाहिए। पटेल ने कहाए एनडीडीबी ने पहले ही किसानों को शिक्षित करने के लिए एक अभियान शुरू किया है और यह परियोजना देश के 8 करोड़ डेयरी किसानों को दोगुना लाभ सुनिश्चित करने का रास्ता दिखाएगा।

समय से पूर्ण हों विकास योजनाएं: एमपी अग्रवाल

गोंडा। देवीपाटन मंडलायुक्त एम.पी. अग्रवाल ने शासन के सर्वोच्च प्राथमिकता वाले कार्यक्रमों की मंडलीय मासिक समीक्षा बैठक में संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे विकास कार्यक्रमों के कार्यों में तेजी लाकर शत-प्रतिशत उपलब्धि प्राप्त कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने मंडल के सभी मुख्य विकास अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे नियमित समीक्षा करते हुए प्रत्येक दशा में शत-प्रतिशत उपलब्धियां हासिल करायें। आयुक्त ने विकास व निर्माण कार्यों की समीक्षा के दौरान कहा कि जहां पर टेंडर प्रक्रिया चल रही है, उसे शीघ्र पूर्ण कराकर कार्य प्रारंभ कराया जाय। साथ ही 70 प्रतिशत के ऊपर पूर्ण हो चुकी परियोजनाओं को हरहाल में पूर्ण करा लिया जाय। समीक्षा बैठक में आयुक्त ने विकास कार्यक्रमों, कानून व्यवस्था तथा कर-करेत्तर एवं राजस्व कार्यों की गहन समीक्षा की। जिसमें प्रमुख रूप से कृषि, स्वास्थ विभाग, सिंचाई विभाग, विद्युत, खाद्य सुरक्षा, कृषि, सहकारिता, लोक निर्माण विभाग, बाल विकास एवं पुष्टाहार, पंचायतीराज, समाज कल्याण, कन्या सुमंगला, गन्ना मूल्य भुगतान, अमृत योजना, मत्स्य, उद्यान, दुग्ध, पिछड़वर्ग, जल निगम, पशुपालन, श्रम तथा खादी एवं ग्रामोद्योग आदि विभागों में संचालित शासकीय योजनाओं, कार्यक्रमों तथा समस्त विभिन्न विभागों द्वारा मण्डल के जनपदों में कराए जा रहे निर्माण कार्यों की गहन समीक्षा करते हुए आयुक्त ने मानक व गुणवत्ता के साथ निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप सभी कार्यों को समय से पूरा करने के निर्देश दिये।

बरेका में भारतीय भाषा संगोष्ठी

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

राजभाषा पखवाड़ा - 2022 के अंतर्गत सोमवार को बनारस रेल इंजन कारखाना राजभाषा विभाग के तत?वावधान में भारतीय भाषा संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में आठवीं अनुसूची में शामिल भारतीय भाषाओं के विभिन्न भाषा-भाषी बरेका कर्मी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए बरेका के मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं मुख्य विद्युत इंजीनियर (निरीक्षण) अनंत सदाशिव ने भारतीय भाषाओं को एक मंच पर लाकर उनके साहित्यकारों का स्मरण करने के साथ-साथ उन भाषाओं की रचनाओं में उद्धृत प्रसंगों, उसकी गंभीरता और गहनता को सहज रूप से प्रस्तुत करने के इस कार्यक्रम को अतुलनीय और अनुकरणीय बताया। आरंभ में वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी डॉ. संजय कुमार सिंह ने अभ्यागतों का स्वागत करते हुए संगोष्ठी की प्रस्तावना रखते हुए बताया कि राजभाषा हिंदी के साथ-साथ सभी भारतीय भाषाएं एक दूसरे की पूरक और क्षेत्रीय आवश्यकताएं हैं। इस अवसर पर जन सम-?पर्क अधिकारी राजेश कुमार, कार्य प्रबंधक बी.पी. गुप-?ता के अतिरिक-?त राजभाषा पर्यवेक्षकों, कर्मचारियों के साथ ही बरेका के अनेक साहित्य प्रेमी ने भाग लिया।

एमसीएफ में राजभाषा पखवाड़ा

रायबरेली। आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना रायबरेली में 19 ससे 24 तक चल रहे राजभाषा पखवाड़ा के अंतर्गत विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इन कार्यक्रमों की शुरूआत महाप्रबंधक महोदयए श्री एसण्एसण् कलसी व वरिष्ठ अधिकारियों के द्वारा द्वीप प्रज्वलित कर की गयी। पखवाड़ा के प्रारम्भ में महाप्रबंधक महोदय ने अन्य अधिकारियों के साथ प्रतिबिम्ब पत्र का विमोचन भी किया गया।महाप्रबंधक महोदयएने अपने संबोधन में कहा किए राजभाषा के रूप में हिंदी को विकसित करने में आरेडिका के राजभाषा विभाग द्वारा सराहनीय प्रयास किये जा रहे हैं। हमारे आस.पास के रेलवे जोनों में हिंदी का अच्छा उपयोग होता है। हम भी राजभाषा की प्रगति के लिए कुछ ऐसा करे कि लोगों के लिए प्रेरणा का कार्य करे। श्हम यह दृढ़ संकल्प लें कि हम सभी अपना अधिकाधिक कार्य पूरे उत्साहए लगन और गर्व के साथ राजभाषा हिंदी में करेंगें> आज आरेडिका के विभिन्न प्रतिभागियों द्वारा राजभाषा की शब्द अनुवाद एवं पत्र लेखन प्रतियोगता में बढ़.चढ़ कर हिस्सा लिया। राजभाषा अधिकारी संजय निगम ने बताया किए आगे भी निबंध लेखन एतकनीकी शब्दावलीए प्रश्नोत्तरी ए घरेलू कवि सममेलन एवं एनाटकी मंचन आदि कार्यक्रमों का अयोजन होना है।

भाजपा का स्वच्छता अभियान आज से

वाराणसी। भारतीय जनता पार्टी महानगर अध्यक्ष विद्यासागर राय की अध्यक्षता में सोमवार की शाम सिगरा स्थित गुलाब बाग पार्टी कार्यालय में बैठक संपन्न हुई। महानगर अध्यक्ष विद्यासागर राय ने सभी मंडल अध्यक्षों तथा वार्ड अध्यक्षों के साथ बैठक की। उन्होंने सभी वार्डों में प्रात: 8रू00 से 2 घंटा स्वच्छता अभियान चलाने का निर्देश दिया।उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के जन्मदिन से चलाए जा रहे सेवा पखवारा के तहत 21 सितंबर को अमृत सरोवर की सफाई के अंतर्गत काशी के ऐतिहासिक तालाबों व कुंडों की सफाई कार्यकर्ता करेंगे। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं को बधाई देते हुए कहा कि काशी 1118 यूनिट रक्तदान करके, पूरे उत्तर प्रदेश में प्रथम स्थान पर रहा।बैठक का संचालन स्वच्छता अभियान के संयोजक राहुल सिंह तथा धन्यवाद ज्ञापन सहसंयोजक डॉ हरी केशरी ने किया। बैठक में मुख्य रूप से महानगर अध्यक्ष विद्यासागर राय, महामंत्री जगदीश त्रिपाठी तथा राहुल सिंह, उपाध्यक्ष आत्मा विशेश्वर, मीडिया प्रभारी किशोर सेठ, डॉ हरी केशरी, मधुप सिंह, अभिषेक वर्मा गोपाल, रतन कुमार मौर्य, नलिन नयन मिश्र, जगन्नाथ ओझा, अजीत सिंह, सिद्धनाथ शर्मा, जितेंद्र यादव, राजेंद्र पटेल आदि सहित सभी वार्ड अध्यक्ष मौजूद रहे।

टी-20 विश्व कप से पहले हाथ खोलेगा भारत

●मध्यक्रम और छठे गेंदबाज का मसला सुलझाने का भी इरादा

●आस्ट्रेलिया के खिलाफ मुकाबला आज

भाषा। मोहाली

भारत मंगलवार से आस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरू होने वाली तीन टी20 मैचों की श्रृंखला में सबसे छोटे प्रारूप के विश्व कप से पहले अपने उचित संयोजन विशेषकर मध्यक्रम से जुड़े मसले को सुलझाने का प्रयास करेगा। विश्व कप से पहले होने वाले छह मैचों में कुछ तेज गेंदबाजों को भले ही विश्राम दिया गया है लेकिन इसे छोड़कर भारत अपनी मजबूत टीम के साथ ही उतर रहा है। आस्ट्रेलिया के बाद भारत तीन मैचों के लिए दक्षिण अफ्रीका की मेजबानी करेगा। टी20 प्रारूप में लचीलापन बनाए रखना महत्वपूर्ण होता लेकिन कप्तान रोहित शर्मा पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि आस्ट्रेलिया में होने वाली आईसीसी प्रतियोगिता से पहले उनके खिलाड़ी सभी सवालों का जवाब ढूंढने का प्रयास करेंगे। भारत ने भले की एशिया कप में अच्छी बल्लेबाजी की लेकिन उसने इस दौरान कई बदलाव भी किए। भारत की गेंदबाजी की कमजोरियां भी इस टूर्नामेंट में खुलकर सामने आईं, लेकिन हर्षल पटेल और जसप्रीत बुमराह की वापसी से आक्रमण को मजबूती मिली है। रोहित ने साफ कर दिया कि विश्व कप में उनके साथ केएल राहुल ही पारी का आगाज करेंगे लेकिन यहां संभावना है कि उनके साथ विराट कोहली पारी की शुरुआत करने के लिए उतरें। अपनी पिछली टी20 पारी में शतक जड़ने वाले कोहली को सलामी बल्लेबाज के रूप में उतारा जा सकता है। भारतीय बल्लेबाजी क्रम में चोटी के चार बल्लेबाज तय हैं लेकिन अभी यह तय नहीं है कि अंतिम एकादश में विकेटकीपर के रूप में ऋषभ पंत को चुना जाएगा या दिनेश कार्तिक को। रविंद्र जडेजा के चोटिल होने के कारण भारत पंत को बाएं हाथ का बल्लेबाज होने के कारण कार्तिक पर तरजीह दे सकता है। कार्तिक फिनिशर की भूमिका के लिए टीम में लिए गए हैं। उन्हें एशिया कप में बल्लेबाजी का बमुश्किल मौका मिला था लेकिन टीम प्रबंधन अगले दो सप्ताह में उन्हें क्रीज पर कुछ समय बिताने का अवसर दे सकता है। दीपक हुड्डा एशिया कप में सुपर चार के सभी मैचों में खेले थे लेकिन टीम में उनकी भूमिका को लेकर स्पष्टता नहीं है। एशिया कप के दौरान जडेजा की चोट के कारण टीम में गेंदबाजी संतुलन बिगड़ गया था। भारत को पांच गेंदबाजों के साथ खेलने के लिए मजबूर होना पड़ा और उसके पास गेंदबाजी में छठा विकल्प नहीं था। अगर भारत हार्दिक पंड्या और जडेजा की जगह लिए गए अक्षर पटेल को अंतिम एकादश में रखता है तो उसके पास अतिरिक्त गेंदबाजी विकल्प होगा। बुमराह, भुवनेश्वर कुमार, हर्षल और हार्दिक के तेज गेंदबाजी आक्रमण के साथ अक्षर और युजवेंद्र चहल के रूप में दो स्पिनर हो सकते हैं। आस्ट्रेलिया की परिस्थितियों को ध्यान में रखकर ही टीम प्रबंधन इन मैचों के लिए टीम संयोजन तैयार करेगा। दूसरी तरफ आस्ट्रेलिया डेविड वार्नर सहित कुछ प्रमुख खिलाड़ियों के बिना भारत आया है। वार्नर को विश्राम दिया गया है जबकि मिशेल स्टार्क, मार्कस स्टोइनिस और मिशेल मार्श को चोटों से उबरने का समय दिया गया है। सभी का ध्यान कप्तान आरोन फिंच पर होगा जिन्होंने लगातार लचर प्रदर्शन के कारण हाल में वनडे से संन्यास ले लिया था। वह विश्व कप से पहले फॉर्म में वापसी करने की कोशिश करेंगे। एक अन्य खिलाड़ी टिम डेविड पर भी सभी की नजरें टिकी होंगी जो सिंगापुर की तरफ से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने के बाद आस्ट्रेलिया की तरफ से पदार्पण करेंगे। **टीम :आस्ट्रेलिया:** सीन एबॉट, एश्टन एगर, पैट कमिंस, टिम डेविड, नाथन एलिस, आरोन फिंच (कप्तान), कैमरन ग्रीन, जोश हेजलवुड, जोश इंगलिस, ग्लेन मैक्सवेल, केन रिचर्डसन, डेनियल सैम्स, स्टीव स्मिथ, मैथ्यू वेड, एडम जम्पा। **भारत:** रोहित शर्मा (कप्तान), केएल राहुल (उप कप्तान), विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, दीपक हुड्डा, ऋषभ पंत, दिनेश कार्तिक, हार्दिक पंड्या, अश्विन, युजवेंद्र चहल, अक्षर पटेल, भुवनेश्वर कुमार, हर्षल पटेल, दीपक चाहर, जसप्रीत बुमराह, उमेश यादव।

कोहली को चुकता करने के लिए बेहद साहसी व्यक्ति की जरूरत पड़ेगी : फिंच

मोहाली। आस्ट्रेलिया के कप्तान आरोन फिंच ने सोमवार को कहा कि विराट कोहली को चुकता करने के लिए किसी बेहद साहसी व्यक्ति की जरूरत पड़ेगी और भारत के पूर्व कप्तान ने पिछले 15 वर्षों जो कुछ हासिल किया उसे देखते हुए उन्हें चुका हुआ कहना हास्यास्पद होगा। कोहली ने इस महीने के शुरू में एशिया कप में फॉर्म में वापसी की थी और अपना 71वां अंतरराष्ट्रीय शतक जड़ा था। यह उनका नवंबर 2019 के बाद पहला शतक भी था। फिंच ने भारत के खिलाफ टी20 श्रृंखला की पूर्व संध्या पर कहा, विराट कोहली को चुकता करने के लिए किसी साहसी व्यक्ति की जरूरत पड़ेगी। पिछले 15 वर्षों में उन्होंने दिखाया है कि वह सर्वकालिक महान खिलाड़ियों में एक हैं। विशेषकर टी20 क्रिकेट में वह ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्होंने अपने खेल को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है और जब आपको उनका सामना करना होता है तो आप अपनी सर्वश्रेष्ठ तैयारी करते हैं। फिंच ने वर्चुअल संवाददाता सम्मेलन में कहा, वह लाजवाब हैं और उन्होंने 71 अंतरराष्ट्रीय शतक जमाए हैं। यह हास्यास्पद है।

कोई भी परफेक्ट नहीं, अपने स्ट्राइक रेट पर काम कर रहा हूं: केएल

भाषा। मोहाली

भारतीय उप कप्तान केएल राहुल को लगता है कि रन की संख्या धोखा दे सकती है लेकिन यह पूरी दास्तां बयां नहीं करती और टी20 विश्व कप से पहले उनकी कोशिश पावरप्ले ओवरों में अपने स्ट्राइक रेट को सुधारने की है। राहुल को पिछले कुछ समय से उनके स्ट्राइक रेट के कारण काफी आलोचनाएं झेलनी पड़ रही है और इस स्टाइलिश बल्लेबाज का मानना है कि पूरी पारी के दौरान एक जैसी लय बनाए रखना मुश्किल है। राहुल ने संयुक्त अरब अमीरात में एशिया कप के दौरान 122.22 के स्ट्राइक रेस से बल्लेबाजी की थी। उन्होंने कहा, यह (स्ट्राइक रेट) ऐसी चीज है जिसके लिए हर खिलाड़ी काम करता है। कोई भी परफेक्ट नहीं है। हर कोई किसी ना किसी चीज पर काम कर रहा है। हालांकि राहुल के करियर में टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों का स्ट्राइक रेट 61 मैचों में 140 से ज्यादा का है क्योंकि पारी के अंत में वह इसकी भरपाई कर लेते हैं। उन्होंने इस बहस पर अपना तर्क देते हुए कहा, स्ट्राइक रेट ओवरऑल (कुल स्कोर के) आधार पर लिया जाता है। आप एक बल्लेबाज को (पूरी पारी के दौरान) किसी एक निश्चित स्ट्राइक रेट पर खेलते हुए कभी नहीं देखते। उसके लिए 200 के स्ट्राइक रेट पर खेलना अहम था या फिर टीम 100 या 120 के स्ट्राइक रेट से खेलने से भी जीत सकती थी, इन चीजों के बारे में हमेशा आकलन नहीं किया जाता।

शतक के मामले में तेंदुलकर को पीछे छोड़ सकते हैं विराट: पोंटिंग

मेलबर्न। विराट कोहली की हाल में रनों की भूख को देखते हुए आस्ट्रेलिया के महान क्रिकेटर रिकी पोंटिंग ने कहा कि इस भारतीय सुपरस्टार के लिए सचिन तेंदुलकर की 100 अंतरराष्ट्रीय शतकों की उपलब्धि को पार करना संभव है। दो बार के विश्व कप विजेता कप्तान पोंटिंग ने कहा, देखिए मैं विराट के साथ कभी भी ऐसा नहीं कह सकता कि वह ऐसा कभी नहीं कर पाएगा क्योंकि आप जानते हैं कि एक बार वह थोड़ी लय में आ जाए तो वह रन के लिए कितना भूखा है और वह सफलता के लिए कितना प्रतिबद्ध है। मैं कभी भी उसके लिए निश्चित रूप से नहीं कभी नहीं कहूंगा। अपने शतक के साथ ही कोहली ने पोंटिंग के 71 शतकों की बराबरी की।

संधू पहले दौर में जीते

चेन्नई। भारत के हरिंदर पाल संधू ने सोमवार को यहां शुरू हुए एचसीएल-एसआरएफआई इंडियन टूर चेन्नई चरण स्क्वाश टूर्नामेंट में पुरुष एकल के पहले दौर में हमवतन नवनीत प्रभु को पराजित किया। वाइल्ड कार्ड से प्रवेश करने वाले संधू ने प्रभु पर 11-2, 7-11, 11-8, 11-8 से जीत दर्ज कर दूसरे दौर में प्रवेश किया। रवि को हालांकि नाईजीरिया के एडेगोके ओनाओपेमिपो से हार का सामना करना पड़ा। वरीयता प्राप्त खिलाड़ियों को पहले दौर में बाई मिली है।

नदीम होंगे लखनऊ टीटी एसोसिएशन के अध्यक्ष

लखनऊ। यूपीटीटीए के टेबल टेनिस परिसर में आयोजित वार्षिक आम बैठक में लखनऊ जिला टेबल टेनिस संघ के निम्नलिखित पद के लिए सर्वसम्मति से निम्नलिखित सदस्य चुने गए। अध्यक्ष : डॉ सैयद नदीम अख्तर, उपाध्यक्ष : अरुण कुमार बनर्जी, अरुण अग्रवाल, सचिव : एन.के लाहिरी, संयुक्त सचिव : अमित कुमार सिंह ,पराग अग्रवाल कोषाध्यक्षः पी के जैन, कार्यकारी समिति के सदस्य : धर्मेंद्र कुमार पुरुषोत्तम, देब कुमार भट्टाचार्य, रूपेश कुमार, राजीव यादव,मनोज बोस, संजीव कपूरए तनय हजारी, निर्मय मित्रा और अरविंद सिंह कानूनी सलाहकारः तनय हजारी, चयन समितिः अध्यक्षः संजीव कपूर,सदस्यः मनोज और रूपेश कुमार।

राष्ट्रीय खेलों में भाग लेंगे श्रीशंकर व साबले

नई दिल्ली। स्टीपलचेज एथलीट अविनाश साबले और लंबी कूद के एथलीट मुरली श्रीशंकर सहित कई ट्रैक एवं फील्ड सितारे आगामी राष्ट्रीय खेलो मे हिस्सा लेगे। गुजरात मे 29 सितंबर से शुरू होने वाले राष्ट्रीय खेलो मे 36 खेल मे से सबसे ज्यादा खिलाड़ी (600 से ज्यादा) ट्रैक एवं फील्ड स्पर्धा मे ही होगे।

यह श्रृंखला झूलन दी के नाम है: मंधाना

होव। भारत की पहले वनडे मे इंग्लैड के खिलाफ बड़ी जीत की सूत्रधार सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने कहा कि उनकी टीम दिग्गज तेज गेदबाज झूलन गोस्वामी को शानदार विदाई देना चाहती है जो तीन मैचो की इस श्रृंखला के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह देगी। पहले वनडे मे 99 गेदो पर 91 रन बनाकर भारत को सात विकेट से जीत दिलाने मे अहम भूमिका निभाने वाली मंधाना ने मैच के बाद कहा, मै कहना चाहती हूं कि यह श्रृंखला झुलु दी (झूलन गोस्वामी) के नाम है। उनकी गेदबाजी शानदार रही।

पाकिस्तान में टी20 श्रृंखला में इंग्लैंड की अगुआई करेंगे मोईन अली

कराची। अगले महीने होने वाले टी20 विश्व कप की तैयारियो के लिए पाकिस्तान मे हो रही सात मैचो की श्रृंखला मे मोईन अली इंग्लैड की अगुआई करेगे। इंग्लैड के ट्वेंटी20 कप्तान जोस बटलर इस समय पिंडली की चोट से उबर रहे है इसलिए अली टीम की अगुआई करेगे। बटलर के श्रृंखला के अंत मे एक या दो मैच खेलने की उम्मीद है।

प्रधानमंत्री ने बजरंग और विनेश के प्रदर्शन की सराहना की

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेद्र मोदी ने विश्व कुश्ती प्रतियोगिता मे शानदार प्रदर्शन करने वाले पहलवान बजरंग पूनिया और विनेश फोगाट की सोमवार को जमकर सराहना की और उन्हे उनकी उपलब्धि के लिए बधाई दी।

अपनी बल्लेबाजी से प्रशंसकों का फिर मनोरंजन करने की कोशिश करूंगा : सहवाग

लखनऊ। मुल्तान के सुल्तान नाम से मशहूर भारत के पूर्व विस्फोटक सलामी बल्लेबाज वीरेन्द्र सहवाग ने कहा है कि लीजेंड्स क्रिकेट लीग के जरिए क्रिकेट के मैदान पर फिर से उतरने की उन्हें खुशी है और वह बल्लेबाजी के जरिए अपने प्रशंसकों का फिर से मनोरंजन करने की कोशिश करेंगे। लीजेंड्स क्रिकेट लीग में गुजरात जायंट्स टीम की कप्तानी कर रहे सहवाग ने सोमवार को लखनऊ के इकाना स्टेडियम में मणिपाल टाइगर्स के साथ मुकाबले से पहले यहां प्रेस कांफ्रेंस में कहा एक बार फिर क्रिकेट के मैदान पर उतरने की खुशी है। कोशिश करूंगा कि प्रशंसकों का अपनी बल्लेबाजी के द्वारा फिर से मनोरंजन करूं। उम्मीद करता हूं कि हमारी टीम अच्छा खेले और ट्राफी जीते। लंबे समय बाद क्रिकेट मैदान पर लौटने के लिए फिटनेस बनाए रखना कितना चुनौतीपूर्ण है। इस सवाल पर सहवाग ने कहा, हम लोग अब वैसे फिट नहीं हैं जैसे पहले भारतीय टीम के लिए खेलते वक्त थे। दिमाग बहुत अच्छी तरह काम कर रहा है मगर शरीर उस तरह काम नहीं करता। यह उम्र की दिक्कत होती है, लेकिन महत्वपूर्ण बात यह है कि दूसरी टीमों में भी इसी उम्र के खिलाड़ी खेल रहे हैं, इसलिए मामला बराबरी का रहता है। टेस्ट क्रिकेट में दो तिहरे शतक लगाने वाले एकमात्र भारतीय बल्लेबाज सहवाग ने कहा, इस उम्र में बल्लेबाजी करने में तो इतनी दिक्कत नहीं है जितनी गेंदबाजों को होती है, इसलिए दो सुपरसब खिलाड़ी खिलाने के नियम का इस्तेमाल करके हम इसे बेहतर ढंग से सम्भाल सकते हैं। अंडर-19 खिलाडियों के लिए भी कोई लीग शुरू करने की जरूरत के सवाल पर सहवाग ने कहा कि वह चाहते हैं कि बिल्कुल निचले स्तर से स्कूल क्रिकेट टूर्नामेंट अच्छा हो, जहां से आप अच्छे खिलाड़ियों को तराश सकें जो अंडर-19, रणजी और फिर भारत के लिए खेल सकें। गुजरात जायंट्स के आयरिश खिलाड़ी केविन ओ ब्रायन ने इस अवसर पर कहा कि वह भारत आकर खुश हैं,क्योंकि यहां क्रिकेट एक जुनून है, इस टूर्नामेंट को लेकर गजब का उत्साह है। उन्होंने कहा कि वह सहवाग के साथ ओपनिंग करने का लुत्फ उठा रहे हैं। टीम के कोच वेंकटेश प्रसाद ने कहा कि लीजेंड्स क्रिकेट लीग एक शानदार मंच है। गुजरात जायंट्स के कई खिलाड़ी जैसे सहवाग, क्रिस गेल और दिलशान वाकई जायंट्स हैं। टीम का मूल मंत्र यही है कि लोगों का मनोरंजन हो और मैदान पर अपना सर्वश्रेष्ठ दें।

मिशेल जॉनसन के होटल के कमरे में निकला सांप

लखनऊ। लीजेंड्स क्रिकेट लीग में खेल रहे ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज मिशेल जॉनसन के कमरे में सोमवार को सांप नजर आया। संन्यास ले चुके खिलाड़ियों की इस टी20 लीग में जाक कैलिस की अगुवाई वाली इंडियन कैपिटल्स की टीम में शामिल जॉनसन ने इंस्टाग्राम पोस्ट में सांप का फोटो डाल कर उसकी प्रजाति के बारे में पूछा। किसी को पता है यह किस तरह का सांप है ? मैं दरवाजे के पास ही खड़ा हूं। उन्होंने एक अन्य पोस्ट में कहा, इस सांप के सिर की एक बेहतर तस्वीर मिली। अभी भी पता नहीं चल पाया है कि यह किस प्रजाति का है। भारत के लखनऊमें अब तक का प्रवास रोचक रहा है। चालीस साल के जॉनसन ने ऑस्ट्रेलिया के लिए 73 टेस्ट, 153 एकदिवसीय और 30 टी20 अंतरराष्ट्रीय खेले हैं।

पठान बंधुओं ने दिलाई भीलवाड़ा किंग्स को जीत

कैफ की पारी बेकार, हारा मणिपाल टाइगर्स

लखनऊ । पठान बंधुओं इरफान और यूसुफ के शानदार प्रदर्शन से भीलवाड़ा किंग्स ने लीजेंड्स लीग क्रिकेट (एलएलसी) के मैच में मणिपाल टाइगर्स पर तीन विकेट से जीत दर्ज की। फ्रेंचाइजी क्रिकेट में पहली बार एक टीम से खेल रहे यूसुफ और इरफान ने टीम को 154 रन के लक्ष्य तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। यूसुफ ने 28 गेंदों पर 44 जबकि इरफान ने 13 गेंदों पर 15 रन बनाए जिससे भीलवाड़ा ने दो गेंद शेष रहते हुए लक्ष्य हासिल कर दिया। अंतिम क्षणों में यूसुफ और इरफान के बीच 29 रन की साझेदारी महत्वपूर्ण साबित हुई। इससे पहले मोहम्मद कैफ के 73 रन की मदद से मणिपाल टाइगर्स ने निर्धारित 20 ओवरों में सात विकेट पर 153 रन बनाए थे। भीलवाड़ा की तरफ से फिदेल एडवर्ड्स ने 30 रन देकर चार विकेट लिए।

आईओए के प्रशासन की जिम्मेदारी उठाने के लिए तटस्थ व्यक्ति नियुक्त करेंगे : कोर्ट

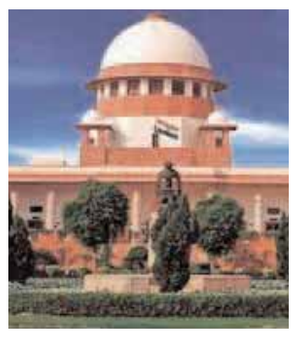

भाषा। नई दिल्ली,

उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को कहा कि वह भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के प्रशासन की जिम्मेदारी संभालने के लिए एक तटस्थ व्यक्ति को नियुक्त करेगा और साथ ही न्यायालय ने खेल मंत्रालय के सचिव को इस मुद्दे पर अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) से बात करने का निर्देश दिया। आईओसी ने आठ सितंबर को आईओए को जारी अंतिम चेतावनी में संचालन संबंधित मुद्दे निपटाने और दिसंबर तक चुनाव कराने को कहा था और ऐसा नहीं होने की हालत में विश्व खेल संस्था भारत को प्रतिबंधित कर देगी। नरिंदर बत्रा को आईओए अध्यक्ष पद से हटाए जाने के बाद आईओसी के कार्यकारी बोर्ड ने स्विट्जरलैंड के लुसाने में बैठक में यह भी फैसला किया था कि इस पद पर किसी कार्यकारीअंतरिम अध्यक्ष को मान्यता नहीं दी जाएगी। साथ ही उसने कहा था कि मुख्य संपर्क के तौर पर वह सिर्फ महासचिव राजीव मेहता से ही बात करेगा। न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ और हिमा कोहली की पीठ ने खेल मंत्रालय के सचिव से आईओसी में ओलंपिक सॉलिडैरिटी एंड एनओसी रिलेशंस (ओलंपिक एकजुटता और देशों की ओलंपिक समिति से संबंधित) निदेशक से बातचीत करने को कहा है। सुनवाई के दौरान केंद्र के लिए पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुझाव दिया कि आईओए के संविधान में संशोधन, निर्वाचक मंडल तैयार करने और चुनाव कराने के लिए उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश को नियुक्त किया जा सकता है। पीठ ने कहा, दूसरा सुझाव है कि प्रशासन के संचालन के लिए एक तटस्थ व्यक्ति को जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है जो आईओसी के पत्र के संदर्भ में आईओसी से समन्वय करेगा। पीठ ने कहा, आईओसी ने 27 सितंबर 2022 को लुसाने में एक संयुक्त बैठक का प्रस्ताव रखा है और यह जरूरी है कि एक व्यक्ति आईओसी के साथ समन्वय करे। इसे आसानी से कराने के लिए हमने सॉलिसिटर जनरल से अनुरोध किया है और खेल मंत्रालय के सचिव से आईओसी की ओलंपिक सॉलिडैरिटी एंड एनओसी रिलेशंस (ओलंपिक एकजुटता और देशों की ओलंपिक समिति से संबंधित) के निदेशक से बातचीत करने और अगली सुनवाई पर शीर्ष अदालत को जानकारी देने को कहा है। न्यायालय इस मामले में अब 22 सितंबर को सुनवाई करेगा।

प्रभाकरण की नियुक्ति पर चर्चा का अनुरोध ठुकराए जाने पर कानून का सहारा ले सकते हैं भूटिया

कोलकाता। भारत के पूर्व कप्तान बाईचुंग भूटिया ने सोमवार को कहा कि अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के यहां कार्यकारी समिति की बैठक के दौरान शाजी प्रभाकरण को महासचिव नियुक्त करने पर चर्चा का उनका अनुरोध अस्वीकार करने के बाद वह कानूनी विकल्पों का सहारा ले सकते हैं। प्रभाकरण फुटबॉल दिल्ली के प्रतिनिधि के तौर पर निर्वाचक मंडल में शामिल थे। पूर्व भारतीय गोलकीपर कल्याण चौबे ने दो सितंबर को अध्यक्ष पद के चुनाव में भूटिया को 33-। मतों से हरा दिया था और इसके एक दिन बाद ही प्रभाकरण को एआईएफएफ महासचिव नियुक्त कर दिया गया। भूटिया ने आरोप लगाया था कि मतदाता को महासंघ में वेतनभोगी पद पर नियुक्त करना सौदेबाजी है। उन्होंने एआईएफएफ से सोमवार को यहां हुई कार्यकारी समिति की बैठक में प्रभाकरण की नियुक्ति का एजेंडा शामिल करने का अनुरोध किया था।

एशियाड पदक विजेता पूवम्मा पर दो साल का प्रतिबंध

नई दिल्ली। भारत की सीनियर क्वार्टर मिलर और एशियाई खेलों की पदक विजेता एम आर पूवम्मा पर पिछले साल डोपिंग जांच में विफल आने के बाद दो साल का प्रतिबंध लगाया गया। नाडा के डोपिंग रोधी अपील पैनल (एडीएपी) ने अनुशासनात्मक पैनल के तीन महीने के निलंबन के फैसले को उलट दिया। बत्तीस साल की पूवम्मा का डोप नमूना पिछले साल 18 फरवरी को पटियाला में इंडियन ग्रां प्री एक के दौरान लिया गया था जिसमें वह मिथाइलहेक्सेनअमाइन प्रतिबंधित पदार्थ की पॉजिटिव पाई गई थीं। यह विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) संहिता के अंतर्गत प्रतिबंधित पदार्थ है। डोपिंग रोधी अनुशासनात्मक पैनल ने जून में उन्हें महज तीन महीने के लिए निलंबित किया था।

भारतीय युवा मुक्केबाजों ने 19 पदक जीते

● वोजवोदिना टूर्नामेंट

भाषा। नई दिल्ली

भारतीय युवा मुक्केबाजों ने सोमवार को सर्बिया में 40वें गोल्डन ग्लव ऑफ वोजवोदिना युवा मुक्केबाजी टूर्नामेंट के अंतिम दिन 10 स्वर्ण पदक जीतकर कुल 19 पदक से अभियान समाप्त किया। भावना शर्मा (48 किग्रा), देविका घोरपाडे (52 किग्रा), कुंजारानी देवी (60 किग्रा), रवीना (63 किग्रा) और कीर्ति (81 किग्रा) ने महिला वर्ग में स्वर्ण पदक जीते जबकि सभी 12 प्रतिभागी पदक के साथ लौंटी। मुस्कान (75 किग्रा) और प्रांजल यादव (81 किग्रा) ने फाइनल में हारकर रजत पदक जीते जबकि कशिश (50 किग्रा), नीरू (54 किग्रा), आर्या (57 किग्रा), प्रियंका (66 किग्रा) और लाशू (70 किग्रा) ने कांस्य पदक अपने नाम किए। पुरूष मुक्केबाजों में विश्वनाथ (48 किग्रा), आशीष (54 किग्रा) और साहिल (71 किग्रा) ने फाइनल में अपने प्रतिद्वंद्वियों पर 5-0 से जीत हासिल की। वहीं जादूमणि (51 किग्रा) और भरत जून (92 किग्रा) ने 4-। के अंतर की जीत से स्वर्ण पदक जीते।

स्टिमक ने एआईएफएफ का दिया नया अनुबंध स्वीकारा

भाषा। कोलकाता

अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने मुख्य कोच इगोर स्टिमक को नया अनुबंध पेश किया है जिसमें एक शर्त शामिल की गई है कि पुरूष टीम को एशियाई कप के क्वार्टरफाइनल तक पहुंचाओ या फिर बाहर जाओ। स्टिमक अभी कोलकाता में हैं जहां राष्ट्रीय टीम वियतनाम दौरे की तैयारी के लिए शिविर में हिस्सा ले रहे हैं और दौरा खत्म होने के बाद एआईएफएफ के अधिकारियों के उनके साथ अनुबंध की शर्तों पर चर्चा करने की उम्मीद है। जब स्टिमक से संपर्क किया तो उन्होंने सूचित किया कि उन्होंने अनुबंध स्वीकार कर लिया है। यह फैसला एआईएफएफ की कार्यकारी समिति की बैठक के दौरान लिया गया। एआईएफएफ महासचिव शाजी प्रभाकरण ने कहा, आई एम विजयन की अध्यक्षता वाली तकनीकी समिति ने कल उनका अनुबंध एशियाई कप तक बढ़ाने का फैसला किया है और आज इसे कार्यकारी समिति से मंजूरी मिल गई थी। इसमें प्रदर्शन को लेकर लक्ष्य टूर्नामेंट के शीर्ष आठ में जगह बनाने का है। अगर यह लक्ष्य हासिल कर लिया जाता है तो उनका अनुबंध स्वत: ही उस अगले टूर्नामेंट के लिए बढ़ा दिया जाएगा जो एआईएफएफ की प्राथमिकता सूची में हो। इससे समझा जा सकता है कि एआईएफएफ एशिया कप के बाद स्टिमक के साथ जारी नहीं रहना चाहता वर्ना राष्ट्रीय टीम के पिछले कुछ वर्षों में महाद्वीपीय टूर्नामेंट के प्रदर्शन के स्तर को देखते हुए इस तरह का लक्ष्य नहीं दिया जाता। भारतीय टीम वियतनाम दौरे पर 24 और 27 सितंबर को क्रमश: सिंगापुर और मेजबान के खिलाफ दो मैत्री मैच खेलेगी।

●अनुबंध में शर्त थी पुरूष टीम को एशियाई कप के क्वार्टरफाइनल तक पहुंचाओ या फिर बाहर जाओ

बुलंद इरादों के साथ भारतीय व्हीलचेयर हैंडबॉल टीम मिस्र पहुंची

मुंबई। मिस्र में होने वाली प्रथम आईएचएफफोरएसाइड व्हीलचेयर हैंडबॉल वर्ल्ड चैंपियनशिप-2022 के लिए चयनित भारतीय व्हीलचेयर हैंडबॉल टीम सोमवार को मुंबई से रवानगी के बाद मिस्र पहुंच गयी। इस चैंपियनशिप में भारत की 10 सदस्यीय टीम भाग लेगी। हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया के अध्यक्ष ए.जगनमोहन राव व महासचिव डा.तेजराज सिंह ने बताया कि मिस्र में प्रथम आईएचएफफोर ए साइड व्हीलचेयर हैंडबॉल वर्ल्ड चैंपियनशिप का आयोजन मिस्र में आगामी 20 से 25 सितंबर तक किया जा रहा है। इस चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम के दल प्रमुख डा.आनन्देश्वर पाण्डेय बनाए गए है।

तीन जीत के बाद यो से हारे प्रज्ञानानंधा

भाषा। न्यूयॉर्क

भारत के युवा ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंधा को मेल्टवॉटर चैंपियंस शतरंज टूर के सातवें चरण जूलियस बेयर जेनरेशन कप ऑनलाइन टूर्नामेंट में लगातार तीन जीत दर्ज करने के बाद अमेरिका के क्रिस्टोफर यो से हार का सामना करना पड़ा। प्रज्ञानानंधा ने क्रेन के 53 साल के अनुभवी वासिल इवानचुक और पोलैंड के जान क्रिज़्स्तोफ़ डूडा को हराकर अपना अभियान शुरू किया। चेन्नई के 17 साल के इस खिलाड़ी ने इसके बाद एक और दिग्गज बोरिस गेलफांड को शिकस्त दी लेकिन चौथे दौर के मुकाबले में अमेरिका के 15 साल के किशोर खिलाड़ी यो से हार गाए। पिछले कुछ समय में प्रज्ञानानंधा से दो बार हार का सामना करने वाले विश्व चैम्पियन मैग्नस कार्लसन ने टूर्नामेंट में एक अंक की बढ़त के साथ मजबूत शुरुआत की। कार्लसन ने भारत के अर्जुन एरिगैसी और बी अधिबान को अलावा लियाम क्वंआंग ली को शिकस्त दी लेकिन नीदरलैंड के शीर्ष खिलाड़ी अनीश गिरी ने उन्हें बराबरी पर रोक दिया।